THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 170 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.9 2082 सोमवार, 15 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 12 मूल्य : 8 रुपये

चुनावी मौसम में बिहार को बड़ा तोहफा

पूर्णिया से पीएम देंगे 36 हजार करोड़ रुपये की सौगात

पूर्णिया, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को चुनावी राज्य बिहार के पूर्णिया जिले पहुंचेंगे। यहां वे एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगे और करीब 36 हजार करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की शुरूआत करेंगे। पीएम इस दौरान पूर्णिया में बने नए हवाई अड्डा टर्मिनल का भी उद्घाटन करेंगे। इस टर्मिनल से उत्तर बिहार को हवाई संपर्क की सुविधा मिलेगी, जिसकी लंबे समय से मांग हो रही थी। कार्यक्रम की एक अहम कड़ी राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का उद्घाटन भी होगा। इसकी घोषणा इस साल के केंद्रीय बजट में की गई थी। प्रधानमंत्री कई बार अपने भाषणों में मखाना को सुपर फूड बता चुके हैं।

असम की जनसभा में बोले पीएम मोदी

मैं शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल जाता हूं

दरांग, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर मिशन पर हैं। असम में उन्होंने 18,530 करोड़ रुपये से अधिक की प्रमुख बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। असम के दरांग में पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कि वह भगवान शिव के भक्त हैं और दुश्मनों के द्वारा दिया गया सारा जहर निगल जाते हैं। पीएम मोदी ने यहां कांग्रेस पर जमकर हमला किया।

पीएम मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेरा पहली बार असम आना हुआ है। मां कामाख्या के आशीर्वाद से ऑपरेशन सिंदूर को जबरदस्त सफलता मिली। इसलिए आज मां कामाख्या की धरती पर आकर एक अलग ही पुण्य अनुभव हो रहा है। आज यहां जन्माष्टमी मनाई जा रही है। आप सभी को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं।

शिव का भक्त हूं, सारा जहर निकाल लेता हूं :

मां के अपमान का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे कितनी ही गालियां दे, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निकाल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। आप लोग मुझे बताएं, क्या भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित करने का मेरा निर्णय सही है या गलत? क्या कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए किया गया अपमान सही है या गलत? असम की ऐसी महान संतानों और हमारे पूर्वजों ने असम के लिए जो सपना देखा था, उसे पूरा करने में भाजपा की डबल इंजन सरकार पूरी निष्ठा से जुटी हुई है।

...उत्तर पूर्व के लोगों के घाव आज भी भरे नहीं :

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम पहले ही भारत रत्न सुधाकंठा भूपेन हजारिका जी का जन्मदिन मना चुके हैं। कल मुझे उनके सम्मान में आयोजित एक बहुत बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मिला।

मुख्यमंत्री ने मुझे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का एक वीडियो दिखाया, और इसे देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। जिस दिन भारत सरकार ने इस देश के महान सपूत, असम के गौरव, भूपेन हजारिका जी को भारत रत्न दिया। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहे हैं। 1962 में चीन के साथ युद्ध के बाद, पंडित नेहरू ने जो कहा, वह उत्तर पूर्व के लोगों के घाव आज भी भरे नहीं हैं।

कभी विकास के लिए संघर्षरत था असम :

पीएम मोदी ने असम में हो रहे विकास का जिक्र करते हुए कहा, भारत मौजूदा समय में दुनिया में सबसे तेजी से विकास करने वाला देश है, और असम इसके सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में से एक है। कभी विकास के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्षरत असम ने काफ़ी बदलाव किया है और अब 13 प्रतिशत की विकास दर के साथ उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह प्रभावशाली उपलब्धि यहां के लोगों के लचीलेपन और समर्पण का प्रमाण है। यह असम के लोगों की कड़ी मेहनत और भाजपा की दोहरी इंजन वाली सरकार के योगदान से प्रेरित, संयुक्त प्रयासों का भी परिणाम है।

आवारा कुत्तों पर विवाद के बीच पीएम मोदी बोले

एनिमल लवर्स गाय को जानवर नहीं मानते, सुप्रीम कोर्ट ने डॉग लवर्स के पक्ष में फैसला सुनाया था

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। देश भर में आवारा कुत्तों पर विवाद के बीच पीएम मोदी ने एनिमल लवर्स पर चुटकी ली। उन्होंने 12 सितंबर को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं पिछले दिनों कुछ एनिमल लवर्स से मिला। हमारे देश में ऐसे बहुत एनिमल लवर्स हैं और विशेषता है कि वे गाय को एनिमल नहीं मानते।

पीएम की बातों पर कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और हॉल में बैठे लोग ठहाके लगाकर हंसने लगे। प्रधानमंत्री भी मुस्कुराने लगे और लोगों से उन्होंने पूछा- क्यों, आपको हंसी आ गई? पूरे वाकिये का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल, 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में दिल्ली-एनसीआर के आवासीय इलाकों से सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में हटाकर हमेशा के लिए शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था। इस आदेश का देश भर में डॉग लवर्स ने सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक विरोध किया था। 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश पलट दिया। कोर्ट ने फैसले में संशोधन करते हुए आक्रामक या पागल कुत्तों को छोड़कर, सभी आवारा कुत्तों को नसबंदी और टीका लगाने के बाद वापस वहीं छोड़ने का आदेश दिया, जहां से उन्हें पकड़ा गया था।

पीएम आवास में गाय पालते हैं प्रधानमंत्री मोदी :

प्रधानमंत्री मोदी खुद एक गौ प्रेमी हैं। वे दिल्ली के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास में भी गाय पालते हैं। उन्होंने कई बार अपने आवास पर गायों के साथ समय बिताते पलों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

पीएम मोदी ने जनवरी 2024 में, मकर संक्रांति पर पुंगनूर (गाय का ब्रीड) गायों को चारा खिलाते हुए अपना एक वीडियो साझा किया था। पुंगनूर छोटी कद की, बैलों की तरह दिखने वाली गायों की एक भारतीय नस्ल है।

‘मैं कोई संत नहीं हूं’

आखिर नितिन गडकरी ने क्यों कही यह बात

मुंबई, 14 सितंबर (एजेंसियां)। इथेनॉल पर चल रही बहस के बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने आलोचकों पर कटाक्ष किया। गडकरी ने कहा कि उनका दिमाग 200 करोड़ रुपये प्रति माह का है और वह वित्तीय लाभ के लिए किसी भी हद तक नहीं गिरेंगे। गडकरी की यह टिप्पणी इथेनॉल पर चल रही बहस की पृष्ठभूमि में आई है। जिसमें खाद्य एवं जल सुरक्षा तथा वाहन अनुकूलता पर चिंताओं के मुकाबले उत्सर्जन में कमी के लाभों का मूल्यांकन किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पहल और प्रयोग विचारों से प्रेरित हैं और उनका उद्देश्य किसानों को लाभ पहुंचाना है, न कि व्यक्तिगत वित्तीय लाभ प्राप्त करना।

नागपुर में एग्रीकोस वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि आपको लगता है कि मैं यह सब पैसे के लिए कर रहा हूं? मैं ईमानदारी से कमाना जानता हूं। मैं कोई दलाल नहीं हूं। गडकरी ने कहा कि राजनेता अक्सर अपने फायदे के लिए विभाजन का फायदा उठाते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पिछड़ापन एक राजनीतिक हथियार बन गया है।

उन्होंने कहा कि मेरा भी एक परिवार और एक घर है। मैं कोई संत नहीं हूं, मैं एक राजनेता हूं। लेकिन मेरा हमेशा से मानना रहा है कि विदर्भ में लगभग 10,000 किसानों की आत्महत्या बेहद शर्मनाक है। जब तक किसान समृद्ध नहीं हो जाते, हमारे प्रयास जारी रहेंगे।

मंत्री की यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 सितंबर को सभी ईंधन स्टेशनों पर इथेनॉल मुक्त पेट्रोल की अनिवार्य उपलब्धता की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज किए जाने के मद्देनजर आई है। केंद्र ने इस याचिका का विरोध करते हुए इसे राष्ट्रीय नीति को कमजोर करने का प्रयास बताया था।

भारत ने अप्रैल 2023 में देश भर में 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ई20) लागू कर दिया, जिससे उसका मिश्रण लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले ही पूरा हो गया।

इस कार्यक्रम को कार्बन उत्सर्जन कम करने और कच्चे तेल के आयात में कटौती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है, फिर भी इसने बहस छेड़ दी है। उपभोक्ताओं और ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों सहित आलोचकों ने चेतावनी दी है कि इथेनॉल-मिश्रित ईंधन वाहन की दक्षता और स्थायित्व को प्रभावित कर सकता है।

याचिका में मिश्रित ईंधन के साथ-साथ इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, पंपों पर इथेनॉल की मात्रा का स्पष्ट लेबल लगाने तथा मिश्रित ईंधन के यांत्रिक प्रभाव पर राष्ट्रव्यापी अध्ययन कराने के निर्देश देने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता अक्षय मल्होत्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने तर्क दिया कि याचिका इथेनॉल मिश्रण के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य उपभोक्ता की पसंद को संरक्षित करना है।

उन्होंने कहा कि केवल अप्रैल 2023 के बाद निर्मित वाहन ही ई20 पेट्रोल के अनुरूप हैं, जबकि पुराने मॉडलों में ई 0 या ई10 विकल्पों के अभाव में यांत्रिक क्षति और उच्च रखरखाव लागत का जोखिम होता है।

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने याचिका का विरोध किय, तथा याचिकाकर्ता को नाम-उधार देने वाला बताया तथा सुझाव दिया कि यह मुकदमा निहित स्वार्थों का प्रतिनिधित्व करता है, जो भारत के स्वच्छ ईंधन अभियान को पटरी से उतारने का प्रयास कर रहा है।

गुलामी के कठिन दौर में भी भारतीय भाषाएं बनीं प्रतिरोध की आवाज : हिंदी ने पूरे किए 76 गौरवशाली वर्ष

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हिन्दी दिवस पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और संस्कृति के पुनर्जागरण का एक स्वर्णिम कालखंड चल रहा है। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाएं तकनीक, विज्ञान, न्याय, शिक्षा और प्रशासन की धुरी बनें। मिलकर चलो, मिलकर सोचो, मिलकर बोलो, यही हमारी भाषाई सांस्कृतिक चेतना का मूल मंत्र रहा है। डिजिटल इंडिया, ई-गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इस युग में मोदी सरकार भारतीय भाषाओं को भविष्य के लिए सक्षम बना रही है।

शाह ने अपने संदेश में कहा, गुलामी के कठिन दौर में भी भारतीय भाषाएं प्रतिरोध की आवाज बनीं। आजादी के आंदोलन के राष्ट्रव्यापी बनने में हमारी भाषाओं की बड़ी भूमिका रही।

हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने जनपदों की भाषाओं में, ग्राम-देहात की भाषाओं को आजादी के आंदोलन से जोड़ा। हिंदी के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं के कवियों, साहित्यकारों और नाट्यकारों ने लोकभाषाओं में, लोककथाओं में, लोकगीतों और लोकनाटकों के माध्यम से हर आयु, वर्ग और समाज के भीतर स्वाधीनता के संकल्प को प्रबल बनाया। वन्दे मातरम् और जय हिंद जैसे नारे हमारी भाषाई चेतना से ही उपजे और स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान के प्रतीक बने।

अपना भारत मूलतः भाषा-प्रधान देश है। हमारी भाषाएं सदियों से संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान-विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने की सशक्त माध्यम रही हैं। हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर दक्षिण के विशाल समुद्र तटों तक, मरुभूमि से लेकर बीहड़ जंगलों और गांव की चौपालों तक, भाषाओं ने हर परिस्थिति में मनुष्य को संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से संगठित रहने और एकजुट होकर आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है। मिलकर चलो, मिलकर सोचो और मिलकर बोलो, यही हमारी भाषाई-सांस्कृतिक चेतना का मूल मंत्र रहा है।

भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर दिया। पूर्वोत्तर में बीहू का गान, तमिलनाडु में ओवियालू की आवाज, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति की पदावली, बंगाल में बाउल संत के भजन, कजरी गीत, भिखारी ठाकुर की बिदेशिया, इन सबने हमारी संस्कृति को जीवन्त और लोककल्याणकारी बनाया है।

सरकारी लापरवाही को न करें नजरअंदाज : सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सभी अदालतों को नोटिस देते हुए कहा कि सरकारी लापरवाही को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि मुकदमों को फाइल करने में अत्यधिक देरी को माफ नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा करना अक्षमता को बढ़ावा देना है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने एक याचिका की सुनवाई के दौरान यह बात कही।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हाई कोर्ट को सरकार की लापरवाही को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। अगर सरकार देरी से कोई केस दोबारा खोलना चाहती है, तो कोर्ट को इसकी इजाजत नहीं देनी चाहिए। इससे एक प्राइवेट व्यक्ति पर हमेशा तलवार लटकी रहेगी।

हाई कोर्ट के किस आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने दी चेतावनी :

कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य के हाउसिंग बोर्ड को 11 साल की देरी के बाद एक जमीन विवाद का केस दोबारा खोलने की इजाजत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्याय के साथ मजाक बताया। सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट को चेतावनी दी है कि वे सरकार की तरफ से होने वाली अत्यधिक देरी को माफ न करें।

सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि जनहित के कारण देर की नजरअंदाज किया जा सकता है।

बेंच ने कहा कि मामला पब्लिक इंटरेस्ट का है, सिर्फ इसलिए देरी को माफ नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा, पब्लिक इंटरेस्ट सरकारी लापरवाही को माफ करने में नहीं है, बल्कि दक्षता, जिम्मेदारी और समय पर निर्णय लेने को मजबूर करने में है। सर्वोच्च न्यायालय ने कह भी कहा, कि सरकार को समय पर काम करना चाहिए। क्योंकि हर मामले में वह अपनी निजी क्षमता में नहीं, बल्कि लोगों के ट्रस्टी के रूप में मुकदमा लड़ती है।

क्या है पूरा मामला :

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि बार-बार सरकारी अक्षमता के आधार पर देरी को माफ करना, लिमिटेशन कानूनों के उद्देश्य को खत्म कर देगा। ये कानून निश्चितता और पब्लिक ऑर्डर के लिए बनाए गए हैं। इस मामले में बोर्ड और एक प्राइवेट व्यक्ति के बीच जमीन को लेकर विवाद 1989 में शुरू हुआ था। 2006 में कोर्ट ने बोर्ड के खिलाफ फैसला दिया था। बोर्ड ने 2017 में 11 साल बाद अपील दायर की, कर्नाटक हाई कोर्ट ने 3,966 दिनों की देरी को माफ कर दिया था।

‘वोट चोरी के आरोपों की जांच के बजाय राहुल पर गुस्सा क्यों?’

पूर्व सीईसी ने की चुनाव आयोग की आलोचना

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। विपक्षी इंडिया गठबंधन की तरफ से केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर लगाए गए वोट चोरी के आरोपों के चलते देशभर की सियासत में गर्माहट है। मामले में दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने चरम पर है।

ऐसे में देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने मामले में आयोग की तरफ से आरोपों पर दी गई प्रतिक्रियाओं की आलोचना करते हुए पलटवार किया है। कुरेसी ने आयोग के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी वाले बयान पर चुनाव आयोग को गुस्से में प्रतिक्रिया देने के बजाय तथ्यों की जांच करवानी चाहिए थी।

राहुल के आरोपों पर आयोग की प्रतिक्रिया से जताई आपत्ति :

राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर आयोग की प्रतिक्रिया से आपत्ति जताते हुए कुरैशी ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं, कोई आम नागरिक नहीं। उन्होंने लाखों लोगों की भावना को उठाया है, ऐसे में चुनाव आयोग को उनकी बात गंभीरता से लेनी चाहिए थी न कि आपत्तिजनक भाषा में बात करनी चाहिए थी। कुरैशी ने जोर देकर कहा कि चुनाव आयोग को सिर्फ निष्पक्ष होना ही नहीं, बल्कि दिखना भी चाहिए। अगर कोई शिकायत करता है, तो जांच करना आयोग की जिम्मेदारी बनती है, फिर चाहे शिकायत करने वाला आम नागरिक हो या विपक्ष का नेता।

मेरे समय में विपक्ष को प्राथमिकता मिलती थी :

कुरैशी ने याद दिलाया कि जब वे मुख्य चुनाव आयुक्त थे, उन्होंने अपने कर्मचारियों को निर्देश दे रखा था कि विपक्षी नेताओं को प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि वे सत्ता में नहीं होते और उनकी आवाज को भी सुना जाना चाहिए।

कुरैशी ने चुनाव आयोग को दी सलाह :

कुरैशी ने चुनाव आयोग से आत्मचिंतन की सलाह दी। साथ ही कहा कि अगर विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ता है, तो ये एक गंभीर संकेत है कि संस्थान को सुधार की जरूरत है। इसके अलावा पूर्व सीईसी ने राहुल गांधी से हलफनामा मांगने की आलोचना करते हुए कहा कि अगर ऐसा ही रवैया रहा, तो कल विपक्ष भी चुनाव आयोग से हलफनामा मांगने लगेगा।

क्या है पूरा मामला :

बता दें कि कुरैशी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी के आरोपो पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि राहुल गांधी को अपने आरोपों को लेकर सात दिनों में शपथ-पत्र देना होगा, वरना उनके वोट चोरी के दावे निराधार और अमान्य माने जाएंगे।

इससे पहले राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा वोट चोरी होने का दावा किया था।

उन्होंने इसमें पांच तरीकों से धांधली होने की बात कही थी और यह भी कहा था कि ऐसे ही मामलों की अन्य राज्यों में भी जांच होनी चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने हाल ही में बिहार में वोटर अधिकार यात्रा भी निकाली, जिसमें उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से वोट चोरी का आरोप लगाया।

‘विकसित भारत 2047 के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम’ : ओम बिरला

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि देश की महिलाएं अपने नेतृत्व और दृष्टिकोण से ‘विकसित भारत’ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने यह बात संसद और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में महिला सशक्तिकरण समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। इस दौरान ओम बिरला ने कहा कि महिलाएं आज देश के विकास में नई सोच के साथ योगदान दे रही हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत कर रही हैं।

संविधान निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर जोर :

ओम बिरला ने आगे संविधान निर्माण में भी महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान सभा में करीब 15 महिला सदस्य थीं, जिन्होंने संविधान को आकार देने में अहम योगदान दिया। उन्होंने यह भी बताया कि दुनिया के कई देशों के विपरीत, भारत ने शुरूआत से ही महिलाओं को वोट देने, समानता और न्याय का अधिकार दिया।

इसके साथ ही बिरला ने यह भी कहा कि आज महिलाएं वित्त, तकनीक और खेल जैसे क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने यह भी गर्व के साथ कहा कि आज देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू हैं, जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक हैं।

क्या है विकसित भारत 2047 :

बता दें कि केंद्र सरकार के अनुसार, ‘विकसित भारत 2047’ का लक्ष्य स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को एक विकसित देश बनाना है। इसमें आर्थिक समृद्धि, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय संतुलन और अच्छी शासन व्यवस्था को शामिल किया गया है। इसके तहत सरकार ने युवाओं के सुझाव के लिए एक पहल की भी शुरुआत की है। सरकार ने ‘विकसित भारत 2047 के लिए सुझाव’ नाम से एक वेबपेज लॉन्च किया है, जहां युवा अपनी रचनात्मक राय दे सकते हैं।

असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी, 14 सितंबर (एजेंसियां)। असम के ढेकियाजुली से 16 किलोमीटर दूर रविवार को शाम 4:41 बजे 5.9 तीव्रता का मध्यम भूकंप आया। भूकंप के झटके बांग्लादेश, नेपाल, भारत, म्यांमार, भूटान और चीन सहित कई देशों तक में महसूस किए गए।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पुष्टि की है कि भूकंप का केंद्र असम के ढेकियाजुली के पास था, जिसके कारण गुवाहाटी और आसपास के इलाकों में इमारतें हिलने लगीं। हालांकि किसी के हताहत होने या बड़ी क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

पुंछ में 3 आतंकी सहयोगी गिरफ्तार 7 एके राइफलें बरामद

जम्मू, 14 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार कर एक आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया है। आरोपियों के पास से सात एके राइफलें, भारी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य हथियार जब्त किए गए।

वनतारा मामला- एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट, आज सुनवाई

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमडी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी के वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू सेंटर की जांच कर रही एसआईटी ने सीलबंद रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी है। एसआईटी ने जांच में राज्यों के वन विभाग समेत कई एजेंसियों की मदद ली। गुजरात के जामनगर स्थित वनतारा में तीन दिन रहकर भी पड़ताल की। पैन ड्राइव में डिजिटल डेटा भी सौंपा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 25 अगस्त को गुजरात के जामनगर में वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर की जांच के लिए 4 सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित की थी। अब इस पर 15 सितंबर को सुनवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश 2 पब्लिक इंटरेस्ट पिटीशन पर दिया था। एक वकील सीआर जया सुकीन और दूसरी याचिका देव शर्मा ने जुलाई में कोल्हापुर के मंदिर से हाथी ‘माधुरी’ को वनतारा में ले जाने के विवाद के बाद दायर की थी। हथिनी को कई लोग महादेवी भी बुलाते हैं।

अलग-अलग इलाकों से मिले डेंगू के 18 नए मरीज, 479 पहुंची संक्रमितों की संख्या

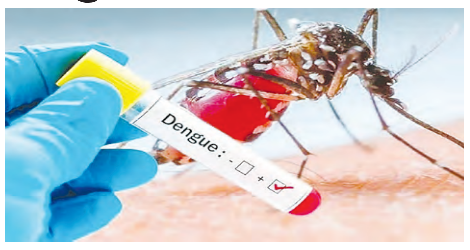

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)। पटना में डेंगू का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान 18 नए मरीज मिले हैं। जिसके बाद इस सीजन में संक्रमितों की संख्या 479 पर पहुंच चुकी है। स्वास्थ्य विभाग की माने तो, पिछले साल जिस भी इलाके में डेंगू का प्रकोप ज्यादा था, इस साल भी वहीं से सबसे अधिक मरीज मिले रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, पटना में बांकीपुर सबसे अधिक प्रभावित है, जहां अब तक डेंगू के 178 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके साथ ही पाटलिपुत्र में 76, नूतन राजधानी में 50, अजीमाबाद अंचल में 30, कंकड़बाग में 34 और पटना सिटी में 14 मरीज मिल चुके हैं। धीरे-धीरे अब पटना के ग्रामीण इलाकों में भी डेंगू के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, दानापुर में 10, फुलवारीशरीफ में 17, बख्तियारपुर में 5, संपतचक में 6, फतुहा में 7, खुसरूपुर में 5, पुनपुन में 5 और धनरूआ में 3 मरीज मिल चुके हैं। डॉक्टर का कहना है कि शहर के कई इलाकों में बारिश का पानी जमा है, जिसके कारण डेंगू के मच्छर बढ़ते जा रहे हैं।

जौनपुर में कोयला कारोबारी भाइयों की हत्या

जौनपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। जौनपुर में कोयला कारोबारी दो भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रात साढ़े 11 बजे दोनों छोटे भाई की शादी का कार्ड बांटकर लौट रहे थे। घर से 200 मीटर पहले ही बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने के बाद दोनों भाई बाइक से गिर गए। आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। उन्हें देखकर बदमाश भाग गए। परिजन दोनों भाइयों को प्रयागराज ले जाने लगे। रास्ते में एक भाई की मौत हो गई, जबकि दूसरे की अस्पताल में मौत हो गई। पूरी वारदात रामनगर गांव के मझिगवां मोड़ के निकट बेलवार मार्ग पर हुई। डबल मर्डर की सूचना पर एसपी डॉक्टर कौस्तुभ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक ने टीम ने भी घटनास्थल से सबूत जुटाए। मृतकों की पहचान शाहजहां (55) और उनके छोटे भाई जहांगीर (53) के रूप में हुई है।

पकड़ी अवैध असलहा फैक्ट्री 14 देशी कट्टे बरामद

मथुरा, 14 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने मथुरा के जंगलों में बाढ़ के पानी के बीच घुसकर एक अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। यह फैक्ट्री बाढ़ के पानी के बीच चल रही थी। फैक्ट्री की तलाश में दिल्ली पुलिस ने 48 घंटे तक इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। जिसके बाद पुलिस को कामयाबी हाथ लगी। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीम को 5 फीट से ज्यादा पानी से होकर भी निकलना पड़ा। टीम ने गांव के बीचों-बीच एक बंद कमरे से 14 देसी पिस्टल, हथियार बनाने की मशीनें और कच्चा माल बरामद किया। फैक्ट्री का सरगना मौके से भागने की कोशिश में था, लेकिन पुलिस ने उसे भी धर दबोचा। हैरानी की बात ये रही कि दिल्ली पुलिस ने ये पूरी कार्रवाई मथुरा पुलिस की जानकारी के बिना अंजाम दी।

27 साल की महिला ने एक साथ 4 बच्चों को दिया जन्म

मुंबई, 14 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा में एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। 27 साल की महिला ने इससे पहले जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था और इस बार उसने चार बच्चों को एक साथ जन्म दिया। वहीं एक बार महिला ने एक बेटी को भी जन्म दिया है। इस तरह महिला अब 7 बच्चों की मां बन गई है। इस मामले को देखकर हर कोई हैरान रह गया। खुद डॉक्टर भी हैरत में पड़ गए। ये मामला सतारा के कोरेगांव तालुका से सामने आया है। यहां रहने वाली काजल विकास खाकुर्डिया नाम की महिला ने चार बच्चों को एक साथ जन्म दिया। लेबर पेन होने पर महिला को क्रांतिसिंह नाना पाटिल सरकारी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां काजल की सिजेरियन ऑपरेशन (सी-सेक्शन) के जरिए डिलीवरी की गई। इस दौरान काजल ने चार बच्चों को जन्म दिया। काजल की तीन बेटियां और एक बेटा हुआ। अब चारों बच्चे और मां स्वस्थ हैं, लेकिन बच्चों का वजन कम बताया जा रहा है। चारों बच्चों का वजन 1200 से 1600 ग्राम के बीच है।

पाक को चेतावनी, अब हिमाकत की तो जवाब ज्यादा घातक होगा, कमांडर कटियार ने और क्या बताया?

चंडीगढ़, 14 सितंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को जितना नुकसान पहुंचाया है वह उसे सबक सिखाने के लिए पर्याप्त है लेकिन अभी युद्ध समाप्त नहीं हुआ है। फौज की तैयारी लगातार जारी है और पहले से ज्यादा भारी है। पाकिस्तान को जो जख्म दिए हैं, उम्मीद है कि अब वह कभी भारत को नुकसान पहुंचाने की हिमाकत नहीं करेगा। अब अगर फिर दुस्साहस किया तो सेना का जवाब ज्यादा खतरनाक होगा। 1965 भारत-पाकिस्तान युद्ध की हीरक जयंती के अवसर पर चंडीमंदिर कैंटोनमेंट में आयोजित एक कार्यक्रम में वेस्टर्न कमांड के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने यह बात कही।

उन्होंने कहा-केंद्र सरकार भी स्पष्ट कर चुकी है कि हम शांति के पक्षधर हैं और रहेंगे मगर दुश्मन की नापाक हरकतें बंद न हुईं तो छोड़ा नहीं जाएगा। पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर की टू नेशन थ्योरी को सिरे से खारिज करते हुए कटियार ने कहा-वह बांटने और भड़काने के लिए धर्म का इस्तेमाल करते हैं। सेना भी सांप्रदायिकता को बड़ी चुनौती मानती है मगर भारतीय सेना का धर्म क्या है, वह अगली बार हमारे जवान पाकिस्तान को जरूर बता देंगे।

पीएम के दौरे से ठीक पहले पीएफआई बिहार चीफ गिरफ्तार

एनआईए ने महबूब आलम नदवी को किशनगंज से पकड़ा

पूर्णिया, 14 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया आ रहे हैं। उनके दौरे से एक दिन पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार के पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के चीफ को गिरफ्तार किया है। कटिहार जिले के हसनगंज इलाके के रहने वाले महबूब आलम उर्फ महबूब नदवी (39) को किशनगंज के हलीम चौके के पास से पकड़ा गया है। 2022 फुलवारी शरीफ आपराधिक साजिश मामले को लेकर दायर चार्जशीट में महबूब आलम को 19वां आरोपी बताया गया है। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने प्रतिबंधित पीएफआई के 26 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। महबूब आलम पर गैरकानूनी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। महबूब कटिहार जिले के बंशीबाड़ी रामपुर हसनगंज का रहने वाला है। वह पिछले 3 सालों से फरार चल रहा था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पिछले लगातार पूछताछ कर रही है। महबूब, अप्रैल 2025 से किशनगंज के मोहिद्दीनपुर में रह रहा था। गिरफ्तारी के बाद एनआईए और एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड की टीम किशनगंज पहुंची है। वह हलीम चौक स्थित फातिमा गर्ल्स स्कूल में शिक्षक था।

स्कूल में वह छात्राओं को इस्लामिक शिक्षा के साथ हिजाब पहनने का दबाव बनाता था। पीएफआई विदेशी फंडिंग से भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की साजिश रच रहा था। 2022 में पटना के फुलवारी शरीफ में संगठन की गतिविधियां सामने आने के बाद सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया था। स्कूल प्रशासन के अनुसार, महबूब ने केवल अपना बायोडाटा जमा किया था। आधार कार्ड मांगने पर वह टालमटोल करता था।

स्कूल के संचालक सरफराज आलम ने बताया था कि उन्हें महबूब की देश-विरोधी गतिविधियों की जानकारी नहीं थी। वह स्कूल में 9,000 रुपए मासिक वेतन पर काम कर रहा था। स्थानीय रेफरेंस से उसने नौकरी पाई थी। एक महीने की छुट्टी के बाद वह हाल ही में स्कूल लौटा था। एनआईए को शक है कि नदवी के तार पाकिस्तान और बांग्लादेश से भी जुड़े हैं। करीब दो साल तक ओमान में रहने के बाद वह भारत लौटा था। मार्च 2025 से किशनगंज में एक निजी स्कूल में शिक्षक बनकर रह रहा था।

टीम इस दिशा में उससे गहन पूछताछ कर रही है। सूत्रों का कहना है कि नदवी को आगे की जांच के लिए दिल्ली ले जाया जा सकता है। 2022 के बाद नदवी ओमान भाग गया था। वहां उसका संपर्क आईएसआईएस और बोको हराम जैसे आतंकी संगठनों से हुआ।

बाल-बाल बचीं डिंपल यादव

इंडिगो की फ्लाइट हादसे से बची, पायलट की सूझबूझ से टली बड़ी दुर्घटना

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ एयरपोर्ट पर आज बड़ा हादसा टल गया।

गौरतलब है कि दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-2111) टेकऑफ के लिए रनवे पर दौड़ चुकी थी, तभी अचानक पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर विमान रोक दिया। दरअसल, उड़ान भरने से ठीक पहले इंजन को पर्याप्त थ्रस्ट नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में सुरक्षा को देखते हुए पायलट ने विमान रोकने का फैसला किया। इस विमान में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सांसद पत्नी डिंपल यादव समेत 151 यात्री सवार थे। अचानक फ्लाइट रुकने से यात्रियों में हड़कंप मच गया और कई सहम गए। हालांकि, सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और बाद में दूसरी फ्लाइट से दिल्ली भेजा गया।

इंडिगो की ओर से इसे तकनीकी गड़बड़ी बताया गया है। पायलट की सूझबूझ और सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

नहर में डूबने से तीन बच्चों की मौत

मोतिहारी, 14 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के आदापुर थाना क्षेत्र में एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जब सरकारी विद्यालय के तीन छात्र नहर के पानी में डूबकर असमय काल के गाल में समा गए। यह हादसा आदापुर थाना क्षेत्र के बखरी पंचायत स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बलिरामा गांव से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक, आठवीं कक्षा के छात्र पढ़ाई के दौरान बिना किसी शिक्षक की रोक-टोक के स्कूल से निकलकर छौड़ादानो-आदापुर नहर मार्ग के 72 आरडी पुल के पास स्नान करने चले गए। इस दौरान त्रिवेणी कैनाल नहर में पानी का बहाव तेज था। नहर में स्नान करते वक्त एक बच्चा डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में बाकी दो साथी भी गहरे पानी में समा गए। देखते ही देखते तीनों बच्चे डूब गए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद बच्चों को बाहर निकाला।

प्रियंका गांधी 28 सितंबर को आएंगी

वोटर अधिकार यात्रा के बाद दूसरा दौरा

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बाद अब कांग्रेस सांसद व महासचिव प्रियंका गांधी बिहार दौरे पर आ रही है। वे 28 सितंबर को बिहार आएंगी। उस दिन दो सभाओं को संबोधित करेंगी। कांग्रेस की ओर से अब तक इस दौरे की विधिवत घोषणा नहीं की गयी है। साथ ही अभी जगह का चयन भी नहीं किया गया है, लेकिन पार्टी स्तर पर इस कार्यक्रम को लेकर तैयारी शुरू कर दी गयी है। प्रियंका गांधी की सभाओं में महागठबंधन के अन्य घटक दलों के नेता भी शामिल होंगे। प्रियंका गांधी पहली बार बिहार अगस्त 2025 में आयी थी। बीते 26 अगस्त को वे राहुल के साथ वोटर यात्रा में शामिल हुईं थीं।

इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार और बिहार की एनडीए सरकार पर हमला बोला था। प्रियंका गांधी ने कहा था, "जिस पार्टी ने लोगों का विश्वास खो दिया है। वह वोट चोरी के जरिए सत्ता में बनी रहना चाहती है। लाखों लोगों को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के नाम पर वोट देने के अधिकार से वंचित किया गया है। गरीबों का एक भी वोट चोरी नहीं होने देंगे।" यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी ने बीजेपी पर जमकर हमला किया।

तेजस्वी यादव भी निकलेंगे यात्रा पर

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव भी जहानाबाद से बिहार अधिकार यात्रा निकालेंगे। वो 16 सितंबर से शुरू होकर 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी। यात्रा जहानाबाद और वैशाली के अलावा नालंदा, पटना, बेगूसगू राय, खगड़िया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल और समस्तीपुर होकर गुजरेगी। पांच दिनों की इस यात्रा का उद्देश्य विधानसभा क्षेत्रों में जनता से संवाद करना है। इस दौरान बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और मतदाता अधिकार जैसे मुद्दों पर जनमत बनाने का प्रयास होगा।

नेपाल हिंसा की होगी न्यायिक जांच

मारे गए युवाओं को शहीद का दर्जा देने का फैसला परिजनों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा

काठमांडू, 14 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने 9 सितंबर को काठमांडू सहित देशभर में हुई आगजनी, हत्या, हिंसा और लूटपाट की घटना की न्यायिक जांच कराने की बात कही है। सिंहदरबार में आज अपना कार्यभार संभालने के बाद अंतरिम प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि जेन जी प्रदर्शन की आड़ में 9 सितंबर को काठमांडू सहित देशभर में सरकारी तथा निजी संपत्तियों पर आक्रमण, आगजनी, लूटपाट की घटना एक षड्यंत्र है। देश के नाम संबोधन में उन्होंने कहा कि जिस तरह से टारगेट करके और पहचान करके लोगों की संपत्तियों को जलाया गया है, उनके घर जलाए गए हैं, यह युवा प्रदर्शनकारियों का काम नहीं है। सुशीला कार्की ने कहा कि कई समूहों की पहचान की गई है जो इस पूरी हत्या, हिंसा, आगजनी और लूटपाट में सहभागी थे। उन्होंने कहा कि इस पूरी घटना की न्यायिक जांच कराई जाएगी। कार्की ने कहा कि इस तरह की उद्दंडता को किसी भी हालत में जायज नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों के निजी घरों में, दुकानों में, होटलों में, फैक्ट्रियों में आगजनी और लूटपाट की घटना से आम लोगों के जनजीवन पर बहुत ही बुरा असर हुआ है। कार्की ने कहा कि देश की आर्थिक अवस्था पहले ही बहुत खराब स्थिति से गुजर रही थी, उसी बीच इस घटना के कारण आर्थिक व्यवस्था पर वज्रपात हुआ है।

हैदराबाद के स्कूल में ड्रग फैक्ट्री का खुलासा:डायरेक्टर सहित 3 गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 सितंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने शनिवार को एक प्राइवेट स्कूल के अंदर ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा किया। मेधा स्कूल नाम के स्कूल के डायरेक्टर मालेला जया प्रकाश गौड़ सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने स्कूल के क्लास रूम और रसट्रिकटेड एरिया को अल्प्राजोलम का प्रोडक्शन फैक्ट्री बना दिया था।

अल्प्राजोलम का इस्तेमाल ताड़ी बनाने में किया जाता है। यह एक नशीला पदार्थ है, जो तेलंगाना में बैन है। पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग के सेकेंड फ्लोर पर लगभग छह महीने से फैक्ट्री चल रही थी। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर क्लास चलती थी। फैक्ट्री में छह दिन ड्रग्स बनती थी। रविवार को इसे बाहर पहुंचाया जाता था। ड्रग्स फैक्ट्री के खिलाफ यह कार्रवाई तेलंगाना पुलिस की एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट ने की। टीम ने 7 से ज्यादा अल्प्राजोलम, 21 लाख कैश, बड़ी मात्रा में केमिकल और मैन्युफैक्चरिंग का सामान बरामद किया है। पुलिस को एक केमेस्ट्री लैब भी मिली, जिसमें बड़े पैमाने पर ड्रग्स प्रोडक्शन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आठ रिएक्टर और ड्रायर लगे थे। पुलिस ने बताया कि स्कूल डायरेक्टर गौड़ ने गुरुवरेड्डी नामक एक सहयोगी से ड्रग्स बनाना सीखा था।

मंदिर हमले में हथियार मुहैया कराने वाले पकड़े गए; विदेशी आतंकियों ने रची थी साजिश

अमृतसर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमले के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। मोहाली (पंजाब) स्थित विशेष एनआईए अदालत में दायर अपने आरोपपत्र में, एनआईए ने विशाल गिल, भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हुए हमले की साजिश रचने व उसे अंजाम देने में उनकी भूमिका के लिए आरोप लगाया है। विशाल गिल उन दो बाइक सवार हमलावरों में से एक था, जिन्होंने 15 मार्च 2025 की तड़के ग्रेनेड फेंका था। दूसरा हमलावर, गुरसिदक सिंह उर्फ सिदकी, हमले के दो दिन बाद पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था।

इस जगह बनेगा जगन्नाथपुरी मंदिर जैसा पंडाल

कोलकाता के कारीगर करेंगे निर्माण

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के बोरिंग रोड चौराहे पर लगभग 3300 वर्गफीट में बनने वाले इस पंडाल की ऊंचाई 60 फीट और चौड़ाई 55 फीट होगी। पूजा आयोजन समिति के अध्यक्ष उमेश सिंह चंद्रवंशी ने बताया कि पंडाल का डिज़ाइन जगन्नाथपुरी मंदिर जैसा बनाया जा रहा है। इसके निर्माण में पश्चिम बंगाल के मधुपुर से आए कारीगर थर्मोकोल से सजावट कर रहे हैं। पूरे पंडाल को तैयार करने में करीब 12 लाख रुपए का खर्च आने का अनुमान है। अध्यक्ष ने यह भी बताया कि पटना में यह पहली पूजा समिति है, जहां मां दुर्गा के साथ भैरवनाथ की पूजा भी होती है।

इसके अलावा माता लक्ष्मी, सरस्वती, गणेश और कार्तिकेय की प्रतिमाओं का सेट भी विशेष रूप से बनाया जा रहा है। पूजा के दौरान सप्तमी से नवमी तक हर दिन लगभग 40 किलो भोग-प्रसाद श्रद्धालुओं में बांटा जाएगा। पटना में दुर्गा पूजा बड़े ही खास तरीके से मनाई जाती है। यहां अलग-अलग पूजा समितियां भव्य पंडाल बनाकर मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना करती हैं।

कई जगहों पर मंदिर जैसी सजावट, रोशनी और रंग-बिरंगे मंच तैयार किए जाते हैं। सप्तमी से नवमी तक भोग-प्रसाद का वितरण होता है और बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं। विशेष रूप से बोरिंग रोड जैसे इलाकों में पूजा को भव्य रूप दिया जाता है, जहा परंपरा, भक्ति और उत्सव का अनोखा मेल देखने को मिलता है। यह शहर की सांस्कृतिक पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है।

पूर्णिया: 'पीएम मोदी के 11 और एनडीए के 20 साल'

तेजस्वी यादव ने बिहार के लिए जताई यह बड़ी चिंता

पूर्णिया, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने (14 सितंबर) को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच), पूर्णिया का दौरा कर मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर सवाल उठाए और केंद्र तथा राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि पूर्णिया जैसे बड़े जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थिति बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने दावा किया कि अस्पताल में बिस्तरों, डॉक्टरों और नर्सों की भारी कमी है। प्रोफेसरों के पद भी खाली पड़े हैं और केवल 20 प्रतिशत पदों पर ही नियुक्तियां हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेडिकल कॉलेज होने के बावजूद मरीजों को यहां उचित सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। न तो यहां पर्याप्त दवाइयां हैं, न तकनीशियन, न ट्रॉमा सेंटर और न ही आईसीयू है। राजद नेता ने पीएम नरेंद्र मोदी और बिहार की एनडीए सरकार को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी 11 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं और बिहार में एनडीए की 20 साल से सत्ता है, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल जस का तस है।

तेजस्वी ने सवाल उठाया कि इतने लंबे शासनकाल में भी जनता को डॉक्टर, दवाइयां और जरूरी इलाज क्यों नहीं मिल पा रहा है। मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत के दौरान तेजस्वी ने सुना कि अस्पताल में न तो समय पर इलाज मिलता है और न ही दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। कई मरीजों को बाहर की दवाइयों पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बिहार की जनता के साथ अन्याय है और सरकार को तुरंत कदम उठाने चाहिए। तेजस्वी यादव ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए सरकार से ठोस नीतिगत फैसले लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए गए तो लोगों की जान लगातार खतरे में रहेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राजद जनता की समस्याओं को लगातार उठाता रहेगा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगा।

'भावनाएं आहत करने का इरादा नहीं था'

नवजात शिशुओं की मौत पर विवादित बयान देने वाली सीएमओ ने दी सफाई

गोंडा, 14 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जनपद में तैनात सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा का एक बयान विवादों में घिर गया है, जिसके बाद उन्होंने अपनी बात स्पष्ट की है। दो नवजात शिशुओं की मौत पर दिए गए उनके बयान को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक आलोचना हुई, जिसके बाद डॉ. वर्मा ने सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा किसी की भावनाएं आहत करने का नहीं था। उन्होंने पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने की बात कही और जांच की प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मेरी भावनाएं पीड़ित परिवार के साथ हैं। बता दें कि बीते दिनों गोंडा में एक निजी अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जिसके बाद डॉ. रश्मि वर्मा का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बयान में उन्होंने कहा था कि एक बच्चा मर गया तो क्या हुआ? हजारों जिंदा हैं, लड्डू खाने जाइए। यह बयान संवेदनहीनता का प्रतीक माना गया और जनता ने इसका विरोध किया। विवाद बढ़ने के बाद डॉ. वर्मा ने एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में मेरा इरादा किसी की भावनाएं आहत करने का नहीं था। मैं पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी हूं और इस मामले की गंभीरता को समझती हूं। एक जांच टीम गठित की गई है, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'क्या सभी मुसलमान आतंकवादी हैं'

रामभद्राचार्य के मिनी पाकिस्तान वाले बयान पर बोले सपा नेता एसटी हसन

मुरादाबाद, 14 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद एस.टी. हसन ने आध्यात्मिक गुरु रामभद्राचार्य के विवादास्पद बयान पर कड़ा प्रहार किया है। रामभद्राचार्य ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को 'मिनी पाकिस्तान' का बयान दिया था, जिसे हसन ने अपमानजनक और गलत बताया। डॉ हसन ने कहा कि वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पाकिस्तान कहकर उसका अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जो कुछ किया है और जिस तरह से उसका गठन हुआ है, सभी जानते हैं कि वह कैसा देश है। क्या सभी मुसलमान आतंकवादी हैं? जो वह पाकिस्तान बता रहे हैं। उन्हें बोलने से पहले सोचना चाहिए। बता दें कि रामभद्राचार्य ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा था कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश 'मिनी पाकिस्तान' बन गया है। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और व्यापक आलोचना का सामना कर रहा है। कई लोगों ने इसे हिंदू-मुस्लिम समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाला बताया है। समाजवादी पार्टी के नेता एस.टी. हसन ने रामभद्राचार्य के बयान को न केवल अपमानजनक बल्कि समाज को बांटने वाला बताया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हिंदू और मुस्लिम भाई-चारे के साथ रहते हैं।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विकसित बिहार विकसित भारत

बिहार के लोगों के लिए विद्युत, रेलवे, एयरपोर्ट, आवासन एवं शहरी कार्य, जल शक्ति, ग्रामीण विकास, कृषि, पशुपालन तथा डेयरी क्षेत्रों की 36000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उपहार

शिलान्यास

- पीरपैंती (भागलपुर) में 3x800 मेगावाट ताप विद्युत परियोजना
- कोसी–मेची अंतर–राज्यीय नदी लिंक परियोजना फेज़–I
- बिक्रमशिला–कटरिया के बीच नई रेल लाइन (26 किमी)
- सुपौल तथा कटिहार जिलों में अवरोधन एवं विपथन (आई एंड डी) एवं अपशिष्ट शोधन संयंत्र (एसटीपी) कार्य
- दरभंगा, कटिहार तथा भागलपुर में जलापूर्ति परियोजनाएं

उद्घाटन

- पूर्णिया हवाई अड्डे के अंतरिम टर्मिनल भवन
- अररिया–गलगलिया (ठाकुरगंज) के बीच नई रेल लाइन (111 किमी)
- नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत भागलपुर में अपशिष्ट शोधन संयंत्र (एसटीपी) तथा अवरोधन एवं विपथन (आई एंड डी)
- पूर्णिया में स्वदेशी गोजातीय लिंग–विभेदित वीर्य उत्पादन सुविधा

हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

- पूर्णिया हवाई अड्डे से पहली वाणिज्यिक उड़ान
- अररिया–गलगलिया नई रेल लाइन से होकर जाने वाली कटिहार–सिलीगुड़ी एक्सप्रेस
- जोगबनी–दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस
- सहरसा–छेहरटा (अमृतसर) अमृत भारत एक्सप्रेस
- जोगबनी–इरोड अमृत भारत एक्सप्रेस

गृह प्रवेश

- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) (बिहार के 35600 लाभार्थी)
- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) (बिहार के 5920 लाभार्थी)

एनआरएलएम के अंतर्गत लाभों के वितरण

- बिहार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत समूह स्तरीय संघों के लिए ₹500 करोड़ की सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) तथा पाँच सीएलएफ को चेकों की सुपुर्दगी

शुभारंभ

- राष्ट्रीय मखाना बोर्ड

परियोजनाओं के लाभ

- पूर्णिया हवाई अड्डे पर नए सिविल एन्क्लेव के विकास से क्षेत्र में हवाई यात्रा की माँग पूरी होगी
- नई लाइनों और रेलगाड़ियों के परिचालन से कुशल एवं किफायती रेल यात्रा के साथ यात्री और माल ढुलाई के लिए संपर्कता को बढ़ावा मिलेगा
- नए ताप विद्युत संयंत्रों से विद्युत उत्पादन से घरेलू और औद्योगिक खपत के लिए विद्युत की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित होगी
- नए जलापूर्ति तंत्रों से संधारणीय जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा और जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल से जल के कनेक्शन उपलब्ध कराने में तेजी आएगी
- अवरोधन एवं विपथन (आई एंड डी) तथा नए अपशिष्ट शोधन संयंत्र (एसटीपी) नदी के प्रदूषण को कम करेंगे तथा गंगा के पुनरुद्धार में सहायक सिद्ध होंगे
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) के अंतर्गत 41,520 परिवार घर के मालिक बनेंगे
- गोजातीय लिंग–विभेदित वीर्य उत्पादन सुविधा से डेयरी किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा उनका आर्थिक बोझ कम होगा
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत धनराशि के वितरण से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा और ग्रामीण निर्धन परिवारों / स्वयं सहायता समूहों का सशक्तिकरण
- मखाना उत्पादन उद्योग को बढ़ावा, जिससे इस क्षेत्र में वैश्विक मानचित्र पर बिहार की पहचान को सुदृढ़ता मिलेगी

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
द्वारा

सोमवार, 15 सितंबर, 2025 | अपराह्न 03:30 बजे | पूर्णिया, बिहार

गरिमामयी उपस्थिति

श्री आरिफ मोहम्मद खान – राज्यपाल, बिहार
श्री नीतीश कुमार – मुख्यमंत्री, बिहार
श्री मनोहर लाल – केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री
श्री शिवराज सिंह चौहान – केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री
श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह – केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री
श्री किंजरापु राममोहन नायडू – केंद्रीय नागर विमानन मंत्री
श्री अश्विनी वैष्णव – केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
श्री सी. आर. पाटिल – केंद्रीय जल शक्ति मंत्री
श्री सम्राट चौधरी – उप मुख्यमंत्री, बिहार
श्री विजय कुमार सिन्हा – उप मुख्यमंत्री, बिहार
श्री राजेश रंजन – संसद सदस्य (लोकसभा)
श्री विजय कुमार खेमका – विधायक, पूर्णिया

CBC 03111/15/0011/2526

DD NEWS कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर देखें

'एक वादा पूरा हुआ', कृति सेनन ने गुदवाया उड़ती चिड़िया का टैटू, बताई वजह

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तेरे इश्क में' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच कृति ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने पहले टैटू की कुछ खास तस्वीरें शेयर कीं। कृति के इस पोस्ट पर रश्मिका मंदाना ने अपना रिएक्शन शेयर दिया है।

कृति का टैटू

कृति सेनन ने आज इंस्टाग्राम पर अपने पहले टैटू की तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही बताया कि वह यह काम कभी नहीं करने वाली थीं, लेकिन उन्होंने अपने बाएं पैर में एक उड़ती हुई चिड़िया का टैटू गुदवाया लिया है। इन सभी शानदार तस्वीरों को कृति ने इंस्टाग्राम पर शेयर कर अपने फैंस को खुश कर दिया है।

कृति ने टैटू को लेकर बताई वजह

कृति ने लिखा, 'कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा करूंगी, लेकिन कभी नहीं कहना। बस अभी-अभी टैटू बनवाया है। एक वादा पूरा हुआ। एक अनुस्मारक कि मैं ऊंची उड़ान भर सकती हूं.. सूर्योदय तक।' कृति की इस पोस्ट पर रश्मिका मंदाना ने लाल दिल वाला इमोजी बनाया है।

कृति की फैंस को सलाह

'आगे कृति सेनन ने लिखा, 'उन सभी के लिए जिनकी आंखों में सपने हैं...वह छलांग लगाओ जिससे आप डरते हैं..यह आसान नहीं हो सकता है, लेकिन आपको अपने पंख मिल जाएंगे, आपको अपने लिए मिल जाएगी, आप उड़ना सीख जाएंगे।' आगे कृति ने टैटू मेकर को धन्यवाद भी लिखा।

कृति का वर्कफ्रंट

कृति सेनन जल्द ही फिल्म 'तेरे इश्क में' नजर आएंगी। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल. राय ने किया है। इस फिल्म में दक्षिण सुपरस्टार धनुष और बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन पहली बार एक साथ नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। यह फिल्म हिंदी और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी।

ताहिरा कश्यप ने आयुष्मान खुराना को दी जन्मदिन की बधाई, बताया पति को 'पसंदीदा कॉफी पार्टनर'

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'थामा' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। आज आयुष्मान का 41वां जन्मदिन है। इस खास दिन को आयुष्मान की पत्नी और लेखिका ताहिरा कश्यप ने अपनी शानदार पोस्ट से और भी खास बना दिया है। ताहिरा कश्यप आज इंस्टाग्राम पर अपने पति और बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना के जन्मदिन पर कई अलग-अलग तस्वीरें शेयर कीं और उन्हें अपना 'पसंदीदा कॉफी पार्टनर' बताया। उन्होंने लिखा, 'आयुष्मान अपने अलग-अलग अंदाज से हमेशा ताजगी लाते हैं और उनके साथ जिंदगी खुशियों से भरी है।' एक तस्वीर में दोनों कॉफी पीते हुए रोमांटिक पल में नजर आए, जबकि बाकी तस्वीरों में आयुष्मान का बिंदास और आकर्षक अंदाज दिखाई दिया। ताहिरा की इस पोस्ट पर आयुष्मान खुराना ने लाल दिल वाला इमोजी बनाया है। वहीं कई फैंस ने आयुष्मान खुराना को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और साथ ही लाल दिल वाले इमोजी शेयर किए। आयुष्मान को उनके जन्मदिन पर कई लोगों से बधाइयां मिलीं, जिसमें उनकी 'थामा' को-स्टार रश्मिका मंदाना की खास बधाई भी शामिल है। रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर आयुष्मान के साथ कार में ली गई एक तस्वीर शेयर की और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

घर पर हमले के बाद न्यूयॉर्क से दिशा पाटनी का पहला पोस्ट, यूजर्स ने याद दिलाया गोल्डी बरार का नाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी इन दिनों सुर्खियों में हैं। वजह कोई फिल्म या नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित उनके घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना है। शुक्रवार सुबह अचानक हुई इस वारदात ने उनके परिवार और फैंस को सख्ते में डाल दिया। दिशा ने खुद इस घटना पर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जरूर शेयर किया है।

दिशा का ग्लैमरस अंदाज

वारदात के दो दिन बाद दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम पर न्यूयॉर्क फैशन वीक से अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वो इंटरनेशनल ब्रांड के स्प्रिंग कलेक्शन 2026 के लिए डिजाइनर वेरोनिका लियोनी के ब्लैक बैकलेस गाउन में बेहद स्टाइलिश नजर आ रही थीं।

परिवार और प्रशंसकों की चिंता

हालांकि, बरेली में मौजूद उनका परिवार इस पूरे घटनाक्रम से बेहद दहशत में है। पिता जगदीश पाटनी ने साफ कहा है कि पुलिस हर संभव कदम उठा रही है लेकिन परिवार अब भी डरा हुआ है। इधर, फैंस लगातार दिशा

की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई यूजर्स ने उन्हें कमेंट्स में गोल्डी बरार और रोहित गोदारा की याद दिलाई।

बरेली में मचा हड़कंप

दरअसल, बरेली के सिविल लाइंस इलाके में स्थित दिशा पाटनी के घर के बाहर दो अज्ञात हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग की। गोलीबारी इतनी तेज थी कि इलाके में अफरातफरी मच गई। शुरुआती जांच में बताया गया कि हमलावरों ने 8 से 10 राउंड गोलियां चलाईं, जिनकी आवाज दूर तक सुनाई दी। दिशा के पिता जगदीश पाटनी ने भी इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हथियार देसी नहीं बल्कि विदेशी थे। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस, एसएसपी और एडीजी स्तर के अधिकारी खुद मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

हमले की जिम्मेदारी

इस घटना की जिम्मेदारी गोल्डी बरार और रोहित गोदारा ने ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर कहा कि यह कार्रवाई धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की वजह से की गई है। उन्होंने धमकी भरे लहजे में यह भी लिखा कि यह सिर्फ ट्रेलर था और अगर आगे भी धर्म या संतों का अपमान हुआ तो अंजाम और भी बड़ा होगा। हालांकि, पुलिस अभी तक यह साफ नहीं कर पाई है कि वास्तव में इसके पीछे कौन है।

सेलेब्रिटीज पर बढ़ रहा खतरा

यह पहली बार नहीं है जब किसी बड़े स्टार को इस तरह के हमले का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले सलमान खान और कपिल शर्मा जैसे कलाकारों को भी गैंगस्टरों की धमकियों और फायरिंग का सामना करना पड़ा था। अब दिशा पाटनी के मामले ने एक बार फिर फिल्म इंडस्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लक्ष्मी मांचू ने ऑनलाइन सट्टेबाजी एप विवाद पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'मैं बहुत परेशान थी'

तेलुगु अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू उस समय सुर्खियों में आ गई थीं, जब उन्हें ईडी द्वारा समन भेजा गया था। जांच एजेंसी के अनुसार इनपर कथित तौर पर अवैध तरीके से पैसा जुटाने वाले ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स को सपोर्ट देने का आरोप था। इसी के बाद से एक्ट्रेस विवादों में घिर गई थीं। अब उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया दी है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

लक्ष्मी मांचू हाल ही में एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। यहा उन्होंने अपने ऊपर चल रहे बेटिंग एप मामलों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आप जानते हैं, यह ईडी की बैठक है। मुझे यह बहुत अजीब लगता है कि हमारी सरकार उस व्यक्ति के पीछे पड़ जाएगी। मैं सोचती हूं, भाई देखो तो इसकी शुरुआत किसने की थी।

केस को गलत तरीके से पेश किए जाने पर निराश

आगे उन्होंने कहा, मैं बहुत परेशान थी, क्योंकि लोग कुछ भी बोलते हैं, हमने जो किया वो कुछ और है। बेचारे, वो तो सच में इस बात की जांच कर रहे हैं कि पैसा कहां जा रहा है। 100 और सेलिब्रिटीज ऐसा करते हैं। वो मुझे कोई और सेलिब्रिटी दिखाते हैं, जिसने ऐसा किया है और फिर मेरे पास आते हैं, है ना? ये तो बस एक मिनट की बात है।

इन एक्टर्स पर लगे आरोप

ईडी इन दिनों ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए अवैध तरीके पैसा जुटाने मामले पर जांच कर रही है। इसी मामले के तहत लक्ष्मी मांचू के अलावा राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज और विजय देवरकोंडा जैसी कई हस्तियां जांच के दायरे में आए थे। ईडी के सोर्स के अनुसार इन सेलिब्रिटी पर जंगली रम्मी, जीतविन, लोटस365 जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स को सपोर्ट करने का शक था। हालांकि, कई एक्टर्स ने इन एप्स का प्रचार भी किया था। सूत्रों के अनुसार ही बैटिंग प्लेटफार्म पर अवैध सट्टेबाजी और जुए के जरिए से करोड़ों रुपये का अवैध पैसा हासिल किया गया है। अभी भी इसकी जांच चल रही है।

साउथ अभिनेत्री ने सोशल मीडिया को कहा अलविदा बोलीं- सिनेमा को देना चाहती हूं समय

ऐश्वर्या लक्ष्मी

मलयालम और तमिल सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री ऐश्वर्या लक्ष्मी ने हाल ही में एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अपने अभिनय और फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करने का ऐलान किया है। ऐश्वर्या का कहना है कि वक्त के साथ उन्होंने महसूस किया कि सोशल मीडिया ने उनकी असली सोच और जीवन की छोटी-छोटी खुशियों को उनसे छीन लिया है।

सोशल मीडिया से मिली राहत

ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि लंबे समय तक उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि एक्टिंग करियर को आगे बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया जरूरी है। इंडस्ट्री में बने रहने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए उन्होंने भी इस तरीके को अपनाया। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें महसूस हुआ कि यह प्लेटफॉर्म उनके काम में बाधा बन रहा है। ये ना सिर्फ उनकी तैयारी को प्रभावित कर रहा था, बल्कि उनके निजी जीवन की सहजता भी खो रही थी।

उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा कि इंटरनेट की चमक-दमक में फंसकर वह उस ओर मुड़ गईं जो असल में उन्हें करना ही नहीं था। लगातार लाइक और कमेंट्स की होड़ में उनकी भाषा, सोच और अनुभव कहीं न कहीं पीछे छूट गए।

खुद के लिए लिया बड़ा फैसला

अभिनेत्री ने कहा कि सोशल मीडिया छोड़ना उनके जीवन का पहला मौलिक विचार है, जिसे उन्होंने पूरी तरह अपनाया। उनका मानना है कि कलाकार को किसी सांचे में ढालकर नहीं देखा जाना चाहिए। वह चाहती हैं कि उनकी पहचान उनके अभिनय और सिनेमा से बने, न कि सिर्फ इंस्टाग्राम पोस्ट्स और ट्रेंड्स से। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस फैसले के बाद शायद लोग उन्हें भूल जाएं, लेकिन वह इस जोखिम को उठाने के लिए तैयार हैं।

सिनेमा पर देना चाहती हैं ध्यान

ऐश्वर्या ने साफ किया कि अब उनका लक्ष्य सिनेमा बनाना और जीना है। वह चाहती हैं कि आगे की उनकी फिल्मों में वही गहराई और संवेदनशीलता झलके, जिसे वह अपनी असल जिंदगी में महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में वह सचमुच कुछ बेहतर रचनाएं करती हैं, तो दर्शक उन्हें पुराने अंदाज में प्यार दें।

ऐश्वर्या का फिल्मी सफर

करियर की बात करें तो ऐश्वर्या लक्ष्मी ने मलयालम और तमिल फिल्मों से अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कुछ तेलुगु फिल्मों में भी अभिनय किया है।

हाल ही में वह सूरी के साथ मामन और कमल हासन व सिलंबरासन टीआर के साथ थग लाइफ में नजर आई थीं। आने वाले समय में वह तमिल फिल्म 'गट्टा कुश्ती 2', मलयालम फिल्म 'आशा' और तेलुगु फिल्म SYG में नजर आने वाली हैं।

अवैध सट्टेबाजी केस में फंसीं उर्वशी रौतेला और मिमि चक्रवर्ती, ईडी ने भेजा समन

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और बंगाली सिनेमा से राजनीति में कदम रखने वाली मिमी चक्रवर्ती को समन भेजा है। यह समन अवैध बेटिंग ऐप मामले से जुड़ा है। दोनों को दिल्ली मुख्यालय में पेश होकर अपने बयान दर्ज कराने होंगे।

कब और क्यों भेजा गया समन?

ईडी की जांच में सामने आया कि कई ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म्स गैरकानूनी तरीके से भारत में अपना कारोबार फैला रहे हैं। इन्हीं में से एक है 1xBet, जिसके विज्ञापनों और

प्रचार-प्रसार में कई बड़े चेहरे जुड़े पाए गए। जानकारी के मुताबिक मिमी चक्रवर्ती को 15 सितंबर और उर्वशी रौतेला को 16 सितंबर को पेश होने के आदेश दिए गए हैं। जांच एजेंसी ये समझना चाहती है कि आखिर इन सितारों की भूमिका इन एप्स के प्रचार और पब्लिसिटी में किस हद तक रही है।

पहले भी कई नाम आ चुके हैं सामने

बता दें यह मामला नया नहीं है। इससे पहले भी ईडी ने बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद और क्रिकेट जगत की दिग्गज हस्तियों हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रैना से पूछताछ की थी। माना जाता है कि इन सभी से ये जानने की कोशिश की गई कि आखिर ये सितारे किन शर्तों और डील्स के तहत इन बेटिंग कंपनियों से जुड़े थे।

कैसे काम करते हैं ये एप्स?

ईडी के अधिकारियों ने कोर्ट और मीडिया में ये साफ किया था कि ये प्लेटफॉर्म शुरुआत में खुद को स्किल बेस्ड गेमिंग के तौर पर प्रचारित करते हैं। आकर्षक ऑफर्स और मशहूर चेहरों की मौजूदगी से यूजर्स को लुभाया जाता है। लेकिन असलियत में इन एप्स का एल्गोरिद्म धोखाधड़ी से भरा होता है। ये एप्स पूरी तरह से बैन होने के बावजूद अलग-अलग डोमेन्स और माध्यमों से लोगों तक पहुंच बना लेते हैं।

मिमी और उर्वशी के लिए मुश्किलें क्यों बढ़ीं?

फिल्म और राजनीति दोनों दुनिया की पहचानी जाने वाली ये हस्तियां अब जांच एजेंसियों के सवालों के घेरे में हैं। माना जा रहा है कि ईडी यह पता करना चाहती है कि कहीं इनके नाम और चेहरे का इस्तेमाल अवैध कमाई को वैध ठहराने या जनता को आकर्षित करने के लिए तो नहीं किया गया।

मिमी चक्रवर्ती जहां बंगाल की राजनीति में सक्रिय सांसद हैं, वहीं उर्वशी रौतेला बॉलीवुड की लोकप्रिय अदाकारा हैं। ऐसे में दोनों का नाम सामने आना केस को और गंभीर बना देता है।

इस वजह से बच्चों की फोटो नहीं खिंचवाना चाहतीं इलियाना, खुद किया खुलासा

अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने साल 2012 में फिल्म 'बर्फी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह कई फिल्मों में नजर आईं। बॉलीवुड में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई। अब फिल्मी दुनिया की चकाचौंध से दूर इलियाना अपने पति माइकल डोलन और अपने दो बच्चों के साथ टेक्सास में पारिवारिक जीवन जी रही हैं।

हाल ही में इलियाना डिक्रूज फिल्म 'दो और दो प्यार' में नजर आई थीं। अभिनय में दिलचस्पी रखने वाली इलियाना ने पैपराजी से दूरी बनाई है। हाल ही में एक इंटरव्यू में इलियाना ने अपने बच्चों के साथ भारत में तस्वीरें खिंचवाने की संभावना के बारे में खुलकर बात की।

बच्चों की फोटो खिंचवाने के पक्ष में नहीं इलियाना

उन्होंने कहा 'अपने बच्चों के साथ तस्वीरें खिंचवाना मुश्किल होता। यह बच्चों के लिए उलझन भरा होता। यह उनके साथ अन्याय है क्योंकि वे समझ ही नहीं पाते कि क्या हो रहा है। मैं बच्चों की फोटो खिंचवाने के पक्ष में नहीं हूं।'

बच्चों की भावना बिगड़ सकती है

उनकी चिंता इस बात को लेकर है कि उनके बच्चे, जो अभी बहुत छोटे हैं, शायद लगातार पीछा किए जाने और तस्वीरें खींचे जाने की बात को पूरी तरह से समझ नहीं पाएंगे। उनका मानना है कि इस तरह का अत्यधिक ध्यान उनकी सामान्यता की भावना को बिगाड़ सकता है।

रजनीकांत की 'कुली' में काम करना आमिर खान की सबसे बड़ी गलती? टीम ने मामले पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान अक्सर अपनी फिल्मों के अलावा बयानबाजी को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। मगर बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ये चर्चा हो रही थी कि आमिर खान ने रजनीकांत की हालिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कुली' पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। यह अफवाह इतनी तेजी से फैली कि आमिर और रजनीकांत के फैंस के बीच बहस छिड़ गई। लेकिन अब खुद आमिर खान की ओर से इन खबरों का स्पष्ट खंडन किया गया है।

आमिर खान की ओर से आया आधिकारिक बयान

आमिर खान की टीम ने मीडिया और दर्शकों के लिए एक आधिकारिक बयान जारी कर साफ कहा है कि अभिनेता ने कभी भी 'कुली' या इसके निर्माताओं के बारे में कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की। प्रवक्ता ने साफ तौर पर कहा, 'आमिर खान ने फिल्म 'कुली' पर कोई भी नकारात्मक बात नहीं कही है। उन्होंने न तो किसी इंटरव्यू में इस तरह की बात की है और न ही इस फिल्म की आलोचना की है। इसके उलट, वो रजनीकांत, निर्देशक लोकेश कनगराज और पूरी टीम के लिए गहरा सम्मान रखते हैं।'

अफवाहों की शुरुआत कहां से हुई?

दरअसल, कुछ पोर्टल्स पर यह दावा किया गया था कि आमिर खान फिल्म की कहानी और उसके फिल्मांकन से खुश नहीं हैं। यही खबर आगे बढ़कर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। चंद घंटों में ही ट्विटर (एक्स) और फेसबुक पर फैंस के बीच बहस छिड़ गई। रजनीकांत के समर्थक आमिर को ट्रोल करने लगे तो आमिर के फैन उनकी ओर से सफाई

देने लगे। इस विवाद को बढ़ता देख आमिर की टीम को हस्तक्षेप करना पड़ा।

'कुली' की शानदार सफलता

गौरतलब है कि कुली इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बन चुकी है। लोकेश कनगराज के निर्देशन और रजनीकांत की दमदार मौजूदगी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। फिल्म अब तक 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का वैश्विक कारोबार कर चुकी है और लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है। इसकी कहानी, एक्शन और रजनीकांत की करिश्माई स्क्रीन प्रेज़ेंस को दर्शक हाथोंहाथ ले रहे हैं। यही कारण है कि इस फिल्म के खिलाफ कोई भी नकारात्मक खबर तुरंत चर्चा का विषय बन जाती है।

आमिर खान की फिल्म में मौजूदगी

आमिर खान ने 'कुली' में एक स्पेशल कैमियो किया है। यही वजह है कि जब यह खबर फैली कि उन्होंने फिल्म की आलोचना की है तो कई लोग हैरान रह गए। हालांकि अब सफाई के बाद यह मामला पूरी तरह शांत हो गया है।

'अमेरिका-ब्रिटेन में भी लोग हिंदी कहानियां देख रहे हैं' हिंदी दिवस के मौके पर बोले पंकज त्रिपाठी

हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, यह हमारी जड़ों और हमारी संवेदनाओं से जुड़ी हुई पहचान है। हिंदी दिवस के खास मौके पर पंकज त्रिपाठी ने बातचीत की। उन्होंने अपने करियर में हिंदी की भूमिका, बचपन की यादें और युवाओं के लिए इसकी अहमियत पर बेहद भावुक और ईमानदार तरीके से बातचीत की।

'मेरे लिए हिंदी सिर्फ भाषा नहीं है। ये मेरी पहचान है। मैं हिंदी सिनेमा का अभिनेता हूं; यही मेरे जीवन का सबसे बड़ा गर्व है। भले ही मेरी मातृभाषा भोजपुरी रही हो, लेकिन हिंदी से जुड़ना, उसे पढ़ना, समझना, उसका उच्चारण सीखना। ये सब मेरे जीवन का हिस्सा बन गया। जब मैं स्क्रीन पर हिंदी बोलता हूं तो कभी-कभी ऐसे शब्द निकल आते हैं जो आजकल कम सुनाई देते हैं। शायद यही मेरी ताकत है। ऑडियंस का जो प्यार मुझे मिलता है, उसमें हिंदी की यही खूबसूरती शामिल है। हिंदी ने मुझे वो आवाज दी जिससे मैं अपने किरदार को दिल से जी पाता हूं।

बचपन में हम चंदा मामा जैसी कहानियां पढ़ते थे। कहीं कार्टून में महाभारत देख लिया था। आठवीं क्लास में मुझे महाभारत की हिंदी किताब मिली थी, टीका सहित। मैं उसे ऐसे पढ़ता था जैसे कोई खजाना मिल गया हो। फिर राहुल सांकृत्यायन का 'घुमक्कड़ शास्त्र' मिला। उसमें लिखा था कि घुमक्कड़ी जरूरी है। उस किताब ने मेरे सोचने का तरीका बदल दिया। गांव से निकलकर जब कला के क्षेत्र में आया तो महसूस हुआ कि भाषा ही वो पुल है जिसने मुझे यहां तक पहुंचाया। हिंदी ने मुझे सिर्फ शब्द नहीं दिए, बल्कि एक पहचान और आत्मविश्वास भी। इसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। हिंदी सिर्फ भाषा नहीं है। ये हमारी भावनाओं का रास्ता है। अगर आप हिंदी इलाकों से हैं और अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कह पाए तो आधे मन की बात दिल में ही रह जाती है। आज सबसे बड़ी समस्या संवाद की है। हम अपनी भावनाएं कह नहीं पाते क्योंकि शब्दों का साथ नहीं होता। अगर युवा हिंदी से जुड़े रहेंगे तो वे अपना मन साफ कह पाएंगे, अपने दिल की बात खोलकर रख पाएंगे। यह भाषा हमें जोड़ती है, समझने का रास्ता देती है। यही हमारी ताकत है। यही हमारी पहचान है। बता दें आखिरी बार पंकज फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है जिसमें पंकज त्रिपाठी के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, नीना गुप्ता आदि कलाकार हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार
वो हाथ, जो वक्त पर साथ ना दे। उस हाथ को फिर कभी नहीं थामना चाहिए।

एआईएसएफ ने निजी कॉलेजों के बंद को समर्थन दिया

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएसएफ तेलंगाना राष्ट्र समिति ने आज तेलंगाना के निजी डिग्री, पीजी और इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा 15 सितंबर से आयोजित अनिश्चितकालीन बंद का पूर्ण समर्थन किया। ये कॉलेज बकाया शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति राशि जारी करने की मांग कर रहे हैं। संगठन ने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार बकाया शुल्क जारी करने में लापरवाही बरत रही है और शुल्क प्रतिपूर्ति योजना को खत्म करने की साजिश रच रही है। संगठन ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को यह बताना चाहिए कि सत्ता में आने के बाद 21 महीनों से लंबित शुल्क राशि उन्होंने क्यों नहीं जारी की। इसने कहा कि राज्य के कर्ज में डूबे होने के बावजूद कल्याणकारी योजनाओं और चुनावी वादों को लागू करने का दावा करने वाली सरकार को छात्रों को जवाब देना चाहिए। 8000 करोड़ रुपये का बकाया शुल्क क्यों नहीं जारी किया जा रहा है? छात्र ऐसी स्थिति में आ गए हैं जहां बकाया शुल्क जारी होने के कारण उन्हें और अधिक शुल्क देना पड़ रहा है। राज्य सरकार ने सौंदर्य प्रतियोगिताओं, मंत्रियों के हेलीकॉप्टरों में घूमने और पड़ोसी राज्यों में अखबारों में विज्ञापन देने के लिए धन मुहैया कराकर आज कॉलेजों को बंद करने की स्थिति पैदा कर दी है। राज्य सरकार ने छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लिए धन उपलब्ध नहीं कराकर आज कॉलेजों को बंद करने की स्थिति पैदा कर दी है। कॉलेजों के बंद होने से छात्रों की शिक्षा पूरी तरह बाधित हो रही है। एक बयान में, एआईएसएफ के राज्य अध्यक्ष कासिरेड्डी मणिकांठा रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने छात्रों के भविष्य पर ध्यान दिए बिना बकाया शुल्क जारी करने की उपेक्षा की है और कहा कि बकाया शुल्क जारी न होने के कारण आज राज्य में लाखों छात्र कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निजी कॉलेज भी बकाया शुल्क जारी करने, अपने कॉलेजों का प्रबंधन करने और कर्मचारियों को वेतन देने में असमर्थ हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तुरंत कॉलेज प्रबंधन से बातचीत करे, बंद समाप्त कराए और छात्रों की पढ़ाई में बाधा डाले बिना बकाया फीस जारी करे।

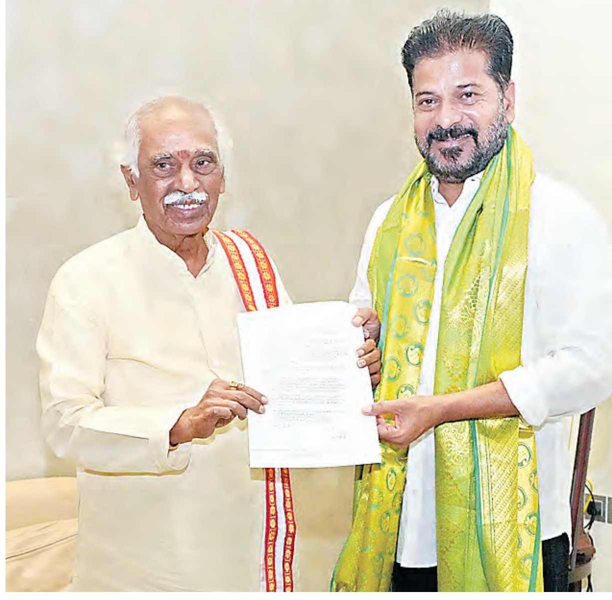

हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

पीआरएसआई, हैदराबाद चैप्टर की नई कार्यकारिणी समिति ने कार्यभार संभाला

डॉ. यादगिरी कंभमपति अध्यक्ष व के. राजेश सचिव बने

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनसंपर्क सोसाइटी (पीआरएसआई), हैदराबाद चैप्टर ने अगले दो वर्षों, अर्थात् 2025-2027 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का चुनाव किया है, जिसके अध्यक्ष डॉ. यादगिरी कंभमपति होंगे। वे डॉ.बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, जुबली हिल्स, हैदराबाद में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं और एक प्रख्यात जनसंपर्क पेशेवर हैं।

डॉ.के. यादगिरी इससे पहले चैप्टर सचिव के पद पर कार्यरत थे और उन्हें भारतीय जनसंपर्क सोसाइटी द्वारा सर्वश्रेष्ठ चैप्टर सचिव चुना गया था और हैदराबाद चैप्टर की टीम को सर्वश्रेष्ठ चैप्टर का पुरस्कार मिला। कार्यकारी समिति के सदस्यों से युक्त दो वर्षीय कार्यकाल निकाय का चुनाव आज 2025 को सुरवरम प्रताप रेड्डी तेलुगु विश्वविद्यालय में आयोजित पीआरएसआई, हैदराबाद चैप्टर की 54वीं वार्षिक आम सभा के दौरान सर्वसम्मति से किया गया। के. राजेश, दक्षिण मध्य रेलवे में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। वे एक जनसंपर्क पेशेवर और पिछले तीन कार्यकालों के दौरान पीआरएसआई की कार्यकारी समिति के एक सक्रिय सदस्य रहे हैं और उन्हें सचिव के रूप में निर्वाचित और नामित किया गया है। डॉ. यादगिरी और के. राजेश ने कहा, हम लगातार बदलती तकनीकी प्रगति के साथ पेशेवरों को अपने कौशल में सुधार करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम केंद्र और तेलंगाना सरकारों के कार्यक्रमों और योजनाओं के प्रचार में अग्रणी हैं।

उन्होंने तेलंगाना राज्य सरकार और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की सराहना की, जिन्होंने किसी भी सहायता के लिए संपर्क किए जाने पर पेशेवरों को निरंतर सहयोग प्रदान किया। सरकार पत्रकारों के लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के लिए उत्सुक है और कहा कि जनसंपर्क पेशेवर जुड़वां हैं। उन्होंने विभिन्न जनसंपर्क संबंधी संगोष्ठियों और कार्यक्रमों के आयोजन हेतु प्रायोजन और समर्थन के लिए शैक्षणिक संस्थानों, एससीसीएल, एनएमडीसी, केआईएमएस, सुचिर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का भी धन्यवाद किया।

पीआरएसआई, हैदराबाद की नई कमेटी के डॉ. यादगिरी कंभमपति, अध्यक्ष- सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार, डॉ. बीआरएओयू, बी. महेश, उपाध्यक्ष, निदेशक (सीसी), स्पीड इंफ्रा ग्रुप, के. राजेश, जनसंपर्क अधिकारी/एससीआर, सचिव, पी. लिंगा रेड्डी, महाप्रबंधक, टी-सैट नेटवर्क्स, संयुक्त सचिव, वी.वी. भुजंगा राव, कोषाध्यक्ष (सेवानिवृत्त जनसंपर्क अधिकारी) शामिल है। कार्यकारी समिति के अन्य सदस्यों में श्रीमती अपर्णा राजहंस, सहायक प्राध्यापक, सेंट जोसेफ डिग्री कॉलेज (निर्वाचित), डॉ. फातिमा रहीम, सहायक प्राध्यापक (पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, सेंट जॉर्ज डिग्री कॉलेज (निर्वाचित), डॉ. वी. सुधाकर, जनसंपर्क अधिकारी, प्रो. जयशंकर कृषि विश्वविद्यालय (सह-चयनित), डॉ. साजिदा खान (सह-चयनित), कादरी सुभाष, जनसंपर्क अधिकारी, एचएमडब्ल्यूएसएसबी (सह-चयनित), पी. रघुपति, निदेशक, ईआरएमसी एवं एपीआरओ, ओयू (सह-चयनित शामिल हैष पीआरएसआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक, सचिव पीएलके मूर्ति और उपाध्यक्ष (दक्षिण) यूएस सरमा ने नई टीम को बधाई दी है।

एसएलबीसी सुरंग हादसे पर केटी रामाराव का कांग्रेस और केंद्र सरकार पर हमला

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर (एसएलबीसी) सुरंग ढहने की घटना में आठ मजदूरों की मौत के मामले पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस और भाजपा सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रामाराव ने रविवार को कहा कि हादसे को 200 दिन से ज्यादा हो गए, लेकिन आठ में से छह मजदूरों के शव अब तक नहीं निकाले जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार पीड़ित परिवारों को न न्याय दिला सकी, न ही कोई मदद उपलब्ध करा पाई।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कालेश्वरम परियोजना में छोटी समस्याओं पर केंद्र ने तुरंत कार्रवाई की थी, लेकिन इस त्रासदी की जांच के लिए राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण जैसी कोई टीम क्यों नहीं भेजी गई। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर 'सांठगांठ' का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों दल एक-दूसरे की रक्षा कर रहे हैं। रामाराव ने कहा कि बीआरएस सत्ता में आने पर छह परिवारों को न्याय दिलाएगी, जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाएगी और कांग्रेस सरकार की लापरवाही की पूरी जांच कराएगी। उन्होंने इसे बीआरएस का वादा बताया।

दो मजदूरों का अपहरण और मारपीट

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुड़ा इलाके में दो मजदूरों का अपहरण कर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। बंडलागुड़ा के गौसनगर में रहने वाले शेख शाहबाज (30) और शेख फहीम (22) शनिवार को छह लोगों के एक गिरोह के निशाने पर आ गए। गिरोह ने दोनों को अगवा कर भवानीनगर ले गये, जहां उन पर लाठी-डंडों और चाकुओं से हमला किया गया। आरोप है कि हमलावरों ने उनके पैरों पर बड़े पत्थर भी फेंके। शाहबाज ने बताया कि गिरोह ने उन्हें साजिश के तहत जान से मारने की कोशिश की। वहीं, फहीम का कहना है कि गिरोह उसे जबरन गांजा बेचने के लिए मजबूर कर रहा था। फिलहाल भवानीनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केसीआर ने कर्रा श्रीहरि के निधन पर जताया शोक

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पार्टी के राज्य सचिव कर्रा श्रीहरि के निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने याद किया कि तेलंगाना आंदोलन और राजनीतिक गतिविधियों के दौरान श्रीहरि ने जमीनी स्तर से शुरूआत की और कदम-दर-कदम आगे बढ़ते हुए सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाई। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के लोगों की सेवा को केसीआर ने विशेष रूप से सराहा। अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए केसीआर ने कहा कि श्रीहरि का जाना पार्टी और उनके साथ काम करने वालों के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट की।

फर्जी जमानत घोटाला, 8 गिरफ्तार, 9 आरोपी फरार

आदिलाबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी अधिकारियों के जाली हस्ताक्षरों और फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर अदालत को धोखा देने के मामले में पुलिस ने शनिवार को आठ लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि नौ अन्य आरोपी अब भी फरार हैं।

गिरफ्तार किए गए लोगों में कटिपेली अभिलाष रेड्डी, सैयद इरफान, गंती सत्तेना, मद्देला अशोक, रामिरेड्डी उर्फ परमेश रेड्डी, कोकाटाया अशोक, शाहिद और एमडी अमीर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गाडुगु सुरेश, उल्लेंगुला भुमन्ना, बोरकरी राजू, बोरकर श्रीनिवास, सद्दाम, मुशीर, शाहिल, खलीम और जांती अभी तक पकड़े नहीं जा सके हैं। पूछताछ में अभिलाष और इरफान ने पंचायत सचिवों के जाली हस्ताक्षर करने और फर्जी प्रमाणपत्र बनाने की बात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि इन नकली दस्तावेज़ों की मदद से आरोपी अदालत से जमानत हासिल कर रहे थे। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

बाइक और लॉरी की टक्कर में किसान की मौत, एक घायल

महबूबाबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में रविवार को गुडूर-महबूबाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगन नायकुला गुडेम स्टेज के पास हुए सड़क हादसे में एक किसान की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, भनोटू लल्ली और धरावथ वीरन्ना दोपहिया वाहन से कृषि कार्यों के लिए यूरिया टोकन लेने बोड्डीगोंडा जा रहे थे। रास्ते में उनकी बाइक तेज रफ्तार लॉरी से टकरा गई। हादसे में लल्ली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि डुब्बागुडम गाँव निवासी वीरन्ना गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह टक्कर अचानक और हाईवे के व्यस्त हिस्से पर हुई। हादसे के बाद डुब्बागुडेम के किसानों ने मृतक किसान के परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

आंध्र प्रदेश में प्रस्तावित एल्युमीनियम मिश्र धातु परियोजना व्यावसायिक रूप से पाई गई अव्यवहारिक

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली से आई एक रिपोर्ट के अनुसार, नाल्को और रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी मिधानि द्वारा आंध्र प्रदेश में मिलकर बनाई जाने वाली उच्च स्तरीय एल्युमीनियम मिश्र धातु परियोजना अब व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नहीं मानी जा रही है। 60,000 टन प्रति वर्ष क्षमता वाली इस परियोजना को मांग की कमी, भारत में एल्युमीनियम की कम खपत और एयरोस्पेस, रक्षा, समुद्री व ऑटोमोबाइल क्षेत्रों में एल्युमीनियम के सीमित उपयोग के कारण अव्यवहारिक बताया गया।

उत्कर्ष एल्युमीनियम धातु निगम लिमिटेड, नाल्को और मिधानि का 50:50 संयुक्त उद्यम है, जिसकी स्थापना अगस्त 2019 में हुई थी। उद्देश्य था उच्च स्तरीय मिश्र धातु संयंत्र स्थापित कर आयात पर निर्भरता घटाना और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना। नाल्को की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि नवीनतम बाजार सर्वेक्षण से स्पष्ट हुआ है कि प्रस्तावित उत्पाद मिश्रण और उसकी वित्तीय स्थिति इस परियोजना को व्यवहार्य नहीं बनाते। इसके बाद खान और रक्षा मंत्रालय ने परियोजना को बंद करने की संभावनाओं पर चर्चा शुरू कर दी है।

मिधानि, जो सुपर मिश्र धातु, टाइटेनियम और विशेष स्टील बनाने में माहिर है, पहले इसरो के साथ भी एल्युमीनियम-लिथियम मिश्र धातु विकसित कर चुकी है। इसके बावजूद, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में 110 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने और परामर्शदाताओं को शामिल करने की तैयारी के बाद भी यह परियोजना आगे नहीं बढ़ पाई। वर्तमान में नाल्को ओडिशा के अंगुल में बड़े एल्युमीनियम स्मेल्टर, कैप्टिव पावर प्लांट और कोयला खदानों का संचालन कर रही है।

अग्रवाल समाज के बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव 2025 के अंतर्गत अग्रवाल समाज तेलंगाना के तत्वावधान में बैडमिंटन टूर्नामेंट का रविवार को शुभारंभ हुआ। यह टूर्नामेंट कोटला विजय भास्कर रेड्डी इडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष सिंगल्स : 8-14 वर्ष, 14-20 वर्ष, 20-45 वर्ष और 45 वर्ष से ऊपर। महिला सिंगल्स : 8-14 वर्ष, 14-20 वर्ष और 20 वर्ष से ऊपर। पुरुष डबल्स : 14-20 वर्ष, 20-45 वर्ष और 45 वर्ष से ऊपर। महिला डबल्स : कोई विशेष श्रेणी नहीं। मिक्स्ड डबल्स : 14-20 वर्ष और 20 वर्ष से ऊपर के लोगों ने भाग लिया। कुल 220 खिलाडियों ने पंजीकरण कराया।

प्रतियोगिता के विजेता (विशेष और आशीष) थे तो उपविजेता- मुकेश और मनीष रहे।

यह टूर्नामेंट अग्रवाल समाज मानसरोवर शाखा द्वारा आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 200 लोग उपस्थित हुए तथा 140 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया।

प्रतिगोगित की मुख्य अतिथि इंडियन प्रोफेशनल प्लेयर श्रीवल्ली रश्मिका भामिडिपात्य थी। स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन रमेश कुमार अग्रवाल, रोहित जैन, नीरज मोर, धीरज अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, बैडमिंटन टूर्नामेंट संयोजक मनीष ड्रोलिया, राजेश सराफ और अविरल बंसल शामिल रहे। इनके साथ ही मानद मंत्री विकास केशान, डॉ. सीमा जैन, अचल गुप्ता, मनीष अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, प्रतीक नरसरिया, दीपा भालोटिया भी मौजूद थे।

इस कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता तथा आयोजन समिति से राहुल गोयल, रोहित जैन, निर्मल अग्रवाल और मुकेश कुमार अग्रवाल समेत कई सदस्य उपस्थित रहे।

तेलंगाना स्पोर्ट्स अथारिटी के चेयरमैन शिव सेना रेड्डी और सेटविन चेयरमैन गिरधर रेड्डी ने टूर्नामेंट का दौरा किया और उन्हें समाज के खेल चेयरमैन रमेश अग्रवाल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन खेल समिति के चेयरमैन रमेश चंद्र अग्रवाल और मानसरोवर शाखा द्वारा किया गया।

टीपीसीसी प्रमुख ने भारत की विविध भाषाओं को एकीकृत करने में हिंदी की भूमिका पर प्रकाश डाला

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि हिंदी राष्ट्रीय एकता का एक मजबूत आधार रही है, जो उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम क्षेत्रों में फैले लाखों भारतीयों को जोड़ने का काम करती है। हिंदी दिवस समारोह रविवार को बशीरबाग प्रेस क्लब में तेलंगाना प्रदेश भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ और तेलंगाना हिंदी पत्रकार संघ द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें महेश कुमार गौड़ मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन के दौरान, टीपीसीसी प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि भारत भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का एक समृद्ध संगम है।

उन्होंने कहा कि हमारे वैश्वीकरण के दौर में अंग्रेजी की बढ़ती प्रमुखता के बावजूद, हिंदी ने विभिन्न भाषाओं और बोलियों को जोड़ते हुए अपना महत्व बनाए रखा है। देशा भाषालंदु तेलुगु लेस्सा कहावत का उल्लेख करते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलुगु के साथ-साथ हिंदी का प्रचार और अध्ययन राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करेगा। टीपीसीसी प्रमुख ने आगे कहा कि तेलंगाना धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है और विकास एवं सामाजिक कल्याण के लिए एक आदर्श के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। सरकारी सलाहकार हरकर वेणुगोपाल राव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव विश्वनाथन, योजना आयोग के अध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी, पूर्व सांसद हनुमंत राव, निगम अध्यक्ष अन्वेष रेड्डी, ताहिर और राजेश कुमार अग्रवाल, भाकपा नेता चाडा वेंकट रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

मेदक के शिक्षक रविराज की नई शिक्षण शैली को वैश्विक सराहना

'रविराज मास्टर' चैनल से पांच माह में मिले दो मिलियन सब्सक्राइबर

मेदक, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसापुर मंडल के आदमपुर गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक बी. रविराज अपनी अभिनव शिक्षण विधियों से न सिर्फ़ छात्रों बल्कि दुनिया भर के अभिभावकों और शिक्षकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। कोविड-19 के दौरान शुरू किया गया उनका यूट्यूब चैनल 'रविराज मास्टर' अब वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो गया है, जिसके पांच महीनों में ही दो मिलियन सब्सक्राइबर हो गए।

गणित, अंग्रेज़ी और तेलुगु को आसान और आनंददायक बनाने के लिए तैयार की गई उनकी गतिविधियां छात्रों की उपस्थिति और रुचि बढ़ा रही हैं। उनके एक वीडियो को, जिसमें बच्चे बिना बोर्ड देखे वृत्त बनाते हैं, 20 करोड़ से अधिक बार देखा गया। अमेरिका और ब्राज़ील सहित कई देशों के अभिभावकों ने उनके तरीकों को अपनाने की सराहना की।

रविराज की मेहनत से जिन स्कूलों में उन्होंने काम किया, वहां नामांकन लगातार बढ़ा। राज्य सरकार ने 5 सितंबर को उन्हें सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने अपनी यूट्यूब आय से छात्रों के लिए शेड और खेल वर्दियां उपलब्ध कराईं। हालांकि, आदमपुर स्कूल को अभी भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है-सिर्फ़ तीन शिक्षक और सात कक्षाओं के लिए केवल दो कमरे उपलब्ध हैं।

अग्रवाल समाज द्वारा दो दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम आज से

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराजा अग्रसेन जी की 5149वी जयंती महोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम आज 15 और कल 16 सितंबर को संपन्न होगा। जयंती महोत्सव के प्रचार प्रसार और मीडिया कमेटी के चेयरमैन डॉ. दिलीप पंसारी के अनुसार उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ आज जुबली फिल्म नगर स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल राउंड टेबल में भाजपा जिला अध्यक्ष लंकारा दीपक रेड्डी करेंगे। कल मंगलवार को मदीनागुड़ा क्षेत्र में स्थित श्री धर्मपुरी क्षेत्रम में वृक्षारोपण सुबह 11.00 बजे संपन्न होगा।

वृक्षारोपण कार्यक्रम की चेयरमैन सुमन गुप्ता के अनुसार कार्यक्रम की वाइस चेयरमेन मोनिका अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, रिंकू गर्ग, दीपा अग्रवाल, शशि सिंघल और समाज की अन्य महिलाओं तथा सदस्यों के सहयोग से संपन्न होने वाले इस वृक्षारोपण कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य, समाज में वृक्षारोपण के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

समाज के परामर्शदाता बद्री विशाल बंसल, हरीश गुप्ता और अन्य के मार्गदर्शन, समाज की सह सचिव और जयंती महोत्सव की प्रमुख संयोजीका डॉ. सीमा जैन, सहसंयोजकों अचल गुप्ता (समाज कोषाध्यक्ष), दिनेश चंद्र अग्रवाल, प्रवीन अग्रवाल, प्रतीक नर्सरिया, दीपा भालोटिया के साथ ही संजय पसारी, कमल अग्रवाल तथा अन्य के सहयोग से संपन्न होने वाले इस 2 दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष- अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष- रुपेश अग्रवाल, सचिव- विकास केशान, अन्य पदाधिकारी, सदस्य और अन्य उपस्थित होंगे। समाज पदाधिकारियों तथा आयोजन समिति ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को उपस्थित होने का आवाह्न किया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 15 सितंबर- 2025

बोलियां व राष्ट्रभाषा

रघु ठाकुर

फिर से एक बार देश में हिन्दी विरोधी अभियान शुरु हुआ है। कुछ शैक्षणिक संस्थाओं ने शोध कार्य के लिये अंग्रेजी की अनिवार्यता तय की है। निजी शिक्षण संस्थाओं में विशेषतरू बाल शिक्षा (के.जी) और प्राथमिक शिक्षा में न केवल अंग्रेजी को अनिवार्य रुप से पढ़ाया जाता है बल्कि स्कूल के अन्दर अंग्रेजी में ही बात-चीत करना अलिखित तौर पर अनिवार्य कर दिया गया है यानि शिक्षण संस्थाओं में अंग्रेजी ज्ञान के साथ-साथ अंग्रेज भी तैयार किये जा रहे है। बच्चों को स्कूल के अन्दर हिन्दी बोलने पर दण्डित व अपमानित किया जाता है। इन शिक्षण संस्थाओं में हिन्दी बोलना असभ्यता का पर्याय माना जाता है। अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता भी गर्व के साथ बताते है कि उनका बच्चा अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ रहा है और वे भी बच्चों से दैनिक जीवन में अंग्रेजी में बातचीत का प्रयास करते है। कुछ अंग्रेजी पढ़े माँ-बाप तो हिंग्लिश का प्रयोग करते है। यानि कुछ शब्द हिन्दी कुछ अंग्रेजी। रेल यात्रा में अकसर इस हिंग्लिश का प्रयोग सुनता हूँ। जहाँ माता-पिता बच्चे से कहते है बेटे श्शू पहना दूँय आदि। और फिर कुछ शान के साथ बताते कि मेरा बेटा तो अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय मे पढ़ता है। नौजवान जो अंग्रेजी स्कूल में पढ़े लिखे व अंग्रेजी के उच्चारण को कुछ इस प्रकार से अटक-अटक कर करते है जिस प्रकार यूरोप या अमेरिकी लोग करते है। यानि भाषा और उच्चारण दोनों में नकल है। स्थिति यहाँ तक पहुँची है कि महानगरों में अंग्रेजी के अमेरिकी, एवं ब्रिटिश उच्चारणों के तरीकों को भी सिखाने वाली संस्थायें शुरु हो गई है। इन देशों में नौकरी के लिये जाने वाले या नौकरी तलाशने वाले नौजवान इस अटकउल अंग्रेजी सीखने पर पैसा भी खर्च करते हैं और गौरवान्वित होते हैं! पिछला शविश्व हिन्दी सम्मेलन्य म.प्र. की राजधानी भोपाल में हुआ था। जिसका उद्घाटन करने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी आये थे। इस सम्मेलन में काफी सरकारी पैसा भी खर्च हुआ था। भले ही यह विश्व हिन्दी सम्मेलन संकीर्ण मानसिकताओं की वजह से भा.ज.पा सत्तापक्षी हिन्दी सम्मेलन या सरकारी सम्मेलन जैसा बन गया था, तथा गाँधी से लेकर गाँव तक इस सम्मेलन में उपेक्षित थे। फिर भी यह उम्मीद लोगों के मन में थी कि इस सम्मेलन के बाद सरकार हिन्दी व राष्ट्रभाषा के लिये कुछ करेगी। परन्तु सदा की तरह लोगों को निराशा ही हाथ लगी। और सरकारी तंत्र में हिन्दी का स्थान बढ़ने के बजाय कम ही होता गया। अगर सरकार ने थोड़ा भी प्रयास किया होता तो कम से कम सरकारी सूचनाओं में तथा सूचना तकनीक में हिन्दी का स्थान बन सकता था। परन्तु पिछले लगभग दो ढाई वर्षो में जितनी भी सरकारी योजनाओं की चर्चा हुई है उनके तो नाम तक हिन्दी में नहीं है। वे चाहे श्मेक इन ईंडियाय हो, एमएसएमई हो, कैशलेश हो इत्यादि-इत्यादि। न्यायपालिका में भी अगर सरकार ने पहले चरण में अंग्रेजी के साथ हिन्दी भाषा की अनिवार्यता को लागू कर दिया होता तो भी हिन्दी का मार्ग प्रशस्त होता तथा व्यक्ति अपनी इच्छा से अपनी भाषा का चयन कर सकता था। देश के अंग्रेजी समर्थकों ने संभव है कि वैश्वीकरण की ताकतों और कारपोरेट के इशारों पर हिंदी के खिलाफ अंग्रेजी के पक्ष में सुनियोजित अभियान चलाया है। कांग्रेस पार्टी के तिरुवनंतपुरम के सांसद व पूर्व मंत्री श्री शशि थरूर जो देश में सुनंदा पुष्कर कांड से ज्यादा चर्चित हैं, ने हिंदी के विरुद्ध एक नई बहस शुरू की थी। उन्होंने अपने लेख में चार बिंदु उठाये थेरू- 1. हिन्दी भाषा जाति का रूप ले रही है और हिन्दी जाति बन रही है। 2. राष्ट्र भाषा या हिन्दी की चर्चा करना, यह हिन्दी के द्वारा दूसरी भाषाओं का दमन करना है। 3. हिन्दी देश के मात्र 50 प्रतिशत की भाषा है वह भी तब जब 47 बोलियों को जैसे कि भोजपुरी, मगधीं, बुंदेली आदि को इसमें शामिल माना जाये। हिन्दी बोलियों को पीछे कर रही है। 4. तमिलनाडु या कलकत्ता में कोई हिन्दी बोलने वाला या समझने वाला नही है तथा हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने से एक नई भाषा का बोझ बढ़ेगा। 5. एक राज्य दूसरे राज्य के लिये अगर अपनी भाषा में पत्र लिखेगा तो वह दूसरे राज्य के लिये कठिन होगा। उन्होंने तमिलनाडु के द्वारा उड़ीसा राज्य को पत्र लिखने तथा स्व.ज्योति बसु के द्वारा प. बंगाल की ओर से तत्कालीन रक्षामंत्री श्री मुलायम सिंह यादव को बंगला भाषा में पत्र लिखने का उल्लेख किया था। उनके संशयों के निराकरण के लिये निम्न पर ध्यान देना जरुरी हैरू- (अ.) हिन्दी किसी एक प्रदेश की भाषा नही है और न जाति की बल्कि हिन्दी देश के बड़े इलाके में बोली व समझी जाने वाली भाषा है। गुजरात, महाराष्ट्र, जैसे गैर हिन्दी भाषी प्रदेश में भी अगर हिंदी बोली समझती जाती है तो इसका अर्थ है कि हिंदी किसी जाति की भाषा नहीं है, अगर हिंदी जाति की भाषा होती हो, तो समूचे यूरोप की भाषा अंग्रेजी होती, परंतु फ्रांस, जर्मनी, तुर्की, स्पेन आदि कितने ही देशों की भाषा अंग्रेजी नहीं है वरन उनकी अपनी राष्ट्रीय भाषायें हैं और देश की बड़ी आबादी के द्वारा बोली व समझी जाने वाली भाषा है। श्री थरुर को क्या इतना भी ज्ञान नही है कि भाषा जातियों की नही होती बल्कि क्षेत्रों की होती है। गुरुवर रविन्द्र नाथ टैगोर और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने भी हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने का समर्थन किया था। बंगला भाषा का अधिकांश साहित्य हिन्दी में अनुवादित भी है और पढ़ा जाता है। बंगाल के काफी बड़ी संख्या में लोग छत्तीसगढ़, बिहार, उ.प्र. के इलाकों में और विशेषतरू बनारस, इलाहावाद आदि में भी बसे है। आजादी के बाद राजधानी दिल्ली में बड़ी संख्या में बंगाली परिवार आ कर बसे हैं। ये सब हिन्दी समझते और हिन्दी में बात करते है। महात्मा गांधी ने जो स्वतरू गुजराती भाषी थे, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक मराठी भाषी थे, ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का प्रस्ताव किया था। हिंदी देश की एक बड़ी आबादी व क्षेत्र में बोली और समझी जाने वाली भाषा है। (ब) दुनिया में सभी जगह क्षेत्रीय भाषायें तो होती हैं परंतु एक राष्ट्रभाषा भी होती है जो समूचे देश के लिए होती है। रूस, चीन, ब्रिटेन, अमेरिका, आदि कितने ही उदाहरण दिये जा सकते हैं। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की मांग करने से दूसरी भाषाओं का दमन कैसे होता है? अंग्रेजी कोई तमिलनाडु, केरल या दक्षिण के प्रदेशों की क्षेत्रीय भाषा नहीं है बल्कि अंग्रेजी यहां ब्रिटिश हुकूमत के बाद ही आई। आदि-शंकराचार्य व तमिल तेलगू, मलयाली, कन्नड़ भाषी लोगों का आना जाना उत्तर भारत में हजारों साल से होता रहा है। जब श्री राम लंका गये थे तब क्या वे अंग्रेजी में संवाद करते थे? क्या रावण व लक्ष्मण का संवाद, विभीषण और राम का संवाद अंग्रेजी में हुआ था। देश की सभी प्रादेशिक भाषाओं व हिंदी के ज्यादातर शब्द एक जैसे है। बंगाल का जल या हिंदी का पानी समझने में किसी को दिक्कत नहीं होती। केरल, तमिलनाडु या आंध्रप्रदेश कर्नाटक के ग्रामीण अचंलों के लोग हिंदी की फिल्में देखते हैं, हिंदी के गाने सुनते हैं और इन प्रदेशों के ग्रामीणजनों को आज भी अंग्रेजी सीखना पड़ती है। दमन तो सही अर्थों में अंग्रेजी कर रही है, जो देशज योग्यता और उसके अवसरों को भाषा की कटौती के आधार पर अवसर पाने के पूर्व ही प्रतिभा को नष्ट कर देती है। अगर अंग्रेजी हुकुमत आने के बाद लोगों ने अंग्रेजी सीख ली तो वे हिंदी भी सीख सकते हैं। अंग्रेजी भाषा देश के 80-90 करोड़ लोगों की योग्यता व अवसरों का दमन है।

दरअसल प्रतिभा क्षमता और योग्यता से आम भारतीय को पृथक करने वाली ताकतें अंग्रेजी भाषा की तलवार का इस्तेमाल कर रही है। (स) यह दुखद है कि महाराष्ट्र में शिवसेना के विरोध से डरकर भाजपा सरकार ने प्राथमिक शिक्षा से हिंदी की पढ़ाई रोक दी है और जो संघ व भाजपा हिंदी हिंदु हिंदुस्तान का नारा लगाते थे अब मुँह में सत्ता का घी पीकर चुप बैठे हैं।

नेपाल से लेकर फ्रांस तक विद्रोह

नेपाल में युवाओं ने जबदस्त विद्रोह कर सरकार की चूलें हिला दी तो इंडोनेशिया में विधायकों द्वारा न्यूनतम भत्ता दस गुना अधिक बढ़ाने के प्रस्ताव के बाद विरोध प्रदर्शन जारी है। फ्रांस में लोग राष्ट्रपति मैक्रों के खिलाफ 'सब कुछ बंद करो' आंदोलन कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि सरकार जनता को भूल गई है। इसके पहले श्रीलंका और बांग्लादेश में छात्रों ने ही सरकारें गिरा दी हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप भी राजनीति के पुराने ढर्रे पर चलने को तैयार नहीं हैं। दुनिया बड़े बदलाव के दौर से भले गुजर रही है, लेकिन शेयर बाजार डगमगाने की बजाय कुलांचे भर रहा है। मार्केट को लगता है कि ये सब बस थोड़ी देर का तमाशा है। अतीत में कई बार वैश्विक स्तर पर क्रांतियां, युद्ध और संकट आए और उन्हें दुनिया बदलने वाला दौर बताया गया लेकिन उनमें से कई झूठे साबित हुए। 1848 में यूरोप में उदारवादी, छात्र और मजदूर हर जगह अधिकारों और संविधान की मांग कर रहे थे। राजा डर गए थे। लोगों को लगा कि अब लोकतंत्र आ गया है। फ्रांस में सबसे बड़ा विद्रोह हुआ, लेकिन साल के अंत तक ज्यादातर विद्रोह कुचल दिए गए, राजा फिर से सत्ता में आ गए और लोगों का सपना धरा का धरा रह गया। ऐसे ही एक बदलाव की आहट अमेरिका में गृहयुद्ध (1861-65) के बाद सुनाई दिया। माना गया कि गुलामी खत्म हो गई और अब एक सच्चा बहु-नस्लीय लोकतंत्र बनेगा। लेकिन जल्द ही गोरे लोग फिर से सत्ता में आ गए और उन्होंने काले लोगों को वोट देने से रोकने और उन्हें अलग-थलग रखने के लिए कानून बनाए। ये कानून 1965 में खत्म हुए। हालांकि गुलामी का साया आज भी अमेरिका पर है, और काले लोग अभी भी समाज के निचले स्तर पर हैं। प्रथम विश्व युद्ध में भीषण नरसंहार हुआ, जिसके बाद दुनिया में पहली बार युद्ध-विरोधी आंदोलन शुरू हुए। इसके बाद दूसरा विश्व युद्ध हुआ। आज भी इजराइल और फिलिस्तीन में युद्ध चल रहे हैं। 1930 के दशक में स्पेन का गृहयुद्ध फासीवाद और लोकतंत्र के बीच की लड़ाई जैसा लग रहा था। लेकिन कुछ नहीं बदला और फ्रेंको की तानाशाही 1975 में उनकी मृत्यु तक जारी रही। 1968 में दुनिया में अद्भुत विरोध प्रदर्शन हुए, जिनका कोई संबंध या आयोजन करने वाला नहीं था। छात्रों ने पेरिस पर कब्जा कर लिया, और फ्रांसीसी सेना ने राष्ट्रपति के प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के आदेश को मानने से इनकार कर दिया। अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग की हत्या के बाद 110 शहरों में दंगे हुए और अश्वेत शक्ति की अवधारणा सामने आई। चेकोस्लोवाकिया में 'प्राग स्प्रिंग' हुआ, क्योंकि एक कम्युनिस्ट देश ने सोवियत संघ के शासन के खिलाफ विद्रोह कर दिया। लेकिन कुछ समय बाद सब शांत हो गया। एक दशक के भीतर, रूस में पुतिन के नेतृत्व में अधिनायकवाद लौट आया, जबकि कम्युनिस्ट चीन एक महाशक्ति बन गया और वैश्विक अधिपत्य की धमकी दे रहा है। इन सबके बाद भी शेयर बाजार को यह सब सिर्फ छोटे से उतार-चढ़ाव की तरह लगता है। थोड़े उतार-चढ़ाव के बाद सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा। अफगानिस्तान ने सबसे ज्यादा 'बदलावों' का विरोध किया है। 1979 में सोवियत संघ का आक्रमण एक बड़ा बदलाव माना गया। 1992 में कम्युनिस्टों को हटाने वाला गुरिल्ला युद्ध भी एक बदलाव था लेकिन फिर एक क्रूर गृहयुद्ध के बाद तालिबान का शासन आया। इससे ओसामा बिन लादेन को 9/11 का बम धमाका करने में मदद मिली। आतंकी हमले के बाद अमेरिका ने युद्ध की घोषणा की और काबुल में अपनी सरकार स्थापित कर ली। लेकिन अंत में तालिबान वापस आ गया। इतिहास बहुत ही उलझा हुआ है। बदलाव अक्सर धीरे-धीरे होता है। 1848 की क्रांतियां विफल हो गईं, लेकिन उनके विचार जिंदा रहें और आगे एक बड़ा रूप लिया। इतिहास में कोई भी परिवर्तन एक झटके में नहीं होता है। बदलाव तो धीरे-धीरे ही होता है।

टेंशन बढ़ाती चौपहिया को खड़ी करने की समस्या

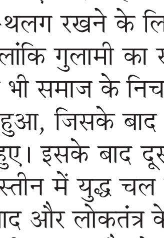

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पिछले दिनों समाचार पत्रों में दो समाचारों की सुर्खियां प्रमुखता से देखी गई। पहला समाचार यह कि एक मोटे अनुमान के अनुसार नोएडा में साल भर में एक लाख से अधिक नए वाहन खरीदे जाते हैं तो दूसरा समाचार दिल्ली से जुड़ा है और इसमें यह कि दिल्ली में कहीं भी जाओं तो वाहन को पार्किंग के लिए खड़ा करने में औसतन 20 मिनट तो लग ही जाते हैं। दोनों समाचार ही आर्थिक उन्नती को दर्शाने के साथ ही लोगों के जीवन स्तर में तेजी से सकारात्मक बदलाव को इंगित करते हैं। पर इसके साथ ही यह भी साफ हो जाता है कि हमारे शहर आज और आने वालों सालों के लिए अभी तक पूरी तरह से तैयार नहीं है। एक और वाहनों की मांग और खरीद बढ़ती जा रही है और इसमें भी बड़ा बदलाव यह देखा जा रहा है कि अब लक्जीरियस वाहनों की खरीद को अधिक प्राथमिकता दी जाने लगी है तो दूसरी और ऑफिस या किसी काम से घर से बाहर निकलने पर वाहन को पार्क करने की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। हालात यहां तक हो गए हैं कि वाहनों की पार्किंग को लेकर तू तू मैं मैं, झगड़ा और मारपीट तो आम होती जा रही हैं वहीं वाहन खड़ा करने को लेकर जानलेवा हमला और जान ले लेने तक के समाचार अखबारों की यदा कदा सुर्खियां बनते जा रहे हैं। रोडरेज की घटनाएं आम होती जा रही है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि यह समस्या कोई नोएडा या दिल्ली की ही नहीं हैं अपितु कमोबेस यह समस्या देश के किसी भी शहर में गंभीर रुप लेती देखी जा सकती हैं। दरअसल हमारे नगर नियोजकों व शहरी नियामक संस्थाओं ने पार्किंग की समस्या को गंभीरता से लिया ही नहीं है। गांवों को निगलकर शहरों का विस्तार होता जा रहा है तो गगनचुंबी इमारते बनती जा रही है। आबादी का घनत्व और दबाव बढ़ता जा रहा हैं। जिस अनुपात में यह बदलाव आ रहा है उस अनुपात में भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों की और ध्या नही नहीं दिया जा रहा है। आबादी के पास के एक समय के बड़े बड़े बंगले अब मल्टीस्टोरी बिल्डिंग और मॉल्स में तब्दील होते जा रहे हैं। जहां पहले एक बंगले से एक समय में एक या दो वाहनों का ही यातायात दबाव पड़ता था वहीं अब उसी स्थान पर बनें मल्टी स्टोरी में बहुत से फ्लेट्स होने के कारण बहुत से परिवार रहने के कारण औसतन डेढ़ गाड़ी का दबाव भी माना जाएं तो साफ हो जाता है कि रोड पर वाहनों का दबाव तो पड़ेगा ही। जहां तक मॉल्स का सवाल है अधिकतर माल्स में पार्किंग की सुविधा तो होती है पर अधिकांश पार्किंग तो माल्स में बिजनस प्रतिष्ठानों के मालिकों, कार्मिकों आदि से ही भर जाते हैं तो वहां आने वालों के लिए पार्किंग की समस्या बन ही जाती है। पार्किंग की समस्या को लेकर भी दो तरह की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। एक तो यह कि अब घरों कालोनियों में भी वाहन पार्किंग की समस्यां गंभीर होती जा रही है। इसका बड़ा कारण एक ही परिवार में एक से अधिक वाहनों और वह भी लक्जीरियस वाहन एमयूवी/एसयूवी का होना आम होता जा रहा है तो दूसरी और सार्वजनिक परिवहन साधनों की योजनाबद्ध उपलब्धता नहीं होना है। कहने को तो अब ओला-उबेर की बात की जाने लगी है या दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में मेट्रो ट्रेन की बात की जा सकती है पर समस्या का समाधान यह इसलिए नहीं है कि नई कालोनियों के विकास के अनुसार इनकी सहज उपलब्धता का सवाल भी होता है।

पटाखों पर बैन का रास्ता साफ तो बाकी प्रदुषण कैसे रुकेगा ?

अशोक भाटिया

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर शुक्रवार को कड़ी टिप्पणी की. चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बी.आर. गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-एनसीआर (एनसीआर) के लोगों को स्वच्छ हवा का अधिकार है, तो दूसरे शहरों के निवासियों को क्यों नहीं? उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदूषण नियंत्रण की नीतियां सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं रह सकतीं, बल्कि पैन-इंडिया स्तर पर लागू होनी चाहिए.बेंच की सुनवाई के दौरान, जिसमें जस्टिस के. विनोद चंद्रन भी शामिल थे, सीजेआई बी.आर. गवई ने पटाखा निर्माताओं की उस याचिका पर विचार किया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री और निर्माण पर पूरे साल के लिए लगे प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी. बेंच ने कहा, "हम दिल्ली के लिए अलग नीति नहीं बना सकते, सिर्फ इसलिए क्योंकि वहां देश का संभ्रांत वर्ग रहता है." सीजेआई ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया, "मैं पिछले साल सर्दियों में अमृतसर गया था. वहां प्रदूषण की स्थिति दिल्ली से भी बदतर थी. अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तो यह पूरे देश में लगना चाहिए." कोर्ट ने यह टिप्पणी तब की जब एमिकस क्यूरिए एडवोकेट अपराजिता सिंह ने दिल्ली में सर्दियों के दौरान प्रदूषण की भयावह स्थिति का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि दिल्ली एक लैंडलॉक्ड शहर है, जहां हवा में प्रदूषक फंस जाते हैं, जिससे स्थिति चोकिंग लेवल तक पहुंच जाती है. लेकिन, सिंह ने स्वीकार किया कि एलीट वर्ग प्रदूषण के चरम दिनों में शहर छोड़ देता है.कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या नीतियां सिर्फ अमीरों के लिए बनाई जा रही हैं? बेंच ने स्पष्ट किया कि सभी नागरिकों को स्वच्छ हवा का समान अधिकार है, चाहे वे किसी भी शहर में रहें. इसी सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य याचिका पर एक्शन लिया, जिसमें पटाखों पर पूरे देश में प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी. कोर्ट ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) को नोटिस जारी किया और दो हफ्तों में जवाब मांगा. यह नोटिस दिल्ली-एनसीआर में मौजूदा प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिकाओं के संदर्भ में भी जारी किया गया.गौरतलब है कि अदालतें इससे पहले भी कई बार प्रदूषण पर टिप्पणी कर चुकी हैं। साल 2022 में कोर्ट ने कहा था, किसी भी बहाने से पटाखों पर रोक नहीं हटाई जा सकती है। जबकि 2021 में इसी प्रकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, सांस लेना प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है और मौलिक अधिकारों से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए।इस तरह प्रदूषण रोकने को लेकर 2020 में एक याचिका पर कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था, प्रदूषण रोकना हमारी संवैधानिक जिम्मेदारी है। कोर्ट ने लोगों से प्रदूषण कम फैलाने की गुजारिश भी की थी। 2018 में पटाखों पर बैन के संबंध में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सिर्फ ग्रीन पटाखे इस्तेमाल करने को कहा था। कोर्ट ने कहा, जीवन और स्वास्थ्य सबसे ऊपर, परंपरा से अहम है।

देखा जाय तो राजधानी दिल्ली के साथ पूरे देश में प्रदूषण की चर्चा हमेशा होती है, जैसे वाहनों से होने वाला प्रदूषण, कटाई के बाद हरियाणा के खेतों में पाली जलाने से होने वाला प्रदूषण, दिवाली और दशहरा आने पर पटाखों से होने वाला प्रदूषण।क्या देश के अन्य हिस्सों में लोग प्रदूषण से पीड़ित नहीं हैं? इनमें से कई सवाल आम जनता द्वारा उठाए जाते हैं, और सुप्रीम कोर्ट के कई न्यायाधीश पद से आए और चले गए, लेकिन किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है, शायद वे इसकी ओर आकर्षित नहीं हुए हैं। लेकिन भारत के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने पटाखों के प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान अप्रत्यक्ष रूप से पटाखों के प्रदूषण के मुद्दे को उठाने की कोशिश की है।डिस्ट्रीब्यूटर्स और कंज्यूमर सुनवाई पर ध्यान दे रहे हैं। गवई ने प्रतिबंध पर अपनी मजबूत राय व्यक्त की, खासकर जब प्रतिबंध याचिका केवल राजधानी दिल्ली में सुनवाई के लिए आई थी। यह प्रतिबंध केवल दिल्ली के लिए ही क्यों है? अगर दिल्ली को साफ हवा का अधिकार है, तो दूसरे शहरों के नागरिकों को भी यही अधिकार क्यों नहीं मिल सकता? भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि दिवाली के कारण पटाखों से होने वाले धुएं और पंजाब और हरियाणा राज्यों में हर साल बर्तन जलाने से होने वाले धुएं के कारण राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण वायु प्रदूषण की एक बड़ी समस्या है। इस मांग को लेकर एक याचिका दायर की गई है और इस पर सुनवाई हो रही है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में याचिका सिर्फ दिल्ली के लिए दायर की गई है, लेकिन पटाखों पर प्रतिबंध सिर्फ दिल्ली के लिए लागू नहीं किया जा सकता है। दिल्ली के नागरिकों को देश का संभ्रांत मानते हुए हम केवल दिल्ली के लिए पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की नीति नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि अमृतसर में वायु प्रदूषण दिल्ली से भी बदतर है। अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है तो इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। भले ही राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सांसद और अन्य लोग राजधानी में रह रहे हों, लेकिन देश के सभी हिस्सों में प्रदूषण के बारे में गंभीरता से सोचने का समय आ गया है।इसके कारण हवा और पानी में बढ़ता प्रदूषण जीवित जीवों के अस्तित्व पर सवाल उठा रहा है। पटाखे प्रदूषण का हिस्सा हैं न कि प्रदूषण की जड़। पटाखे केवल एक निश्चित अवधि के लिए फटे जाते हैं, इसलिए त्योहारों के दौरान पटाखे फोड़ने से होने वाला प्रदूषण क्षणिक और केवल थोड़े समय के लिए होता है। लेकिन रासायनिक उद्योगों, कारखानों और वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण गलियों और गलियों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या लंबे समय से मौजूद है। अगर कोई ठोस समाधान मिल जाए तो न केवल राजधानी दिल्ली में बल्कि देश में भी प्रदूषण की समस्या का समाधान संभव हो सकेगा। राष्ट्र के सामने कोई अन्य समस्या नहीं बची होनी चाहिए। अभी तक प्रदूषण की चर्चा सिर्फ दिल्ली में ही होती है। दिल्ली में ऑड-ईवन पार्किंग और सड़कों पर ऑड-ईवन नंबर वाले वाहनों को लाने जैसे फैसले तुरंत लिए जाते हैं।भारत के चीफ जस्टिस भूषण गवई के इस रुख का देश के कोने-कोने में स्वागत हुआ है, देश के सामान्य मानवी की भूमिका मौजूदा व्यवस्था के जौहरी के कान छिदवाने जैसी है, देश की नदियां प्रदूषित हो गई हैं, गंगा की सफाई में करोड़ों रुपए खर्च हुए हैं, देश के कोने-कोने में बहने वाली दूसरी नदियां कब साफ होंगी? ये नदियां कब तक प्रदूषण की छाप के साथ बहती रहेंगी? अगर ऑड-ईवन पार्किंग सिस्टम से राजधानी दिल्ली में वाहन पार्किंग की समस्या का समाधान होने वाला है तो अगर सड़कों पर ऑड-ईवन नंबर प्लेट वाले वाहनों को लाकर प्रदूषण को नियंत्रित करना है तो इस फॉर्मूले को देश के कोने-कोने में लागू करना जरूरी है। यह होना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी की आंखों में काफी रोशनी डाली है। पटाखों के बैन को लेकर उसके पक्षधर भी कम नहीं है . पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने दिवाली पर पटाखों के बैन को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा सिर्फ दिल्ली में पटाखों पर रोक लगाना दिल्लीवासियों के त्योहार मनाने के अधिकार को सीमित कर देगा। दिल्लीवासी जागरूक हैं, वे जानते हैं कि खुद और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए क्या सही है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट को ऐसा संतुलित तरीका निकालना चाहिए जिससे त्योहार का मजा भी रहे और पर्यावरण सुरक्षित हो। पर्यावरण मंत्री ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि कोई संतुलित उपाय निकाला जाए, जिससे लोग त्योहार का आनंद ले सकें और पर्यावरण की रक्षा भी हो।

विश्वेश्वरैया का सपना और आज की सफलता

योगेश कुमार गोयल

इंजीनियरिंग अब एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है। वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण विषयों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है। प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को भारत में 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) मनाया जाता है और आज के समय में अभियंता दिवस मनाने का उद्देश्य भारत में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना भी है। इंजीनियर अपनी कुशलता से विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को गति प्रदान कर देश को समृद्ध और विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य तथा देश के विकास में इंजीनियरों के महत्वपूर्ण योगदान के चलते ही भारत आज इंजीनियरिंग तथा आईटी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है। सही मायनों में देश के विकास के धुरी इंजीनियर ही हैं, जिनका देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। दरअसल आपदा प्रबंधन से लेकर निर्माण तक कोई भी कार्य इंजीनियरों के बिना सम्पन्न नहीं हो सकता। मानव जीवन में रचनात्मक बदलाव का श्रेय इंजीनियरों को ही जाता है। देश की आजादी के बाद प्रतिभावान इंजीनियरों ने नए भारत के निर्माण तथा विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शहरों तथा गांवों के समग्र विकास के लिए सड़कों, पुलों, सिंचाई जलाशयों सहित अधोसंरचना के निर्माण के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। देश में प्रतिवर्ष अभियंता दिवस इसीलिए मनाया जाता है ताकि देशभर के इंजीनियरों को प्रोत्साहित किया जा सके और हमारे इंजीनियर अपने ज्ञान और कौशल की बदौलत देश को तरक्की की नई राह पर आगे ले जाएं।

भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'डीप टेक और इंजीनियरिंग उत्कृष्टताः भारत के टेकएड को आगे बढ़ाना' थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो भारत की तकनीकी यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रही है। भारत के महान इंजीनियरों में से एक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया द्वारा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दिया गया असाधारण योगदान अविस्मरणीय है, जिन्हें भारतीय सिविल इंजीनियरिंग का जनक तथा आधुनिक भारत का विश्वकर्मा भी कहा जाता है। देशभर में बने कई नदियों के बांधों और पुलों को सफल बनाने के पीछे कर्नाटक में मैसूर के कोलार जिले में 15 सितम्बर 1860 को जन्मे विश्वेश्वरैया का बहुत बड़ा योगदान रहा। एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने देश में मैसूर में कृष्णाराज सागर बांध, पुणे के खड़कवासला जलाशय में बांध, ग्वालियर में तिगरा बांध इत्यादि कई महत्वपूर्ण बांध बनवाए। हैदराबाद शहर को बनाने का पूरा श्रेय भी 'फादर ऑफ मॉडर्न मैसूर स्टेट' कहे जाने वाले विश्वेश्वरैया को ही जाता है। दरअसल मैसूर सरकार के साथ मिलकर उन्होंने मैसूर संदल ऑयल एंड सोप फैक्टरी, मैसूर आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, मैसूर चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, परजीवी प्रयोगशाला, श्री जयचमराजेंद्र पॉलीटेक्निक संस्थान, बैंगलोर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सेंचुरी क्लब इत्यादि कई फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करवाई थी।

विश्वेश्वरैया द्वारा शुरू की गई बहुत सी परियोजनाओं के कारण देश आज गर्व का अनुभव करता है। उन्होंने एक बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार की थी, जिसके बाद वे देशभर में विख्यात हो गए थे। विशाखापत्तनम बंदरगाह की समुद्री कटाव से सुरक्षा के लिए एक प्रणाली विकसित करने में भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। घर-घर में प्राकृतिक जल स्रोतों से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करने के अलावा गंदे पानी की निकासी के लिए नाली-नालों की समुचित व्यवस्था भी विश्वेश्वरैया ने ही की थी। तिरुमला और तिरुपति के बीच सड़क निर्माण के लिए योजना को अपनाने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई थी। उनके इन प्रयासों ने ही आधुनिक भारत की रचना करने के साथ देश को एक नया रूप भी प्रदान किया। 1955 में उन्हें सर्वोच्च भारतीय सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एम विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय योगदान के मद्देनजर वर्ष 1968 में उनकी जन्मतिथि को भारत सरकार द्वारा 'अभियंता दिवस' घोषित किया गया। तभी से प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है। विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस वास्तव में देश के विकास में योगदान देने और देश का मान बढ़ाने वाले इंजीनियरों के सम्मान में समर्पित होता है। शुरुआती पढ़ाई मैसूर में करने के बाद विश्वेश्वरैया ने 1881 में मद्रास यूनिवर्सिटी के सेंट्रल कॉलेज से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। सरकार से उन्हें सहायता मिली और उन्होंने पूना में इंजीनियरिंग के लिए दाखिला लिया। 1883 की एल.सी.ई. और एफ.सी.ई. परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया और उनकी योग्यता को देखते बॉम्बे सरकार ने उन्हें नासिक में सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त किया। एक इंजीनियर के रूप में उसके बाद उन्होंने अनेक अद्भुत कार्यों को अंजाम दिया।

भूल भुलैया बनाम चक्रव्यूह

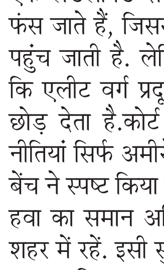

डॉ टी महादेव राव

भैया! चक्रव्यूह को संस्कृत में क्या कहते हैं? क्यों? क्या करेगा जानकर? संस्कृत में इसे पद्मव्यूहम कहते हैं। पद्म व्यूह का मतलब जाल बिछाना या युद्धनीति अपनाना जिसमें सैनिकों की ऐसी व्यवस्था करना कि वे पद्म या कमल के आकार में दिखे और बड़े बड़े योद्धा भी उसमें घुसकर आसानी से बाहर नहीं निकल सके। यूं कहा जाए मकड़ी की जाल में जिस तरह मक्खी फंस जाती है और निकल नहीं पाती। लेकिन महाभारत के तेरहवें दिन के चक्रव्यूह की चर्चा अचानक अब क्यों? भैया। आप इस दुनियां में रहते हो या किसी तिलस्मी दुनियां की सैर करते रहते हो? संसद में, समाज में, राज्य में, विधान सभा में क्या हो रहा है इसकी खबर अखबार एक दिन बाद देते हैं, हर खबर को दिन में सौ बार दिखाते न्यूज चैनल भी सैकड़ों हैं। यह शब्द चक्रव्यूह या पद्मव्यूह आज विपक्ष का शब्द है, जिसमें सारा कुछ समेटा गया गया है सरकार के कमकिए गए जी एस टी और अन्य महारथियों के खिलाफ। जानता हूं छोटू! मैं देख रहा था तुम क्या बोलोगे? तुम्हें क्या लगता है कि सत्ता पक्ष का उत्तर संतोषजनक है? उनका इसके विरोध में शब्द क्या है और क्या हो सकता है? जनता को चक्रव्यूह में घुसना आता है और फंसे रहना भी उसकी नियति है।

महारथी अपने अपने पद, पैसा और पहुंच में व्यस्त हैं। किसे जन कल्याण के युद्ध में या जनता की समस्याओं में दिलचस्पी है? यह अप्रत्यक्ष अपरिचित सा लगने वाला युद्ध जैसा है। पद्मव्यूह मेरा मतलब है चक्रव्यूह के छह महारथियों के नाम तो विपक्ष ने लिया है लेकिन जिस सातवें महारथी ने अभिमन्यु के पीठ पर तलवार से वार कर उसका वध किया था, उसका नाम तो किसी ने बताया ही नहीं। भैया। काहे मुंह खुलवाते हो? आधुनिक चक्रव्यूह में सातवां मुख्य योद्धा यानी जयद्रथ जनता स्वयं है। देखो दोनों के नाम का पहला अक्षर ज है। वहां अभिमन्यु लड़ा था अंतिम सांस तक। यहां जनता ने छोटी छोटी लालचों में मुफ्त राशन, मुफ्त गैस और भी मुफ्त रेवड़ियों के पीछे पागल होकर अकर्मण्यता की हद तक खुद को वोटों के बदले समर्पित कर दिया है। यह अभिमन्यु वध नहीं जनता की आत्मवंचना है। तो क्या हमेशा अभिमन्यु की हार होगी और बाद में जयद्रथ भी मारा जायेगा? न भैया। न! अभिमन्यु भी लड़ेगा और जनता जयद्रथ के जामे से बाहर आकर न्यायबद्ध लड़ाई लड़ेगी। नया पताका फहराएगी और सारे लुंज पुंज इतिहासों को समुद्र में डालकर नया इतिहास लिखेगी जो नई पीढ़ी के लिए दिशा सूचक मशाल होगी। तेरे इस सकारात्मक नोट पर तो तालियां और थालियां बजाकर दीप की ज्वाला ऊंचे रखने की इच्छा होती है छोटू!

तीन ओर समुद्र से घिरा रामायण काल का यह मंदिर

दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची प्रतिमा भी यहां

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल तालुक में स्थित मुरुदेश्वर मंदिर आध्यात्मिकता और खूबसूरत नक्काशी का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। अरब सागर के तट पर स्थित मुरुदेश्वर मंदिर, भगवान शिव को समर्पित एक ऐसा तीर्थस्थल है, जो अपनी 123 फीट ऊंची शिव प्रतिमा और 237 फीट ऊंचे गोपुरम के लिए विश्व प्रसिद्ध है। तीन ओर से समुद्र से घिरी कंडुका पहाड़ी पर बना यह मंदिर न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि अपनी द्रविड़ वास्तुकला और रामायण काल से जुड़ी पौराणिक कथा के लिए भी जाना जाता है।

मुरुदेश्वर मंदिर का नाम भगवान शिव के एक रूप मृदेस या मुरुदेश्वर से लिया गया है। यह मंदिर कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में मैंगलोर-कारवार राजमार्ग पर स्थित है, जहां पश्चिमी घाट और अरब सागर का मनमोहक मिलन होता है।

123 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा

मंदिर परिसर में स्थापित 123 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची शिव प्रतिमा है, इसे बनाने में लगभग दो वर्ष लगे। मंदिर का 237 फीट ऊंचा राजा गोपुरम भारत का दूसरा सबसे ऊंचा गोपुरम है, जो 20 मंजिलों वाला है। पर्यटक लिफ्ट के जरिए गोपुरम की सबसे ऊपरी मंजिल तक पहुंचकर समुद्र और शिव प्रतिमा का विहंगम दृश्य देख सकते हैं।

मुरुदेश्वर मंदिर की कथा

मुरुदेश्वर मंदिर की कथा शिव पुराण से जुड़ी है और रामायण काल के रावण से संबंधित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, लंकापति रावण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें आत्मलिंग (शिव का सार) प्रदान किया, जो अमरत्व और असीम शक्ति का प्रतीक है।

रावण को यह आत्मलिंग लंका ले जाना था, लेकिन देवताओं को यह डर था कि रावण इसका दुरुपयोग करेगा। इसलिए, देवताओं ने सूर्यास्त से पहले रावण को आत्मलिंग जमीन पर रखने के लिए मजबूर किया, क्योंकि नियम था कि एक बार आत्मलिंग जमीन पर रखा गया तो वह वहीं स्थापित हो जाएगा।

शिव भक्तों के लिए महत्वपूर्ण तीर्थस्थल

क्रोधित रावण ने आत्मलिंग को नष्ट करने की कोशिश की, लेकिन वह अटल रहा। इस प्रक्रिया में आत्मलिंग को ढकने वाला वस्त्र मुरुदेश्वर में गिर गया, जिसके कारण यह स्थान पवित्र माना जाने लगा। तब से यह मंदिर भगवान शिव के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल बन गया। मुरुदेश्वर मंदिर चालुक्य और कदंब शैली की द्रविड़ वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। मंदिर परिसर में भगवान शिव की विशाल प्रतिमा के साथ-साथ एक सुनहरा सूर्य रथ भी है, जो भगवद् गीता के दृश्य को दिखाता है, जिसमें अर्जुन को भगवान कृष्ण से गीता का उपदेश प्राप्त हो रहा है।

धार्मिक स्थल के अलावा पर्यटक स्थल भी

मंदिर का राजा गोपुरम 20 मंजिलों वाला है और इसकी ऊपरी मंजिल से समुद्र, पहाड़ और शिव प्रतिमा का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। मंदिर के आसपास का समुद्र तट भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। कर्नाटक पर्यटन विभाग के अनुसार, मुरुदेश्वर न केवल धार्मिक स्थल है, बल्कि एक प्रमुख पर्यटक स्थल भी है। समुद्र तट, मंदिर की भव्यता और प्राकृतिक सौंदर्य इसे देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाते हैं। मंदिर परिसर में गुफा मंदिर भी है, जहां रावण और आत्मलिंग की कहानी को मूर्तियों के माध्यम से उकेरा गया है। महाशिवरात्रि, सावन के महीने में मुरुदेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ होती है। भगवान शिव के भक्त यहां जलाभिषेक और रुद्राभिषेक जैसे धार्मिक आयोजनों के लिए आते हैं।

कठिन व्रतों में एक है जितिया

जानें नहाय खाय, उपवास और पारण के नियम

हिंदू धर्म में जितिया को छठ पूजा के बाद सबसे कठिन व्रतों में एक माना जाता है, क्योंकि इसमें माताएं निर्जला व्रत रखती हैं। जितिया को जीउतिया या जीवित्पुत्रिका जैसे नामों से भी जाना जाता है। हर साल यह व्रत आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। इस साल जितिया का व्रत 15 सितंबर को व्रत का पारण किया जाएगा।

जितिया का पावन व्रत श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। इसके साथ ही इस व्रत में कठोर नियमों का पालन भी करना पड़ता है। नियमों का पालन न करने पर या जाने-अनजाने में हुई गलती से व्रत खंडित हो सकता है। इसलिए जान लें जितिया व्रत के जरूरी नियम।

पारण दिन के नियमः- पारण वाले दिन स्नान के बाद सात्विक भोजन खाना चाहिए। इसमें मुख्य रूप से रागी की रोटी, साग खाने की परंपरा है। वहीं कुछ जगहों पर जितिया के नहाय-खाय में मछली-भात भी खाया जाता है। इस दिन शुद्धता का भी पूरी तरह के ख्याल रखें।

व्रत वाले दिनः- जितिया व्रत के दिन व्रती महिला को अन्न-जल का त्याग करना चाहिए। निर्जला व्रत रखकर शाम के समय माता जितिया और जीमूतवाहन देवता की पूजा करती चाहिए। साथ ही जितिया व्रत कथा का पाठ जरूर करना चाहिए। पूजा के बाद भी कुछ खाना-पीना नहीं चाहिए।

पारण दिन के नियमः- जितिया व्रत के अगले दिन व्रत का पारण किया जाता है। पारण के लिए नवमी तिथि पर सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। इस दिन नोनी साग, मडुआ रोटी आदि जैसे पकवान बनाए जाते हैं। कई जगहों पर पांच तरह की सब्जी बनाई जाती है। आपके क्षेत्र में जैसी परंपरा हो, उसका पालन करते हुए व्रत का पारण करें। पारण से पहले पूजा-पाठ और दान-दक्षिणा अवश्य करें।

सुबह उठते ही शीशा देखना

आदत या अनजाने में की गई भूल

क्या आप भी सुबह आंख खुलते ही सबसे पहले शीशे में खुद को देखते हैं? यह आदत आम लग सकती है, लेकिन ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार यह छोटी सी आदत आपके पूरे दिन की दिशा बदल सकती है। कई बार हम बिना सोचे-समझे कुछ ऐसा करते हैं जो हमारे जीवन पर गहरा असर डालता है। सुबह-सुबह शीशा देखना भी ऐसी ही एक आदत है, जिसे अधिकतर लोग बिना किसी सोच के करते हैं। बताया कि सुबह के समय शीशा देखना केवल एक व्यवहार नहीं, बल्कि ऊर्जा के स्तर पर एक बड़ी भूल हो सकती है। आइए जानते हैं कि इस आदत के पीछे क्या छिपा है और ये आपके जीवन को किस तरह प्रभावित कर सकती है।

क्यों खास होता है सुबह का समय?

सुबह का समय केवल नींद से जागने का नहीं होता, यह वो क्षण होता है जब शरीर और मन दोनों एक नये दिन के लिए तैयार होते हैं। इस समय पर आपके भीतर की ऊर्जा संतुलन बना रही होती है। ऐसे में अगर आप उठते ही खुद को शीशे में देखती हैं, तो ये ऊर्जा एक गलत दिशा में मुड़ सकती है। पंडित बताते हैं कि शीशा यानी कांच का सीधा संबंध शुक्र ग्रह से होता है। शुक्र वह ग्रह है जो सौंदर्य, लालसा और भ्रम से जुड़ा हुआ है। यानी शीशा आपको वही दिखाता है, जो आप देखना चाहती हैं, न कि जो सच में है। ऐसे में दिन की शुरुआत ही एक तरह के भ्रम से होती है।

किन लोगों के पास नहीं ठहरती हैं मां लक्ष्मी?

जानिए इसके पीछे की पौराणिक कथा

हिंदू धर्म ग्रंथों में अनेक पौराणिक कथाएं वर्णित हैं, जो न केवल ज्ञान का भंडार हैं बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणा भी देती हैं। ऐसी ही एक कथा मां लक्ष्मी और भृगु ऋषि से जुड़ी है, जिसमें बताया गया है कि मां लक्ष्मी ब्राह्मणों के घर क्यों स्थायी रूप से नहीं रहतीं।

ऋषि भृगु की परीक्षा

कथा के अनुसार, एक बार सभी ऋषि-मुनियों में यह विवाद हुआ कि तीनों देवताओं - ब्रह्मा, विष्णु और महेश में सबसे श्रेष्ठ कौन है। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए ऋषि भृगु को चुना गया। सबसे पहले भृगु जी ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। उन्होंने न तो प्रणाम किया और न ही सम्मान दिखाया, जिससे ब्रह्मा जी नाराज हो गए। इसके बाद वे भगवान शिव के पास गए और वहां भी उन्होंने यही व्यवहार किया, जिससे शिव जी भी क्रोधित हो उठे। अंत में वे भगवान विष्णु के पास पहुंचे। उस समय भगवान विष्णु योगनिद्रा में थे। भृगु ऋषि ने उन्हें जगाने की कोशिश की लेकिन जब वे नहीं उठे तो क्रोध में आकर उनकी छाती पर लात मार दी।

भगवान विष्णु का धैर्य

ऋषि के इस व्यवहार पर भी भगवान विष्णु शांत रहे। उन्होंने तुरंत भृगु के चरण पकड़ लिए और विनम्रता से बोले - 'क्या मेरी कठोर छाती से आपके पैर में चोट तो नहीं लगी?' यह देखकर ऋषि भृगु को निश्चित हो गया कि तीनों देवताओं में भगवान विष्णु ही सबसे श्रेष्ठ हैं।

मां लक्ष्मी का श्राप

हालांकि इस घटना से मां लक्ष्मी अत्यंत दुखी और क्रोधित हो गईं। उन्होंने भृगु ऋषि को श्राप दिया कि वे कभी भी ब्राह्मणों के घर नहीं जाएंगी और यही कारण है कि ब्राह्मणों को सामान्यतः संपत्ति और वैभव स्थायी रूप से प्राप्त नहीं होता।

3 राशियों के लिए जहर लेकिन इन लोगों के लिए अमृत है चांदी की अंगूठी

भारतीय संस्कृति में धातुओं का विशेष महत्व है। सोना जहां तेज, ऊर्जा और सूर्य से जुड़ा माना जाता है, वहीं चांदी को चंद्रमा और शुक्र ग्रहों का प्रतीक माना गया है। पुरुषों के लिए चांदी धारण करना न केवल परंपरा से जुड़ा है, बल्कि इसके स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन पर भी गहरे प्रभाव माने जाते हैं। ऐसे में आज हम जानेंगे कि पुरुषों को चांदी पहनना कितना जरूरी है और कब पहनना है। ने लोकल बताया कि वो पिछले 35 साल से ज्योतिषी का कार्यक रहे है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पुरुष अगर चांदी पहनते हैं तो यह उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

खासकर दाहिने हाथ में चांदी की अंगूठी या कड़ा धारण करने से मानसिक शांति और आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि चांदी धारण करने से व्यक्ति के जीवन में ग्रहों का संतुलन बना रहता है। यह चंद्रमा और शुक्र ग्रह को मजबूत करती है। इसके फलस्वरूप व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि, यश और स्वास्थ्य में सुधार होता है। जिस हिसाब से सबसे जरूरी कर्क, वृषभ, वृश्चिक, तुला, और मीन राशि के जातकों के लिए चांदी पहनना जरूरी है। इन राशियों के जल तत्व से जुड़ी होने की बात होती है और चांदी इसी तत्व से जुड़ी है। उन्होंने यह भी बताया कि मेष, सिंह, और धनु राशि के जातकों को चांदी पहनने से पहले किसी ज्योतिषी से सलाह लेनी चाहिए, क्योंकि यह उनके लिए हानिकारक हो सकती है। आयुर्वेद में भी चांदी को शरीर के लिए लाभकारी माना गया है। यह वात, कफ और पित्त को संतुलित करने में सहायक होती है। नियमित रूप से चांदी पहनने से सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां कम होती हैं और त्वचा संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलती है। चांदी का असर केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और क्रोध पर नियंत्रण में भी सहायक है। नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर यह मन में स्थिरता और धैर्य लाती है। जो आपके स्वास्थ्य और विचारों को शुद्ध रखने का काम करता है।

हरिद्वार अर्धकुंभ में साधु-संन्यासियों के साथ पहली बार होंगे 3 अमृत स्नान, तिथियों का हुआ ऐलान

साल 2027 में अर्धकुंभ मेला धर्म नगरी हरिद्वार में लगेगा। आपको बता दें कि साल 2027 में हरिद्वार का अर्धकुंभ मेला बेहद खास माना जा रहा है। हरिद्वार के अर्धकुंभ में अब तक आम लोग ही कुंभ के दौरान स्नान करते थे लेकिन साल 2027 में साधु-संन्यासी और अखाड़े भी अर्धकुंभ में डुबकी लगाएं। अमृत स्नान की तिथियां भी अखाड़ा परिषद के द्वारा निर्धारित कर दी गई हैं।

हरिद्वार अर्धकुंभ होगा ऐतिहासिक

हरिद्वार में होने वाला अर्धकुंभ मेला बेहद ऐतिहासिक माना जा रहा है। 2027 में पहली बार ऐसा होगा जब साधु-संन्यासियों के साथ वैरागी और उदासीन आखाड़े तीन अमृत या शाही स्नान करेंगे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने भी आप इस बात को सुनिश्चित कर दिया है। अखाड़ा परिषद के द्वारा साल 2027 में होने वाले अर्धकुंभ के दौरान अमृत स्नान करने की तिथियों का भी ऐलान कर दिया गया है।

अर्धकुंभ 2027 में अमृत स्नान की तिथियां

अखाड़ा परिषद के अनुसार हरिद्वार अर्धकुंभ का पहला शाही स्नान 6 मार्च को महाशिवरात्रि के पवित्र त्योहार के दौरान किया जाएगा। इसके बाद दूसरा स्नान सोमवती अमावस्या पर होगा जोकि 8 मार्च को है। अंतिम अमृत स्नान के लिए मेष संक्रांति का दिन तय किया गया है जोकि 14 मार्च को है।

इससे पहले मकर संक्रांति पर भी स्नान किया जाएगा लेकिन इसे अमृत स्नान की श्रेणी में नहीं रखा गया है। आपको बता दें कि सरकार के द्वारा अभी अमृत स्नान की तारीखें घोषित नहीं की गई हैं लेकिन कुछ समय के उपरांत यह औपचारिकता भी पूरी कर दी जाएगी। सरकार की घोषणा के बाद ही अमृत स्नान के लिए बंदोबस्त की तैयारियां भी शुरू होंगी।

क्यों खास है हरिद्वार अर्धकुंभ 2027?

हरिद्वार में होने वाला अर्धकुंभ मेला अब तक केवल श्रद्धालुओं के स्नान तक ही सीमित रहा है। इसका कारण यह है कि जिस साल हरिद्वार में अर्धकुंभ का आयोजन होता है उस साल उज्जैन या फिर त्र्यंबकेश्वर नासिक में सिंहस्थ पर्व मनाया जाता है। इसलिए हरिद्वार की बजाए संन्यासियों के अखाड़े उज्जैन या फिर त्र्यंबकेश्वर कूच कर जाते थे, क्योंकि अर्धकुंभ और सिंहस्थ पर्व लगभग कुछ दिनों की अंतराल में ही आयोजित होते थे।

हालांकि साल 2027 में हरिद्वार में अर्धकुंभ मार्च-अप्रैल में है जबकि नासिक में सिंहस्थ पर 2027 जुलाई अगस्त में होगा। ऐसे में अखाड़ा परिषद को दोनों आयोजनों में हिस्सा लेने में आसानी होगी। इसीलिए साल 2027 के हरिद्वार अर्धकुंभ को विशेष माना जा रहा है और इस बार हरिद्वार में भी लोग अमृत स्नान का भव्य दृष्य देख पाएंगे।

चाणक्य की नीति

गधे की इन 3 आदतों से लें सीख बना सकती हैं आपको कामयाब!

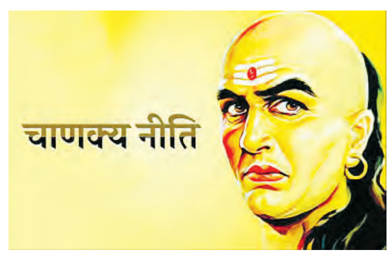

चाणक्य की नीतिः आचार्य चाणक्य, जिन्हें राजनीति और जीवन के कूटनीतिज्ञ के रूप में जाना जाता है, ने जीवन में सफलता पाने के कई अमूल्य सूत्र दिए हैं। उनकी चाणक्य नीति में गधे से जुड़ी तीन खास आदतों का उल्लेख है, जिन्हें अपनाकर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में स्थिरता, संतोष और सफलता हासिल कर सकता है। चाणक्य का मानना था कि इंसान हर किसी से कुछ न कुछ सीख सकता है चाहे वह व्यक्ति हो या जानवर। गधे को अक्सर सुस्त और आलसी माना जाता है, लेकिन उनके तीन गुण आज भी हमारे लिए प्रेरणा बन सकते हैं।

लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता

गधे की इस लगन से चाणक्य ने इंसान को संदेश दिया कि जीवन में लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहना कितना जरूरी है। चाहे परिस्थितियाँ कठिन हों या लोग हतोत्साहित करने की कोशिश करें अगर आप अपने उद्देश्य के प्रति लगातार प्रयास करते रहें, तो सफलता निश्चित है। आलस और डर को अपने रास्ते में नहीं आने दें।

गधा जो भी मिलता है, उसे संतोष से स्वीकार करता है। चाणक्य कहते हैं, संतोष और धैर्य ही व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। परिणाम की चिंता किए बिना मेहनत करें, यही सफलता की कुंजी है। जीवन में संतोष रखने वाला व्यक्ति मुश्किल हालात में भी स्थिर रहता है और छोटे-छोटे प्रयासों को जोड़कर बड़े परिणाम पा सकता है।

मेहनत और निरंतरता

गधा बिना आलस किए लगातार काम करता है। चाणक्य का कहना है कि इंसान को भी आलस्य छोड़कर निरंतर मेहनत करनी चाहिए। छोटे प्रयास भी समय के साथ बड़े परिणाम में बदल जाते हैं। लगातार मेहनत करने वाले व्यक्ति को अंततः सफलता अवश्य मिलती है। इन तीन आदतों लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता, संतोष और धैर्य, और निरंतर मेहनत को अपनाकर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में बदलाव ला सकता है। चाणक्य की यह नीति आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी उनके समय में थी। गधे से सीखें ये सरल लेकिन असरदार गुण और अपने जीवन को सफलता की राह पर ले जाएँ।

घर में यहां पितरों की तस्वीर लगाना है महापाप

पितृ पक्ष चल रहा है जिसका समापन 21 सितंबर 2025 को होगा। इस दौरान इंटरनेट पर इस बारे में खूब सर्च हो रहा है कि पितरों की तस्वीर किस दिशा में लगानी चाहिए। तो आपको बता दें पितरों की तस्वीर से जुड़े कई जरूरी नियम वास्तु शास्त्र में बताए गए हैं। जिनका पालन कर आप अपना जीवन सुख से भर सकते हैं। चलिए जानते हैं वास्तु अनुसार पितरों की फोटो को लगाने की सही दिशा और नियम क्या हैं। पितरों की तस्वीर हमेशा दक्षिण दिशा की दीवार पर लगानी चाहिए क्योंकि ये दिशा पितरों की मानी जाती है। कहते हैं इस दिशा में पूर्वजों की फोटो लगाने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। पितरों की फोटो कभी भी पूर्व, उत्तर और पूर्वोत्तर दिशा में नहीं लगानी चाहिए। कहते हैं इससे पाप लग जाता है। वास्तु शास्त्र अनुसार पितरों की तस्वीर कभी भी देवी-देवताओं की मूर्ति के साथ नहीं लगानी चाहिए। इससे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही घर में कलह का माहौल रहता है। इसके अलावा बेडरूम, रसोई घर, मुख्य द्वार या घर के मंदिर में भी पितरों की तस्वीर लगाने से बचना चाहिए। कहते हैं ऐसा करना अशुभ माना जाता है। पूर्वजों की तस्वीर घर के ड्राइंग रूम में लगानी चाहिए। पितरों की तस्वीर समय-समय पर साफ करते रहें। उस पर धूल-मिट्टी इकट्ठा न होने दें। साथ ही उसकी माला भी बदलते रहें।

अडानी को पटखनी देने के बाद अनिल अग्रवाल ने सरकार से मांगी खास परमिशन! क्या है वेदांता का प्लान?

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। माइनिंग सेक्टर की बड़ी कंपनी वेदांता अब एक और कंपनी खरीदने की तैयारी में है। उसके दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही इन्फ्रा सेक्टर की कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेएएल) को खरीदने के लिए सबसे बड़ी बड़ी बोली लगाई थी। इस रेस में अडानी ग्रुप भी शामिल था लेकिन अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता ने बाजी मार ली।

अब वेदांता ने जयप्रकाश एसोसिएट्स में 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए कंप्टीशन कमीशन ऑफ इंडिया यानी सीसीआई से मंजूरी मांगी है। वेदांता इस डील के लिए 12,505 करोड़ रुपये देगी। कानून के हिसाब से अगर कोई कंपनी दिवालिया होने की कगार पर है, तो उसे खरीदने के लिए सीसीआई की मंजूरी जरूरी होती है। सीसीआई एक सरकारी संस्था है जो यह देखती है कि कहीं कोई कंपनी गलत तरीके से बाजार पर कब्जा तो नहीं कर रही है। वेदांता ने सीसीआई को 11 सितंबर को एक अर्जी दी है जिसमें कहा गया है कि जयप्रकाश एसोसिएट्स को खरीदने से भारत में कंप्टीशन पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। मतलब बाजार में दूसरी कंपनियों के लिए भी मुकाबला करने का मौका बना रहेगा।

कितना है कर्ज

एनसीएलटी ने पिछले साल जून में जयप्रकाश एसोसिएट्स के खिलाफ दिवालियापन की कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया था। वेदांता, जयप्रकाश एसोसिएट्स को खरीदने की प्रक्रिया सीआईआरपी के तहत ही कर रही है। वेदांता शुरुआत में इस कंपनी में 3,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके बाद अगले पांच साल तक हर साल 2,500 से 3,000 करोड़ रुपये लगाएगी। इस तरह जयप्रकाश एसोसिएट्स को खरीदने में वेदांता को लगभग 17,000 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे। हालांकि अभी इस डील की कुल कीमत 12,505 करोड़ रुपये आंकी गई है। जयप्रकाश एसोसिएट्स पर 57,185 करोड़ रुपये का कर्ज है। यह कंपनी बीएसई और एनएसई में लिस्टेड है। इसका बिजनस रियल एस्टेट, सीमेंट, होटल, इंजीनियरिंग, प्रॉक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन तक फैला है। इसकी कुछ ग्रुप कंपनियां पावर, फर्टिलाइजर, स्पोर्ट्स और एविएशन में भी हैं। हालांकि फिच ग्रुप की कंपनी क्रेडिटसाइट्स का कहना है कि जयप्रकाश एसोसिएट्स को खरीदना वेदांता के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि दोनों कंपनियों के कारोबार में कोई खास तालमेल नहीं है।

रेयर अर्थ को लेकर चीन ने कर दिया खेल, भारत की बढ़ेगी मुसीबत!

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। चीन आज दुनिया में रेयर अर्थ मिनरल्स (यानि दुर्लभ खनिजों) का सबसे बड़ा खिलाड़ी है। ये खनिज मोबाइल, कंप्यूटर, बैटरी, इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ और सोलर पैनल जैसी आधुनिक चीज़ों के लिए बेहद जरूरी होते हैं। अब चीन ने इन खनिजों पर और ज्यादा नियंत्रण पाने के लिए म्यांमार के उत्तरी हिस्से में सक्रिय विद्रोहियों से हाथ मिला लिया है। म्यांमार का कचिन इलाका रेयर अर्थ मिनरल्स से भरपूर है।

पहले ये इलाका म्यांमार की सरकार के कंट्रोल में था, लेकिन अब वहां कचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए) और कचिन इंडिपेंडेंस ऑर्गनाइजेशन (केआईओ) जैसे विद्रोही संगठन काबिज़ हैं। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने इन विद्रोही गुटों के साथ चुपचाप समझौते किए हैं। इसके तहत चीन को खनन करने की छूट मिल गई है और बदले में वह विद्रोहियों को मोटी रकम टैक्स के तौर पर देता है। इस तरह चीन म्यांमार के अस्थिर और संवेदनशील इलाके से बड़े पैमाने पर रेयर अर्थ खनिज निकाल रहा है और ये खनिज भारत की सीमा के काफी नजदीक से होकर चीन पहुंचाए जा रहे हैं।

म्यांमार की खदानों पर चीन का कब्ज़ा

साल 2021 में म्यांमार में जब सैन्य तख्तापलट हुआ, तो उसके बाद सिर्फ चार साल में वहां करीब 240 नई खदानें खोली गईं। हैरानी की बात ये है कि इन खदानों में से दो-तिहाई विद्रोही इलाकों में हैं और यही चीन के लिए जैकपॉट साबित हो रहा है। अब तक चीन म्यांमार से 1,70,000 टन से ज्यादा रेयर अर्थ खनिज आयात कर चुका है। ये खनिज चीन की तकनीक और इंडस्ट्री के लिए बेहद जरूरी हैं। कुछ वक्त पहले कचिन विद्रोही संगठन केआईओ ने इन खदानों पर कब्ज़ा कर चीन को सप्लाई रोक दी थी। लेकिन ज्यादा दिन तक ये रोक टिक

नहीं पाई। जल्द ही चीन समर्थक मिलिशिया ने दोबारा इन खदानों पर कब्जा कर लिया और खनिज की सप्लाई फिर से शुरू हो गई। केआईओ का कहना है कि उन्हें चीन के साथ किसी टैक्स डील की जानकारी नहीं है। लेकिन सच्चाई ये है कि चीन की खनन कंपनियों ने विद्रोहियों से चुपचाप सौदा कर लिया है। ये सब कुछ पर्दे के पीछे हो रहा है, ताकि चीन को लगातार खनिज की सप्लाई मिलती रहे।

भारत के लिए म्यांमार से खनिज लाना आसान नहीं है

हाल ही में खबर आई कि भारत अब रेयर अर्थ खनिजों के लिए म्यांमार की तरफ देख रहा है। सरकार सीधे म्यांमार की सरकार से नहीं, बल्कि वहां के एक विद्रोही संगठन कचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए) से डील करने की तैयारी में है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत केआईए की मदद से म्यांमार से रेयर अर्थ मिनरल्स के सैंपल इकट्ठा कर रहा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि भारत की माइनिंग मिनिस्ट्री ने सरकारी और प्राइवेट कंपनियों को कहा है कि वे म्यांमार के कचिन इलाके में मौजूद खदानों से सैंपल लें और यह भी देखें कि वहां से खनिज लाकर ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है या नहीं। लेकिन भारत के लिए इन खदानों से खनिज निकालना इतना आसान नहीं है। ये इलाके घने जंगलों में हैं और चीन की सीमा के बिलकुल करीब पड़ते हैं। चीन नहीं चाहता कि भारत को इन खनिजों की सप्लाई मिले, इसलिए वह हर तरह से अड़ंगा लगाने की कोशिश करेगा।

खत्म होगा डॉलर राज? दांव पर रूस-चीन की कामयाबी

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी मुद्रा डॉलर का दुनिया के कारोबार में दबदबा है। हालांकि, बीते कुछ दिनों में इसकी बादशाहत कायम रहने पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिका पर बेशुमार कर्ज इसमें सबसे बड़ी वजह है। इसके अलावा, रूस और चीन भी अमेरिकी डॉलर का विकल्प तलाशने में जुटे हैं। यही कारण है कि ब्रिक्स समूह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आंखों की किरकिरी बना हुआ है। भारत भी इस समूह का हिस्सा है। लेकिन, वह साफ कर चुका है कि डी-डॉलराइजेशन की रूस और चीन की मुहिम से उसका लेनादेना नहीं है। क्या अमेरिकी डॉलर का वर्चस्व कम हो सकता है? हार्वर्ड की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व चीफ इकोनॉमिस्ट गीता गोपीनाथ ने इसका जवाब दिया है।

गीता गोपीनाथ का मानना है कि अमेरिकी डॉलर की बादशाहत फिलहाल कम नहीं होगी। एक पॉडकास्ट में उन्होंने कहा कि डॉलर की ताकत और दुनियाभर में इसके असर को लेकर दिलचस्पी बनी हुई है। गोपीनाथ ने बताया कि डॉलर की ताकत सिर्फ अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार पर ही नहीं है। अलबत्ता, देश के मजबूत संस्थानों, वित्तीय बाजारों की गहराई और कानून व्यवस्था पर भी निर्भर करती है। उनका कहना है कि इन्हीं वजहों से डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आने वाले सालों में भी

यह बना रहेगा। डॉलर के भविष्य को लेकर बहस कोई नई बात नहीं है। निवेशक लंबे समय से अमेरिका के बढ़ते कर्ज, ट्रेड टैरिफ और हाल ही में महामारी के वित्तीय असर को लेकर चिंतित हैं। लेकिन, गोपीनाथ ने कहा कि किसी करेंसी की अहमियत ट्रेड वॉल्यूम पर उतनी निर्भर नहीं करती, जितना लोग सोचते हैं।अमेरिकी डॉलर दुनिया की सबसे बड़ी रिजर्व करेंसी है। लेकिन, यह अकेली नहीं है। यूरो, पाउंड स्टर्लिंग, येन, स्विस फ्रैंक, ऑस्ट्रेलियाई और कनाडाई डॉलर और चीन की रेनमिनबी भी अहम भूमिका निभाते हैं। पहले ड्यूश मार्क की भी अहमियत थी। लेकिन, बाद में इसे यूरो में मिला दिया गया।आम लोगों के लिए मजबूत डॉलर का मतलब है कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं की करेंसी को डॉलर में मिलने वाले सामान खरीदने के लिए ज्यादा खर्च करना। उदाहरण के लिए अगर एक आईफोन की कीमत 1,000 डॉलर है तो डॉलर के बढ़ने का मतलब है कि भारतीयों को वही प्रोडक्ट खरीदने के लिए ज्यादा रुपये खर्च करने होंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

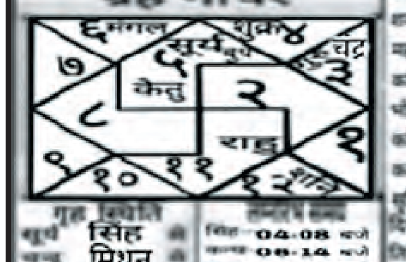

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायने, ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्न
सूर्य	सिंह	सिंह 04-08 बजे
चन्द्र	मिथुन	कन्या 06-14 बजे
मंगल	कन्या	तुला 08-20 बजे
बुध	सिंह	वृश्चिक 10-28 बजे
गुरु	मिथुन	धनु 12-43 बजे
शुक्र	कर्क	मकर 14-50 बजे
शनि	मीन	कुंभ 16-40 बजे
राहु	कुंभ	मीन 18-22 बजे
केतु	सिंह	मेष 19-58 बजे
		वृष 21-43 बजे
		मिथुन 23-44 बजे
		कर्क 01-55 बजे

दिशाशूल- पूर्व - कांच में मुंह देखकर घर से निकलें
तिथि- नवमी 01-31 तक उपरान्त दशमी
मास- आश्विन कृष्ण, सोमवार 15 Septemter
नक्षत्र- मृगशिरा 07-31 तक उपरान्त आर्द्रा
योग- व्यतिपात 02-34 तक वरियान
करण- तैतिल 14-15 तक उप गर
विशेष- नवमी श्राद्ध मातृ नवमी
व्रत त्यौहार- सौभाग्यवतीनां श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-37 से 09-08 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत 06-06 - 07-37 शुभ	चंचल 18-19 - 20-46 शुभ
काल 07-37 - 09-08 अशुभ	रोग 20-13 - 21-14 अशुभ
शुभ 09-08 - 10-40 शुभ	काल 21-36 - 22-43 अशुभ
रोग 10-40 - 12-11 अशुभ	लाभ 22-43 - 00-11 शुभ
उत्पात 12-11 - 13-43 अशुभ	उत्पात 00-11 - 01-40 अशुभ
चंचल 13-43 - 15-14 शुभ	शुभ 01-40 - 03-08 शुभ
लभ 15-14 - 16-46 शुभ	अमृत 03-08 - 04-37 शुभ
अमृत 16-46 - 18-19 शुभ	चंचल 04-37 - 06-06 शुभ

सिर्फ आबादी का बखान: भारत की व्यापार नीति पर अमेरिका ने फोड़ा बम, एतराज के सारे एंगल गिना डाले

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की व्यापार नीति पर अमेरिका ने बम फोड़ा है। उसने अपने एतराज के सारे एंगल गिना डाले हैं। उसे लगता है कि भारत व्यापार में बेईमानी कर रहा है। इसे लेकर अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने भारत की व्यापार नीतियों की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक व्यापार से तो फायदा उठा रहा है। लेकिन, अपने बाजार को खोलने में आनाकानी कर रहा है। लुटनिक ने कहा कि भारत अपनी 1.4 अरब की आबादी का तो बखान करता है। लेकिन, अमेरिका से कृषि उत्पादों को खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाता।

उन्होंने भारत के संरक्षणवादी रवैये पर सवाल उठाए। साथ ही कहा कि इससे अमेरिकी व्यवसायों को परेशानी हो रही है। लुटनिक ने रूस से सस्ते तेल खरीदने पर भी चिंता जताई। यह पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बीच वाशिंगटन के लिए एक मुद्दा बन गया है। हालांकि, अमेरिका

और भारत रक्षा, तकनीक और निवेश में रणनीतिक साझेदार बने हुए हैं। लेकिन, व्यापार से जुड़े ये मुद्दे बने रहेंगे। पिछले हफ्ते भारत में अमेरिकी राजदूत के लिए नामित सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता जल्द हो सकता है।

अमेरिका से मक्का क्यों नहीं खरीदता?

लुटनिक ने कहा कि भारत 1.4 अरब लोगों की आबादी का दावा करता है तो फिर वह अमेरिका से मक्का क्यों नहीं खरीदता? उन्होंने कहा, 'भारत कहता है कि उसके पास 1.4 अरब लोग हैं तो वे हमसे एक बुशल (25.40 किलो) मक्का क्यों नहीं खरीदते? वे हमारा मक्का नहीं खरीदेंगे। वे हर चीज पर टैरिफ लगाते हैं। या तो आप इसे स्वीकार करें या दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता के साथ व्यापार करने में आपको मुश्किल होगी।'

लुटनिक ने इस बात पर जोर दिया कि भारत एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति है। वह खुद को मुक्त बाजार लोकतंत्र बताता है। इसके बावजूद उसका संरक्षणवादी रवैया अमेरिकी व्यवसायों को निराश करता है। उन्होंने कहा, 'यह निष्पक्षता की बात है। अमेरिका भारतीय सामानों को आसानी से खरीदता है। लेकिन, जब हम बेचना चाहते हैं तो दीवारें खड़ी हो जाती हैं।' इसका मतलब है कि अमेरिका भारत से सामान तो खरीदता है। लेकिन, भारत अमेरिका से सामान खरीदने में आनाकानी करता है।

रूस से भारत की तेल खरीद पर चिंता जताई

लुटनिक ने रूस से भारत की ओर से खरीदे जा रहे सस्ते तेल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह वाशिंगटन के लिए चिंता का विषय है। कारण है कि पश्चिमी देश रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। लुटनिक ने माना कि भारत को विकास के लिए सस्ते ऊर्जा की जरूरत है। लेकिन, उन्होंने कहा कि इस तरह की खरीद वैश्विक व्यापार में असंतुलन को दर्शाती है। इन चिंताओं के बावजूद अमेरिका और भारत रक्षा, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सहयोगी बने हुए हैं। लुटनिक ने कहा कि वाशिंगटन शायद नई दिल्ली के साथ अपने संबंधों को कम नहीं करेगा। लेकिन, व्यापार से जुड़े मुद्दे बने रहेंगे। इनमें कृषि उत्पादों पर टैरिफ और रूस से तेल की खरीद शामिल हैं। पिछले हफ्ते भारत में अमेरिकी राजदूत के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उम्मीदवार सर्जियो गोर ने सीनेट की विदेश संबंध समिति को बताया कि वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच व्यापार समझौता 'ज्यादा दूर नहीं है'। उन्होंने कहा कि बातचीत 'बारीकियों' के स्तर पर पहुंच गई है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) — एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यों को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — आपकी महत्वाकांक्षा और रचनात्मकता में वृद्धि होगी, जिससे आप अपने करियर में साहसिक कदम उठाने के लिए उत्सुक होंगे। आप ऊर्जा और पहल से भरपूर हैं, आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। आपकी तीक्ष्ण सोच आपको अवसरों को शीघ्रता से पहचानने में मदद करती है, हालाँकि संघर्ष की किसी भी प्रवृत्ति को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह) — आप कुछ समय से एक बदलाव पर विचार कर रहे है। आज आप एक ऐसे अवसर को देखेंगे जो आपको आकर्षित करेगा । सक्रिय रहे और निर्णय ले । आपको एक साक्षात्कार कॉल भी मिल सकती है। आपके आत्मविश्वास और विषय ज्ञान के साथ, एक साक्षात्कार को उतीर्ण करना आपके लिए कभी समस्या नहीं रही है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) — कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है , साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे ।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) — शांत, केंद्रित मानसिकता आपको कार्यों को मजबूती और निरंतरता के साथ करने में मदद करती है। आपको कुछ क्षणों के लिए हिचकिचाहट या संयम का अनुभव हो सकता है, लेकिन निरंतर प्रयास सफलता सुनिश्चित करता है। पढ़ाई में किसी भी देरी के साथ धैर्य रखें। व्यावहारिक बुद्धि आपके विकास में सहायक होती है।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) — आपका स्वाभाविक करिश्मा निखरता है, जिससे आपके आस-पास के लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना आसान हो जाता है। आप साहसिक विचारों और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ पहल करेंगे और उत्साह के साथ परियोजनाओं को आगे बढ़ाएँगे। भावनात्मक बुद्धिमत्ता अब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) — आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) — आप अपने परिवार के हित और अपने व्यावसायिक हित के बीच अपने आप को फंसा हुआ पाएंगे । अपने परिवार के कल्याण को चुने और थोड़ी देर के लिए अन्य बातों को बस्ते में डाल दे । आपका वित्तीय भाग्य बहुत मजबूत है। आप आज बोली भी लगा सकते हैं और उसमे जीतने की संभावना काफी प्रबल है।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) — आपकी रचनात्मकता और अनुशासन एक साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे आपको केंद्रित और उत्पादक बने रहने में मदद मिलती है। आप भावनात्मक रूप से असंगत महसूस कर सकते हैं, जो दूसरों के साथ आपके व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। सत्ता संघर्ष से बचें या टीम वर्क में अभिमान को हस्तक्षेप करने न दें।

मकर (भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी) — आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) — आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) — आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा आप इन घटनाओ की वहज से ऐसी नौकरी छोड़ सकते है जिससे आप काफी संतुष्ठ है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दुनिया की 18% आबादी और 7% बिजली खपत! भारत का क्यों है ऐसा बुरा हाल?

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। माना जा रहा है कि जल्दी ही हम जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बन जाएंगे। लेकिन बिजली खपत के मामले में हम अभी कई देशों से पीछे हैं। दुनिया की कुल आबादी में भारत की हिस्सेदारी 17.7 फीसदी है लेकिन हमारी बिजली खपत कुल ग्लोबल डिमांड का 7 फीसदी है। हमारी प्रति व्यक्ति बिजली की डिमांड महज 1,397 किलोवॉट है जो कनाडा के मुकाबले 10 फीसदी भी नहीं है। कनाडा में बिजली की डिमांड दुनिया में सबसे ज्यादा 15,708 किलोवॉट प्रति व्यक्ति है। कनाडा में बिजली की मांग इसलिए ज्यादा है क्योंकि यह एक ठंडा देश है। घर, दफ्तर और दूसरी इमारतों को गर्म रखने के लिए काफी बिजली की जरूरत पड़ती है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में बिजली की डिमांड 12,741 किलोवॉट प्रति व्यक्ति है। इस लिस्ट में अगला नंबर दक्षिण कोरिया का है। इस देश में बिजली की प्रति व्यक्ति मांग

12,092 किलोवॉट है। ऑस्ट्रेलिया में यह 10,543 किलोवॉट और रूस में 8,237 किलोवॉट है। जापान में हर व्यक्ति सालाना 8,213 किलोवॉट बिजली की खपत करता है।

10 साल में बिजली डिमांड

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश चीन में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत 7,097 किलोवॉट है। फ्रांस में यह 7,028 किलोवॉट, जर्मनी में 5,984 किलोवाट, स्पेन में 5,639 किलोवाट, इटली में 5,316 किलोवाट, यूके में 4,590 किलोवाट, ब्राजील में 3,589 किलोवाट और मेक्सिको में 2,736 किलोवाट है। भारत में यह आंकड़ा 1,397 किलोवाट है। हालांकि पिछले 10 साल में इसमें 45.8% की तेजी आई है। 2013-14 में यह 957 किलोवाट था।

18-19 सितंबर को बाजार में बड़े मोमेंटम की उम्मीद

मुंबई, 14 सितंबर (एजेंसियां)। आज से शुरू होने वाले हफ्ते में शेयर बाजार के लिए 18 और 19 सितंबर की तारीख अहम है। वेल्थव्यू एनालिटिक्स के डायरेक्टर हर्षुभ शाह के मुताबिक इस दिन बाजार में बड़ा मोमेंटम दिख सकता है। इसके अलावा यूएस फेड की मीटिंग, ग्लोबल मार्केट के संकेत, थोक महंगाई के आंकड़ों से लेकर विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री और टेक्निकल फैक्टर्स बाजार की चाल तय करेंगे।

ट्रेडिंग टिप्स: क्या करें ट्रेडर्स?

18-19 सितंबर पर नजर: इस तारीखों पर बाजार में बड़े मूवमेंट की संभावना है। ट्रेडर्स को इन तारीखों पर खास ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इनमें मार्केट में उछाल या गिरावट आ सकती है। सपोर्ट-रेजिस्टेंस का ध्यान: निफ्टी के बताए गए लेवल्स पर नजर रखें। अगर निफ्टी सपोर्ट लेवल के नीचे जाता है, तो शॉर्ट ट्रेड्स पर विचार कर सकते हैं। वहीं, रेजिस्टेंस लेवल पार करने पर लॉन्ग पोजीशन लेने का मौका हो सकता है।टाइम क्लस्टर का इस्तेमाल: डे ट्रेडर्स इन टाइम क्लस्टर का इस्तेमाल करके बाजार के मूवमेंट को पकड़ सकते हैं। ये समय बाजार में तेजी या गिरावट की शुरुआत का संकेत दे सकते हैं। सावधानी जरूरी: बाजार में कभी भी उतार-चढ़ाव तेज हो सकता है, इसलिए रिस्क मैनेजमेंट और स्टॉप-लॉस का इस्तेमाल जरूर करें। पिछली रिपोर्ट में 10 सितंबर को हाई-मोमेंटम डेट के रूप में हाइलाइट किया गया था। ऐसा ही हुआ और 10 सितंबर को बड़े गैप-अप ओपनिंग के साथ निफ्टी में लगातार रैली शुरू हुई, जो पूरे हफ्ते चली।

5 फैक्टर्स जो बाजार की दिशा तय कर सकते हैं...

1. थोक महंगाई के आंकड़े: 15 सितंबर को अगस्त महीने की थोक महंगाई दर के आंकड़े जारी होंगे। जुलाई में थोक महंगाई घटकर -0.58% पर आ गई थी। ये 2 साल का निचला स्तर है। इससे पहले रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे जिसमें अगस्त की महंगाई 1.61% से बढ़कर 2.07% हो गई थी।
2. फेड मीटिंग: यूएस फेडरल रिजर्व की दो दिन की मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग इस हफ्ते शुरू हो रही है और रिजल्ट 17 सितंबर को आएगा। ब्याज दर में 0.25% की कटौती की उम्मीदें हैं।
3. यूएस मार्केट्स: अमेरिकी बाजार की चाल अन्य बाजारों को प्रभावित करती है। भारतीय बाजारों पर भी इसका कुछ असर दिख सकता है। टेक्निकल फैक्टर: रेलिगेयर ब्रोकिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट - रिसर्च अजित मिश्रा के मुताबिक ₹निफ्टी अब अपने पिछले स्विंग हाई 25,150 के करीब पहुंच रहा है, जिससे इंडेक्स के 25,250-25,500 जोन की ओर बढ़ने से पहले कुछ कंसोलिडेट हो सकता है।

मिश्रा ने कहा- बैंकिंग इंडेक्स में 54,900 के ऊपर डिसाइसिव ब्रेकआउट नई तेजी के लिए बड़ा कैटेलिस्ट हो सकता है।। उनकी ट्रेडर्स को सलाह है कि मेटल्स, ऑटो और फार्मा में लगातार मजबूती पर फोकस करें, जबकि डिफेंस और रेलवेज जैसे अन्य सेक्टर्स और थीम्स में सिलेक्टिव रहें।

सेंसेक्स 355 अंक चढ़कर 81,904 पर बंद हुआ था

शेयर बाजार में शुक्रवार,12 सितंबर को तेजी रही। सेंसेक्स 355 अंक चढ़कर 81,904 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी करीब 108 अंक की तेजी रही। ये 25,114 के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट रही। फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, फार्मा, ऑटो और आईटी शेयर में ज्यादा तेजी देखने को मिली। वहीं आज 3 मेनबोर्ड सेगमेंट आईपीओ अर्बन कंपनी, डेव एक्सीलरेटर और श्रृंगार हाउस में अप्लाई करने करने का आखिरी दिन रहा।

भारत की जीडीपी ग्रोथ पर रघुराम राजन का हथौड़ा, नंबरों की चमक पर सवाल उठा दी चेतावनी

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के बंपर जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों पर आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने सवाल उठा दिए हैं। दिग्गज अर्थशास्त्री ने कहा है कि भारत की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों पर बारीकी से ध्यान देने की जरूरत है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही यह ग्रोथ 7.8% रही है। पिछली पांच तिमाहियों में यह सबसे ज्यादा है। स्पार्क एक्स के मुकेश बंसल के साथ बातचीत में राजन ने दो मुख्य चिंताएं बताईं। इनमें निजी निवेश में सुस्ती और कमजोर रोजगार सृजन शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जीडीपी के कैलकुलेशन के तरीके में कुछ कमियां हो सकती हैं जिससे विकास दर ज्यादा दिख रही हो। राजन ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को सीमित बताया। लेकिन, कुछ क्षेत्रों पर इसका असर पड़ने की चेतावनी दी। राजन ने कहा, 'जब भी कोई बड़ा नंबर आता है तो आप खुश होना चाहते हैं। खुश होना भी चाहिए। लेकिन, फिर आप उसे समझना चाहते हैं। यह इतना ज्यादा क्यों है?' उनका कहना है कि हमें यह देखना होगा कि यह ग्रोथ कैसे हुई है।

जीडीपी की चमक के पीछे बताई यह वजह

रघुराम राजन ने समझाया कि मजबूत रियल जीडीपी का आंकड़ा आंशिक रूप से असामान्य रूप से कम महंगाई का सांख्यिकीय असर है। राजन ने कहा कि जीडपी का कैलकुलेशन करते समय हम देखते हैं कि रुपये में नॉमिनल जीडीपी की बढ़ोतरी कितनी है। फिर हम इसे महंगाई से भाग देते हैं ताकि रियल जीडीपी ग्रोथ मिल सके।

इस बार नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ धीमी रही है। यह लगभग 8.8% है। लेकिन, महंगाई बहुत कम रही। इसके कारण रियल जीडीपी ग्रोथ ज्यादा दिख रही है। राजन ने कहा कि भारत के महंगाई के आंकड़े शायद पूरी तरह से सही नहीं हों। उन्होंने कहा, 'क्या हम अपनी महंगाई का कैलकुलेशन ठीक से कर रहे हैं? अर्थशास्त्रियों से बात करने पर पता चलता है कि महंगाई का कैलकुलेशन करने के तरीके में कुछ समस्याएं हैं। यह उस महंगाई को सही तरीके से नहीं दिखाता है जिसका हमें इस्तेमाल करना चाहिए। कभी-कभी इससे हमें मदद मिलती है, कभी-कभी नुकसान होता है। अभी हम एक ऐसे दौर में हैं जहां इससे हमें मदद मिल रही है। इसलिए हम थोड़े मजबूत दिख रहे हैं।' उनका मानना है कि महंगाई के आंकड़ों में सुधार की गुंजाइश है।

प्राइवेट सेक्टर के सुस्त निवेश पर जताई चिंता

आंकड़ों के अलावा, राजन ने कुछ गहरी चिंताओं की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर निवेश सरकार की ओर से आ रहा है, चाहे वह केंद्र सरकार हो या राज्य सरकारें। लेकिन, निजी क्षेत्र उतना निवेश नहीं कर रहा है। यह पिछले 10-12 सालों से चिंता का विषय रहा है।

डोटासरा के बयान पर भड़के केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, किया तीखा पलटवार

जोधपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के बयान से राजस्थान में सियासत गरमाई हुई है। डोटासरा ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को लेकर विवादित बयान दिया। जिसके बाद भाजपा नेता लगातार हमला बोल रहे है। इसी बीच अब केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने डोटासरा पर तीखा पलटवार किया है।

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जिन लोगों को जनता ने लोकतंत्र के रण में नकार दिया है, वो अपनी खीज मिटाने के लिए गलत बयानबाजी करके देश में अराजकता का

माहौल पैदा कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा विधानसभा में सीसीटीवी लगाने और गोपनीयता भंग करने के आरोप के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिसकी जैसी सोच होती है, उसे वैसा ही दिखाई देता है।

डोटासरा ने दिया था ये बयान

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पर निशाना साधतु हुए कहा था कि कैमरों के जरिए वे देखते हैं कि हमारी महिला विधायक किस दिशा में बैठी है, कैसी अवस्था में बैठी हैं, क्या बातें कर रही हैं? हम दो तीन लोगों पर तो नजर रखते ही हैं, लेकिन महिलाओं पर ज्यादा फोकस है।

डोटासरा ने कहा था कि स्पीकर जैसे संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति हमारे प्रतिपक्ष की बहनों पर कैमरा लगाकर उसका एक्सेस अपने पास रखते है। हमारी महिला विधायक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी और बताएंगी कि विधानसभा स्पीकर हमारी जासूसी क्यों कर रहे हैं।

सांसद मन्नालाल रावत के आरोपों पर प्रतिक्रिया देने से राजकुमार रोत का इनकार

डूंगरपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय आदिवासी पार्टी के बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत की ओर से लगाए गए आरोपों के संबंध में प्रतिक्रिया देने से इंकार करते हुए कहा कि उदयपुर सांसद को उनकी पार्टी ने आदिवासी अंचल में जनजाति समाज को आपस में लड़ाने के लिए खुला छोड़ रखा है। उनके बयानों पर किसी को ध्यान देने की जरूरत नहीं है। हमने कब क्या किया और क्या करना चाहिए था। यह जनता के सामने है। आदिवासियों के हितों के लिए कौन लड़ रहा है वह जनता स्वयं निर्णय कर लेगी। सांसद मन्नालाल रावत

जब भी डूंगरपुर-बांसवाड़ा के दौरे पर आते हैं, तो वह सिर्फ लड़ाने का ही काम करते हैं। जबकि, उनको विकास पर ध्यान देना चाहिए।

इसाई मिशनरियों के टारगेट पर है जनजाति समाज

सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि जनजाति समाज इसाई मिशनरियों के टारगेट पर रहा है। वह उन्हें लोभ-लालच में लेकर जनजाति संस्कृति को खत्म कर रहे हैं। इससे न केवल जनजाति समाज की आबादी कम हो रही है। अपितु, हमारी पूरी सभ्यता का ह्रास हो रहा है। इसका सबसे बड़ा नुकसान जनजाति समाज को ही हो रहा है। सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि एसटी को मिलने वाले आरक्षण में से 72 फीसदी छात्रवृतियां, 70 फीसदी विकास अनुदान, 68 फीसदी धर्मांतरित लोग ही फायदा उठा रहे हैं। धर्मांतरण के विरोध में देश के 22 राज्यों में समाज आंदोलन कर रहा है। सभी चाहते हैं कि धर्मांतरण करने वाले लोगों को एसटी-एससी का लाभ नहीं मिलना चाहिए।

नाथद्वारा विधायक का बड़ा बयान : शिक्षकों को 'कागज़ी बोझ' से मुक्त कराओ, तभी शिक्षा सुधरेगी"

राजसमंद, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के चतुर्थ सत्र में नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ ने शिक्षा जगत की वेदना को पूरे दमखम के साथ सदन में उठाया। उनका कहना था कि प्रदेश का शिक्षक आज सबसे बड़ी विडंबना झेल रहा है कि उसे पढ़ाने से ज़्यादा गैर-शैक्षणिक कामों में उलझा दिया गया है। विधायक ने कटाक्ष भरे अंदाज़ में कहा कि दुनिया के हर देश में शिक्षक सिर्फ शिक्षा देता है, लेकिन हमारे यहाँ शिक्षक को चुनाव की ड्यूटी से लेकर जनगणना और प्रशासनिक कागज़ी कार्यों तक हर काम सौंप दिया जाता है। नतीजा यह है कि बच्चों को पढ़ाने वाला खुद निराश हो जाता है और शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है।

17 तरह के गैर-शैक्षणिक कामों में उलझे शिक्षक

उन्होंने खुलासा किया कि वर्तमान व्यवस्था में अध्यापकों से लगभग 17 तरह के प्रशासनिक और गैर-शैक्षणिक कार्य करवाए जा रहे हैं। इससे शिक्षक का मूल कर्तव्य 'पढ़ाना' सबसे पीछे छूट जाता है।

परीक्षा देने लेट पहुंची शिक्षामंत्री की भतीजी, अधिकारियों से लगाती रही गुहार, फूफा मदन दिलावर को कॉल किया तो मिला ये जवाब

खाली पदों की मार

मेवाड़ ने सदन को आगाह किया कि बिना ठोस योजना के शिक्षा संस्थाओं का क्रमोन्नयन और विस्तार करना घाटे का सौदा साबित हो रहा है। प्रदेशभर के विद्यालयों में शिक्षकों के हजारों पद खाली हैं। नाथद्वारा क्षेत्र में तो हालात और भी गंभीर हैं। करीब 25% पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अभी भी सपना

विधायक ने तल्ख लहजे में कहा कि दशकों से योजनाएँ बनती रहीं, घोषणाएं होती रहीं, लेकिन गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा का सपना अब तक अधूरा है। जब तक शिक्षक को केवल पढ़ाने का अवसर नहीं दिया जाएगा, सरकारी स्कूलों में किसी ठोस सुधार की उम्मीद करना बेमानी है।

ठोस मांगें भी रखीं

मेवाड़ ने मांग की कि—

शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से पूरी तरह मुक्त किया जाए।

नए विद्यालय और क्रमोन्नयन केवल दीर्घकालिक एवं सुनियोजित योजना के तहत किए जाएँ।

रिक्त पदों की जल्द से जल्द भर्ती कर शिक्षा का स्तर उठाया जाए।

नाथद्वारा विधायक का यह बयान सदन में गूंजा और शिक्षकों की दशा-दुर्दशा को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला खड़ा किया। उनका स्पष्ट संदेश था कि शिक्षक को शिक्षक ही रहने दो, तभी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

महिला को पानी में खींच ले गया मगरमच्छ

तालाब किनारे कपड़े धो रही थी; बेटी को बचाने की कोशिश में गई जान

उदयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। उदयपुर में तालाब किनारे कपड़े धो रही महिला को मगरमच्छ पानी में खींचकर ले गया। महिला की बेटी पर मगरमच्छ ने अटैक किया था। बेटी को बचाने की कोशिश करते समय मगरमच्छ ने उसे पकड़ लिया और खींचते हुए तालाब में ले गया।

इस दौरान बेटी जोर-जोर से चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर गांव के कुछ लोग मौके पर पहुंचे तो घटना का पता चला। सूचना पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। मगरमच्छ महिला के शरीर का कुछ हिस्सा खा गया। घटना हिरण मगरी थाना क्षेत्र की है।

थानाधिकारी भरत योगी ने बताया- झामर कोटड़ा ग्राम पंचायत के पारोला गांव निवासी प्यारी बाई (34) सुबह अपनी 12 साल की बेटी को साथ साथ लेकर जंगल में बकरी चराने गई थी। दोपहर करीब 3 बजे महिला तालाब किनारे हाथ-पैर और कपड़े धोने के लिए गई थी।

कपड़े धोने के दौरान अचानक तालाब से मगरमच्छ बाहर आया और उस पर अटैक कर दिया था। महिला ने बेटी को बचाने के लिए उसे दूर कर दिया। इसी दौरान मगरमच्छ ने उसको पीछे से पकड़ लिया और जबड़े से खींचते हुए तालाब में ले गया।

बेटी के शोर मचाने पर पर गांव के कुछ लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे तो घटना के बारे में पता चला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद महिला का क्षत-विक्षत शव मिला। मगरमच्छ उसके शरीर का कुछ हिस्सा खा गया।

जानकारी अनुसार, तालाब के आसपास का एरिया बागदड़ नेचर पार्क में आता है। संभावना है कि नेचर पार्क से यह मगरमच्छ आया। घटना के बाद तालाब के आसपास बड़ी संख्या में ग्रामीणों को जमावड़ा लग गया। साथ ही इस घटना से दहशत का माहौल भी बन गया है।

सेहत पर भारी पड़ा सरकारी निवाला, टीचर निलंबित; 8 खाद्य सामग्री के लिए सैंपल

दौसा, 14 सितंबर (एजेंसियां)। दौसा के नांगल राजावतान क्षेत्र की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चूड़ियावास में पोषाहार सेवन के बाद करीब 100 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। पेट दर्द व उल्टी की शिकायत होने पर बच्चों को नांगल राजावतान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। जहां से 24 बच्चों को जिला अस्पताल रैफर किया। उपचार के बाद शाम तक सभी बच्चों की हालत में सुधार नजर आया।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना व जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने अस्पताल पहुंचकर बच्चों की कुशलक्षेम पूछी। वहीं घटना के बाद स्कूल में पोषाहार प्रभारी शिक्षक रामजीलाल मौर्य को निलंबित कर दिया गया। बच्चों की तबीयत बिगड़ने के बाद मेडिकल टीम ने स्कूल पहुंचकर पोषाहार के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए हैं। सीएमएचओ डॉ. सीताराम मीणा ने बताया कि फूड पॉइजनिंग के कारणों का पता लगाने के लिए सैंपल जांच के लिए भिजवाए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

पोषाहार में बच्चों ने खाई थी रोटी व आलू की सब्जी

चूड़ियावास विद्यालय में सुबह प्रार्थना के बाद बच्चों को दूध पिलाया गया। मध्यांतर में 156 बच्चों ने पोषाहार में रोटी व आलू की सब्जी खाई। इसके कुछ देर बाद बच्चों को पेट दर्द व उल्टी की शिकायत होने लगी। अध्यापकों ने बच्चों को नीबू पानी पिलाया। फिर भी राहत नहीं मिली तो वाहनों से करीब 100 बच्चों को राजकीय अस्पताल नांगल राजावतान लाया गया।

बड़ी संख्या में बीमार बच्चे आने से प्रशासन में हड़कंप

एक साथ बड़ी संख्या में बीमार बच्चे आने से प्रशासन में हड़कंप मच गया। किसी को पलंगों पर भर्ती किया तो किसी को जमीन पर दरी बिछाकर चिकित्साकर्मियों ने उपचार शुरू किया। एडीएम रामस्वरूप चौहान, एसडीओ यशवंत मीना, पुलिस सीओ चारूल गुप्ता, सीबीईओ सत्यनारायण मीना, कार्यवाहक तहसीलदार अजय मधुकर आदि अधिकारी अस्पताल पहुंचे। मौके पर जमा भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया तो पुलिस ने काबू किया।

स्कूल में पहुंची जांच कमेटी

जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार की निर्देश पर एसडीओ यशंवत मीना, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक अशोक शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रकाश सैनी स्कूल में पोषाहार की जांच करने पहुंचे। आलू की सब्जी दूषित थी या खाने में कुछ विषाक्त पदार्थ गिर गया, इसे लेकर जांच की जा रही है। दल ने तीन मसाले, सब्जी, आटा, ऑयल, मिल्क पाउडर सहित कुल आठ खाद्य सामग्री के नमूने लिए।

लेक्चरर नीतू गुर्जर हत्याकांड का मुख्य आरोपी 7 साल बाद गिरफ्तार

फर्जी पहचान से बार-बार बदल रहा था ठिकाना

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने आंध्र प्रदेश में 2018 में हुई लेक्चरर नीतू गुर्जर की हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। करौली के पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने बताया कि जगदीशपुरा निवासी आरोपी संतोष गुर्जर (32) पर 50,000 रुपये का इनाम था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए संतोष बार-बार अपना ठिकाना बदलता रहता था और फर्जी पहचान के आधार पर तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मजदूरी करता था। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, एक विशेष टीम ने उसे आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के पास थुलुरु गांव में ट्रैक किया।

सोनवाल ने कहा, जैसे ही पुलिस टीम गांव पहुंची, संतोष जंगल की ओर भागने लगा। लगभग एक किलोमीटर तक उसका पीछा किया गया और फिर उसे पकड़ लिया गया। उन्होंने आगे बताया कि आरोपी को आगे की जांच के लिए टोडाभीम पुलिस को सौंप दिया जाएगा। 14 नवंबर, 2018 को नीतू गुर्जर और उसका भाई लोकेश मोटरसाइकिल पर जा रहे थे, तभी एक एसयूवी ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में नीतू की मौत हो गई। पुलिस जांच में बाद में पता चला कि यह घटना कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी।

सवाईमाधोपुर जिले में इस बार कहर बनकर टूटी बारिश, अब तक 22 की मौत; मुआवजे का इंतजार

सवाई माधोपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। सवाईमाधोपुर जिले में इस बार मानसूनी बारिश कहर बनकर टूटी। बारिश के कारण बने हालातों के चलते जिले में अब तक 22 जनों की मौत हो चुकी है। हादसों में 19 जने नदी में डूब गए थे। वहीं तीन जनों की मौत आकाशीय बिजली गिरने के कारण हुई है। उधर, 22 मौतों के बाद परिजनों ने मुआवजे के लिए राज्य सरकार से गुहार भी लगाई है, लेकिन परिजनों को अब तक मुआवजे की राशि का इंतजार है।

जिले में जुलाई माह में 11 जनों की मौत हुई है। इनमें दो व पांच जुलाई को आकाशीय बिजली गिरने, पांच जुलाई को नहर में पानी के कारण बहने से, नौ जुलाई को पैर फिसल कर पानी में डूबने से, 12 जुलाई को गलवा नदी की रपट में बहने से, 19 जुलाई को लटिया नाले में डूबने से, 20 जुलाई को भैंस को पानी से निकालने के दौरान पैर फिसल कर पानी में डूबने से, 21 जुलाई को खेलते समय घर के पास बने गड्ढे में गिरकर डूबने से, 24 जुलाई को रणथम्भौर में केडिया तालाब में डूबने से, 26 व 31 जुलाई को बनास नदी में डूबने से, 7 अगस्त को गलवा नदी में डूबने से मौत हुई। इसके अलावा 13 अगस्त को दो जनों की मोरेल नदी में डूबने से, 22 अगस्त को कुशालीपुरा में कार डूबने से, 23 अगस्त को सूरवाल बांध में नाव पलटने से, 25 अगस्त को नदी में डूबने से, 30 अगस्त को आकाशीय बिजली गिरने से 3 व 4 व 5 सितम्बर को पानी में डूबने से मौत हुई है।

फैक्ट फाइल : -मानसून सत्र में कुल मृतकों की संख्या-22। -27 गांव सवाईमाधोपुर नगरपरिषद क्षेत्र के मोरेल बांध से प्रभावित। -4 टीमें जिला मुख्यालय पर तैनात, इनमें एसडीआरएफ की दो एवं एनडीआरएफ की दो टीमें। -33 स्वयंसेवक नागरिक सुरक्षा के लिए पारी वाइज बाढ़ नियंत्रण कक्ष में तैनात। -जिले में पानी निकासी के लिए आठ मड पंप एवं पांच मड पंप नगर निकायों के पास उपलब्ध। - बारिश से जिले में सवाईमाधोपुर, मलारना डूंगर, बौंली, चौथकाबरवाड़ा, खंडार, बामनवास क्षेत्र प्रभावित है।

भगवा-रैली, गाय को राज्य-माता बनाने की मांग

दिल्ली रोड पर ट्रैफिक को डायवर्ट किया

जाम में फंसी एम्बुलेंस को रास्ता दिया

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर में गाय को राज्य माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर भगवा वाहन रैली निकाली गई। जलमहल से साधु-संतों ने भगवा ध्वज दिखाकर रैली को रवाना किया, जिसके बाद भगवा झंडों से सजे वाहनों का काफिला शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरा। यह रैली आदर्श नगर स्थित दशहरा मैदान पर समाप्त हुई। इसका आयोजन युवा शक्ति मंच राजस्थान ने किया है। रैली में सबसे आगे राम रथ है, जिसके पीछे गौ माता की मनमोहक झांकी सजाई गई थी। रैली के कारण दिल्ली रोड पर यातायात को पूरी तरह से डायवर्ट कर दिया गया था। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे रास्ते पर कड़े इंतजाम किए गए हैं। रैली के मार्ग में आने वाली गलियों को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया गया है, और जगह-जगह दंगा नियंत्रण वाहन तैनात किए गए हैं। पुलिस के उच्च अधिकारी लगातार पूरी रैली की निगरानी कर रहे हैं।

नदी में नहाते समय बहा युवक

सवाई माधोपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। चौथ का बरवाड़ा उपखंड क्षेत्र में बहने वाली बनास नदी में देवली रपट पर एक युवक नहाने के दौरान बह गया। स्थानीय गोताखोरों की टीम युवक की लगातार तलाश कर रही है। वहीं सूचना मिलने के साथ ही प्रशासन की ओर से सवाईमाधोपुर से सिविल डिफेंस की टीम को बुलवाया गया। मौके पर पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद है। साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा है। शिवाड़ चौकी प्रभारी धर्मेंद्र यादव ने बताया कि मुकेश (35) पुत्र हरिनारायण केवट निवासी समुद्रपुरा तहसील चौथ का बरवाड़ा देवली रपट के पास नहा रहा था। इसी दौरान पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया। इन दिनों बीसलपुर बांध से बड़ी मात्रा में पानी निकाले जाने के कारण पानी का वेग काफी ज्यादा है। आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना प्रशासन को देने के साथ ही स्थानीय गोताखोर को दी। जिसके बाद युवकों की टीम ने पहुंच कर बनास नदी में युवक की तलाश की।

इधर, परिवार के लोगों एवं गांव के लोगों को सूचना मिलने के साथ ही ग्रामीणों का जमावड़ा हो गया। युवक की तलाश को लेकर प्रशासन की ओर से सिविल डिफेंस को बुलाया गया है, लेकिन डिडायच बनारस रपट पर पानी आने तथा रपट टूटी होने के कारण सिविल डिफेंस की टीम बौंली होकर लंबा चक्कर लगाकर पहुंची। सिविल डिफेंस की टीम की ओर से युवक की तलाश की जा रही है। समुद्रपुरा गांव के राजू ने बताया कि मुकेश परिवार में अकेला ही कमाने वाला है। वह पेट्रोल पंप पर तेल भरने का कार्य कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। मुकेश के पांच बच्चियां हैं। मुकेश के बड़े भाई की भी बीमारी के चलते मौत हो चुकी है। बड़े भाई के दो पुत्र एवं 3 बच्चियों का पालन पोषण भी मुकेश ही करता था। मुकेश के बनास नदी में बहने की सूचना जैसे ही परिजनों को लगी तो वह मौके पर पहुंचे। पत्नी एवं बच्चियां बहने की सुनकर बेसुध हो गईं। ग्रामीणों की ओर से उनको संभाला गया। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति पहले ही कमजोर है।

अजमेर में सेवन वंडर्स ढहाने की कार्रवाई तीसरे दिन भी जारी

ताजमहल पर चला हथौड़ा

अजमेर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए सेवन वंडर्स को तोड़ने की कार्रवाई रविवार को तीसरे दिन भी जारी रही। ताजमहल की संरचना ध्वस्त करने का काम शुरू किया गया, जबकि पेरिस का एफिल टावर लोहे से बना होने के कारण अपेक्षा से अधिक समय ले रहा है। प्रशासन ने इसे छह हिस्सों में काटकर हटाने की योजना बनाई है, जिनमें से चार हिस्से हटा दिए गए हैं। अब केवल शेष दो हिस्सों पर काम जारी है।

इससे पहले पहले दिन रोम का कोलोसियम, दूसरे दिन मिस्र के पिरामिड, अमेरिका का स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी और ब्राजील का क्राइस्ट द रिडीमर हटाए गए थे। तीसरे दिन ताजमहल को गिराया गया और एफिल टावर पर कार्रवाई तेज की गई। अब केवल पीसा की झुकी हुई मीनार को गिराना शेष है। गौरतलब है कि इन सातों अजूबों का निर्माण वर्ष 2022 में लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था और तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसका उद्घाटन किया था। ये संरचनाएं अजमेर के आनंद सागर वेटलैंड क्षेत्र में बनी थीं। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें वेटलैंड क्षेत्र में अवैध निर्माण मानते हुए हटाने के आदेश दिए, जिसके बाद अजमेर विकास प्राधिकरण (एडीए) ने कार्रवाई शुरू की।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र था, लेकिन अदालत के आदेश पर प्रशासन को इसे हटाना पड़ा। वहीं, कई लोग इसे सार्वजनिक धन की बर्बादी मान रहे हैं। एडीए ने बताया कि कार्रवाई पूरी होने तक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी और जल्द ही पीसा की मीनार भी ध्वस्त कर दी जाएगी।

कार और थार की टक्कर में बाइक सवार भी चपेट में आया

दो युवकों की मौत, दो घायल

अलवर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर जिले के अरावली विहार थाना क्षेत्र के भूरा सिद्ध रोड पर बड़ा हादसा हो गया। एक कार और थार गाड़ी की आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद थार पलट गई और पास से गुजर रहे बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया।

दुर्घटना में थार चालक और बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों मृतकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

सूचना मिलने पर अरावली विहार थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों व मृतकों को अस्पताल पहुंचाया।

डॉक्टरों ने जतिन और मोनू नामक दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल दो युवकों को राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही मृतक और घायलों के परिजन अस्पताल पहुंच गए। इस दौरान अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई।

पुलिस के अनुसार, थार गाड़ी भूरा सिद्ध हनुमान मंदिर में दर्शन करने के बाद लौट रही थी, जबकि कार मंदिर की ओर जा रही थी। टक्कर के दौरान थार पलटने से बाइक सवार भी उसके नीचे दब गया। दोनों मृतकों के शवों का रविवार सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा।

रिंग रोड से गिरी कार, 7 की मौत

अस्थि विसर्जन कर हरिद्वार से लौट रहे थे

16 फीट नीचे पानी में गिरी गाड़ी

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक कार बेकाबू होकर रिंग रोड से नीचे गिर गई। हादसे में कार सवार दो परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। हादसा शिवदासपुरा थाना इलाके में प्रहलादपुरा के पास शनिवार देर रात हुआ। रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे अंडरपास में भरे पानी में क्षतिग्रस्त कार उलटी पड़ी दिखाई दी। लोगों ने कार देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला तो चौंक गई। कार में 7 लोगों के शव थे। कार में फंसे शवों को निकालकर महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भिजवाया।

हरिद्वार में अस्थि विसर्जन कर लौट रहे थे

एसएचओ सुरेंद्र सैनी ने बताया- वाटिका सांगानेर निवासी रामराज वैष्णव (38), पत्नी मधु (36) और बेटे रुद्र (14 महीने) और फुलियाकलां (भीलवाड़ा) निवासी उनके रिश्तेदार अशोक वैष्णव उर्फ कालूराम (47), उनकी पत्नी सीमा देवी (45), बेटे रोहित (23) और पोते गजराज (3) की मौत हो गई।

रामराज टैक्सी चलाते थे। उनके चार बेटी और हैं। कालूराम के पिता का निधन हो गया था। शुक्रवार को तीये की बैठक के बाद दोनों परिवार के सात लोग अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार गए थे। वे अस्थि विसर्जन कर देर रात कार से जयपुर लौट रहे थे।

शिवदासपुरा इलाके में प्रहलादपुरा के पास रिंग रोड पर ओवर स्पीड कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई। इसके बाद रिंग रोड से 16 फीट नीचे अंडरपास में भरे पानी में गिर गई।

पुलिस ने बताया कि रिंग रोड पर डिवाइडर के बीच करीब 20 फीट खाली जगह है। इसके बीच में से कार नीचे पानी में गिरी थी।

तेलंगाना अपने हिस्से के कृष्णा नदी के जल का एक-एक बूंद लेगा : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर में बैठक की

हैदराबाद, 14 सितबंर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सीएम ए. रेवंत रेड्डी ने कानूनी विशेषज्ञों और सिंचाई अभियांत्रिकी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क किया है कि तेलंगाना को कृष्णा नदी के जल का उचित हिस्सा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के हिस्से के जल में से एक भी बूँद पानी बर्बाद नहीं होगा, चाहे वह शुद्ध जल हो, अधिशेष जल हो या बाढ़ का पानी।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना को कृष्णा नदी के 904 टीएमसी जल का अपना हिस्सा पाने पर ज़ोर देना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इसके लिए सभी आवश्यक साक्ष्य तुरंत तैयार करें और कानूनी विशेषज्ञों को उपलब्ध कराएँ। तेलंगाना इस महीने की 23, 24 और 25 तारीख को दिल्ली में कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण की सुनवाई में अपनी अंतिम दलीलें पेश करेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा मज़बूत दलीलें पेश करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी स्वयं दिल्ली जाकर इस सुनवाई में भाग लेंगे। इस अवसर पर सीएम रेवंत रेड्डी ने शनिवार को इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर में न्यायाधिकरण के समक्ष तेलंगाना सरकार द्वारा अपनाए जाने वाले रुख पर एक समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री के साथ सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सी.एस. वैद्यनाथन, केंद्रीय जल आयोग के पूर्व अध्यक्ष के. वोहरा, सिंचाई सलाहकार आदित्यनाथ दास, सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव राहुल बोज्जा, विशेष सचिव प्रशांत पाटिल, ई.एन.सी. अंजाद हुसैन, सीएमओ सचिव माणिक राज और सिंचाई विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

मरकजी मिलाद जुलूस निकाला गया

हजारों लोगों की भागीदारी, शहरभर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रविवार को पुराने शहर में पारंपरिक 'मरकज़ी मिलाद जुलूस' निकाला गया, जिसमें हज़ारों लोग शामिल हुए। गणेश विसर्जन उत्सव के कारण यह जुलूस 5 सितंबर से स्थगित होकर रविवार को आयोजित किया गया। चारमीनार से शुरू होकर गुलजार हौज, पथरगट्टी, मदीना बिल्डिंग, नयापुल, दारुलशिफा, मंडी मीर आलम और अलीजा कोटला होते हुए यह मोगलपुरा में समाप्त हुआ। शहर के अन्य इलाकों से भी छोटे-छोटे जुलूस मुख्य रैली में शामिल हुए।

जुलूस में झंडे लिए युवा बाइक और ट्रकों पर नारे लगाते दिखे। कई लोगों ने भारतीय ध्वज और कुछ ने फिलिस्तीनी झंडे भी उठाए। रास्ते में मिठाइयाँ, बिस्कुट बांटे गए और बिरयानी, हलीम व बगारा चावल के भोजन शिविर लगाए गए, जिनमें सभी को आमंत्रित कर भोजन कराया गया। शहर पुलिस ने जुलूस को शांतिपूर्ण बनाने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की।

स्वयं को बदलकर, समाज को बदलें : आस्था भारती

श्रीकृष्ण कथा से पहले भव्य शोभायात्रा निकाली गई

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा श्री चिन्ना अनंतगिरि शिवालयम, अत्तापुर में 14 से 20 सितंबर 2025 तक आयोजित श्री कृष्ण कथा का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे मंगल कलश यात्रा के भव्य आयोजन के साथ हुआ। जिसमें कार्पोरेटर मोंड्रा संगीता, एम. मल्ला रेड्डी, एम. कोमरैया, राजु पहलवान, विजय कुमार, बाबुलाल जोशी, श्याम अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, श्रीकिशन पंचारिया, पवन भारती, सुरेश कुमार मोदी, लक्ष्मी कांत व्यास, प्रकाश भाटी, राजेश शर्मा ने विधिवत रूप से यात्रा का शुभारंभ किया। इस यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और अपनी आस्था का प्रदर्शन किया। कलश यात्रा का प्रारंभ श्री राम मंदिर, पिलर नं 143 से हुआ, जहां परंपरागत रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के साथ कलश की स्थापना की गई। महिलाएं सिर पर कलश लेकर यात्रा में सम्मिलित हुईं। कलश यात्रा के उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया।

तदुपरान्त सायंकाल श्रीकृष्ण कथा के प्रथम दिवस की कथा का शुभारंभ श्रीकृष्ण वंदना से हुआ। मंचासीन साधकों ने बड़े ही भावों से अपनी स्वर-साधना से भगवान श्रीकृष्ण को याद किया। कथाव्यास साध्वी आस्था भारती जी ने सूरदास जी के पदों के संग उनके सम्पूर्ण जीवन को अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त किया। साध्वी जी ने बताया कि मन ही बंधन और मोक्ष दोनों का कारण है। एक दिशा में चाबी घुमाने पर ताला बंद कर किसी को भी परतंत्र किया जा सकता है और दूसरी दिशा में घुमाने पर स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है। वैसा ही यह मन भी है। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार जनित अज्ञानता व नकारात्मकता यदि मन पर हावी हो जाए, तो जीवन अंधकारमय हो जाता है। लेकिन यदि इसी मन को भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया जाए तो यही मन हमें मोक्ष के मार्ग की ओर ले जाता है। अर्जुन की भांति हमारे मन को भी मोक्ष पथ की ओर ले जाने वाले गुरु की आवश्यकता है।

ज्ञान अंजन प्राप्त कर मानव के भीतर एक अलौकिक परिवर्तन घटता है। एक स्वार्थी जीव परमार्थी, एक अत्याचारी सदाचारी बन जाता है। ऐसा ही अद्भुत परिवर्तन हुआ था, डाकू अंगुलिमाल के जीवन में। कपिलवस्तु के नरेश शुद्धोदन का राजतंत्र जिस अंगुलिमाल का बाल भी बांका न कर पाया था, उसे महात्मा बुद्ध के ज्ञान ने अहिंसक बना दिया। गणिका वेश्या, सज्जन ठग आदि पापकर्मों में लिप्त जीवात्माएं भी सद्गुरु का सान्निध्य पाकर मन को मोक्ष की ओर ले गए। पतन के गर्त में गिरे जीव को श्रेष्ठता के शिखरों पर ला खड़ा करना, उसे परमात्मा से मिला देना- यही इस सृष्टि का सबसे बड़ा चमत्कार है। ब्रह्मज्ञान द्वारा मन की दिशा को परिवर्तित कर एक पूर्ण सद्गुरु इस चमत्कार को हर इक जीव के भीतर करते हैं। ब्रह्मज्ञान की वर्षा ही मानव के कलुषित मन को धोकर पाशविकता में सने समाज को रहने योग्य बना सकती है। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के दिव्य मंच से साध्वी जी ने अंतिम क्षणों में आवाहन किया- स्वयं को बदलकर, समाज को बदलने के लिए प्रयास करें।

संस्थान की ओर से स्वामी प्रदीपानंद, साध्वी भावना भारती, साध्वी साक्षी भारती उपस्थित रहे। कथा के मुख्य यजमान स्व. सीता देवी व बगदाराम कुमावत हैं। प्रथम दिवस की कथा के दैनिक यजमान एम.एस. राव एवं राकेश कुमार शर्मा थे। अतिथिगण गोपाल जाजु तथा भगवान दास लाहोटी, सीताराम झंवर, भाकर राम कुमावत, जुगल पारीक, विमल खांडेलवाल, लक्ष्मी निवास सारडा, बजरंग लाल नागपुरिया भी उपस्थित रहे। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया। तदुपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

तेलंगाना महाराष्ट्र सीमा पर नजर आया तेंदुआ

मदनूर, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार के सुबह मदनूर के लगते गांव नांदेड़ जिला के देगलूर तालुका के नागराल के निवासी धनाजी बिरादर पाटील को खेत में जाते समय तेंदुआ नजर आया। उन्होंने नागराल गांव के जनता को बताया तो गांव वालों ने तेलंगाना तथा महाराष्ट्र के फॉरेस्ट अधिकारियों को सूचना दी। दो राज्य के फॉरेस्ट अधिकारियों ने नागराल जंगल में जाकर तेंदुआ के पाव के पंजे की पुष्टि की व उसपर केमिकल डालकर परीक्षण करने के बाद अधिकारियों ने बताए कि 807 तेंदुआ के पंजे के निशान हो सकते हैं। कल ड्रोन के सहायता से जांच पड़ताल की जाएगी उन्होंने जनता को खेत में सतर्कता से जाना चाहिए, ताकि किसी प्रकार की घटना न घट सके।

एनएमडीसी को मिला राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

हैदराबाद, 14 सितबंर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा 14 सितंबर, को गांधीनगर गुजरात में आयोजित हिंदी दिवस समारोह एवं पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान वर्ष 2024-25 के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार वितरित किए गए। समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने की। एनएमडीसी लिमिटेड को 'ग' क्षेत्र में स्थित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी में राजभाषा कीर्ति- प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एनएमडीसी की निदेशक (कार्मिक) एवं निदेशक (वित्त) अतिरिक्त प्रभार श्रीमती प्रियदर्शिनी गड्डम ने यह पुरस्कार केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के हाथों ग्रहण किया। इस अवसर पर केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्यमंत्री, गुजराज भूपेन्द्र भाई पटेल, उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति भर्तृहरि मेहताब एवं अन्य गणमान्य विभूतियां उपस्थित थीं।

सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

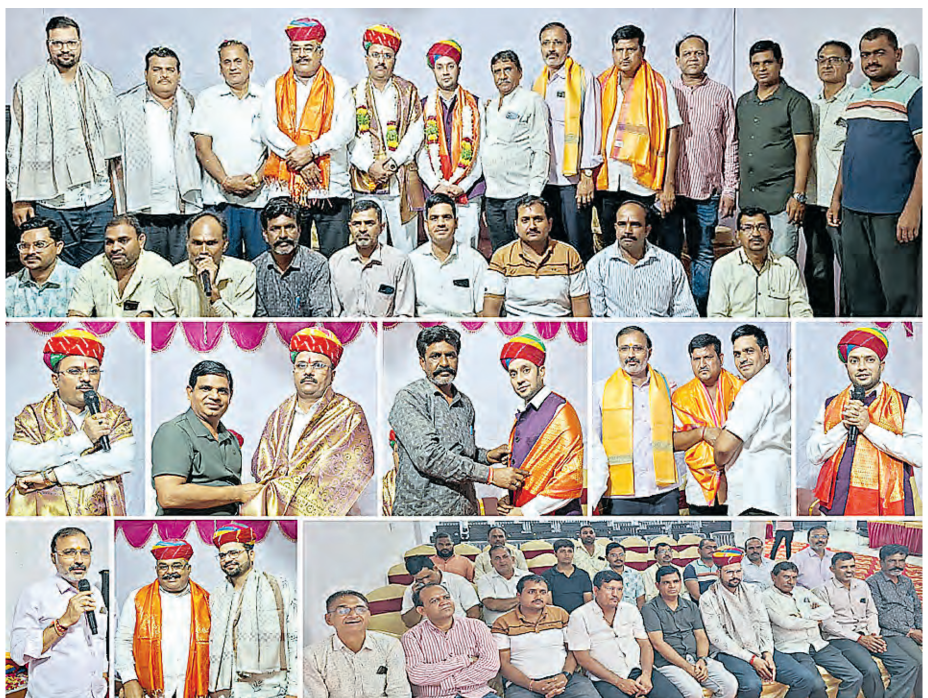

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागारम स्थित बालाजी बैंक्वेट हॉल में पर्यावरण, वन एवं जलवायु संवर्धन परिषद हैदराबाद काउंसिल के चेयरमैन जामताराम चौधरी एवं वाईस चेयरमैन अनिल जैन के चुने जाने पर शनिवार 13 सितंबर सायं 4.30 बजे प्रवासी बन्धुओं के सानिध्य में सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक कैलाश शर्मा ने बताया कि चेयरमैन जामताराम चौधरी एवं वाईस चेयरमैन अनिल जैन के चुने जाने पर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत माता की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर आयोजकों ने कार्यक्रम के बत्तौर मुख्यअतिथियों को मंच पर आमंत्रित कर राजस्थानी परम्परा शॉल, साफा व पुष्प-मालाओं से विशेष सम्मान किया गया।

अवसर पर बत्तौर मुख्यअतिथि बोलते हुए चेयरमैन जामताराम चौधरी ने पर्यावरण पर विशेष प्रकाश डालते हुए बताया कि देश में हो रहे प्रदूषण को रोकने के लिए हर भारतीय को एक पौधा जरुर लगाना चाहिए, जिससे स्वस्थ वातावरण मिल सके। वाईस चेयरमैन अनिल जैन ने भी बताया कि मोदीजी का सपना है एक पौधा माँ के लिए लगाना चाहिए, इसी पर्यावरण मिशन को आगे बढाने के लिए भारत सरकार द्वारा हमारा चयन किया गया है। इस चुनौती को पूर्ण करने के लिए आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है। शहर में जहां पर भी अतिक्रमण एवं बेवजह जंगलों को नष्ट किया जा रहा है, उन पर प्रतिबंध लगाना हम सभी का कार्य है। पर्यावरण की गुणवत्ता तक पहुंचने के लिए हमें एक लंबा सफर तय करना पड़ेगा।

आयोजक कैलाश शर्मा ने कार्यक्रम में पधारे प्रवासी बन्धुओं का आभार प्रकट करते हुए बताया कि हर प्रवासी बन्धु को अपने घर के आस-पास एक पौधा लगाकर, उसकी देख-रेख करने से समस्या का समाधान होगा। अल्पाहार की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। अवसर पर समाज सेवी अनिल जैन मुणोत को जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी गयी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सोहनसिंह राजपुरोहित, नाथुराम कुमावत, कैलाश शर्मा, दामोदर तिवारी, विकास शर्मा, पत्रकार परबत सोलंकी, अनिल जैन, पवन शर्मा, नरेश साँखला, सुरेश भाटी, ताराराम जांगिड़, उदयकुमार भाटी, बजरंगलाल कच्छावा, चेनाराम पंवार, दिलीप जैन, सुरेश भाटी, भोलाराम, पुनाराम सोलंकी, नेमाराम पंवार, सुरेश सीरवी, भीमाराम, गुमानसिंह राजपुत, मानवेन्द्रसिंह राजपुरोहित, आलोक सोलंकी व बहुत से समाज बन्धु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मंच का संचालन सोहनसिंह राजपुरोहित एवं कैलाश शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

हिरण का मांस बेचते दो व्यक्ति गिरफ्तार

पुलिस ने 10 किलो मांस और तीन जोड़े सींग किए बरामद

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टोलीचौकी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों को हिरण का मांस बेचने के आरोप में पकड़ा। उनके पास से 10 किलोग्राम मांस और हिरण के तीन जोड़े सींग बरामद किए गए। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सब्ज़ा कॉलोनी निवासी डॉक्टर मोहम्मद सलीम मोसा (47) और बाजारघाट निवासी रियल एस्टेट कारोबारी मोहम्मद इकबाल (48) के रूप में हुई है। आरोप है कि दोनों ने हिरण का शिकार कर उसका मांस अपने पास रखा और उसे बेचने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर वन विभाग को सौंप दिया है, जहां उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अग्रसेन जयंती पर वितीय एवं योजना सचिव संदीप सुलतानिया को निमंत्रण

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अग्र कुल प्रवर्तक महाराजाश्री अग्रसेन जी की जयंती धूम धाम से अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा मनाई जा रही है। महाराजा अग्रसेनजी की 5149वीं जयंती तेलंगाना राज्य में 30 अगस्त से 22 सितंबर तक मनाई जा रही है और इस महोत्सव में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

आज अग्रवाल समाज तेलंगाना के मानद मंत्री विकास केशान, अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष एवं जयंती सह संयोजक अचल गुप्ता एवं विनय अग्रवाल ने तेलंगाना सरकार में वितीय एवं योजना विभाग के मुख्य सचिव संदीप सुलतानिया से भेंट कर उन्हें इस 22 सितंबर को आयोजित जयंती महोत्सव के लिए विशिष्ट अतिथि के रूप में सपरिवार पधारने का निमंत्रण दिया। साथ ही साथ 28 वर्षों की अग्रवाल समाज तेलंगाना की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। इस वर्ष जयंती महोत्सव में देश के प्रख्यात कवि कुमार विश्वास द्वारा होने वाले काव्य पाठ के संबंध में बताया। संदीप सुलतानिया अग्रवाल समाज तेलंगाना की गतिविधियों से बहुत प्रभावित हुए और समाज के कार्यों की सराहना की। उन्होंने निमंत्रण स्वीकारतें हुए अवश्य पधारने का वचन दिया।

बीडीएल राजभाषा कीर्ति राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनामिक्स लिमिटेड को हिन्दी दिवस के राष्ट्रीय समारोह के दौरान अर्जुन राम मेघवाल, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री ने वर्ष 2024-25 की अवधि के लिए राष्ट्रीय स्तर पर उपक्रमों में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। यह पुरस्कार बीडीएल के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एन सत्यनारायण ने ग्रहण किया। इस अवसर पर राज्य सभा के सांसद दिनेश कुमार, प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं लेखक रंगनाथन और राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्य उपस्थित थे। भारत डायनामिक्स लिमिटेड के लिए यह पहला अवसर जब उपक्रमों की श्रेणी में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इससे पूर्व बीडीएल को वर्ष 2011 से 2024 के बीच उपक्रमों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उत्कृष्ट कार्य के लिए पांच बार राष्ट्रीय स्तर पर और सात बार क्षेत्रीय स्तर पर राजभाषा सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बीडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर ए माधवाराव (से.नि) ने शुभकामनाएं देते हुए राजभाषा विभाग के होमनिधि शर्मा, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), डॉ. नरसिंहम शिवकोटि, उप प्रबंधक (राजभाषा) और कार्यरत राजभाषाकर्मियों को उनके योगदान के लिए बधाई दी।

एशिया कप- भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया

कुलदीप यादव ने तीन जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल ने 2-2 विकेट लिए

दुबई, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने एशिया कप के छठे मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। टीम ने 128 रन का टारगेट 16वें ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाकिस्तान ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और 9 विकेट खोकर 127 रन बनाए।

मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ नहीं मिलाया। इससे पहले टॉस के बाद भी कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था।

ग्रुप-ए के इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने पावरप्ले से ही दवाब बनाया और आखिरी तक पाकिस्तानी बैटर्स को उबरने का मौका नहीं दिया।

साहिबजादा फरहान (40 रन) और शाहीन अफरीदी (33 रन) के अलावा कोई बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सका। कुलदीप यादव ने 3 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट मिले। एक-एक विकेट हार्दिक पंड्या और वरुण चक्रवर्ती के खाते में आया।

तेरापंथ भवन में चतुर्थ मासखमण का प्रत्याख्यान

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आचार्य महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री जी की प्रेरणा से श्रीमती सीमा समदड़िया के मास-खमण (31 की तपस्या) का तप अभिनंदन समारोह का आयोजन डी.वी.कालोनी, तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. साध्वी गवेषणाश्री ने कहा- तप मंगल है, तप टॉनिक है, तप शक्ति है। तप आत्मा, शरीर, मन और बुद्धि चारों को मंगल बनाती है। भगवान महावीर से पूछा गया कि तप से जीव क्या प्राप्त करता है? भगवान ने कहा- तप से वह व्यवदान को प्राप्त करता है। जैन धर्म में निर्जरा का महत्वपूर्ण स्थान है। तप के द्वारा कर्मों की विशेष निर्जरा होती है। पूर्वार्जित कर्म संचय को क्षीण करने का अच्छा साधन है- तप।

साध्वी मयंकप्रभा ने कहा, इन्द्रिय संयम के लिए खाने का संयम आवश्यक है। तपस्या जीवन का धन है। आहार का संयम न होने पर इन्द्रियां अनियंत्रित हो जाती है, उच्छृंखल हो जाती है। आयुर्वेद में तो कहा है- यदि स्वस्थ रहना है तो हर सप्ताह में एक लंघन अवश्य करें।

साध्वी दक्षप्रभा ने तपस्वी की अनुमोदना अपने सुमधुर स्वरों से करते हुए पूरी सभा को भावविभोर कर दिया। महिला मंडल अध्यक्ष नामिता सिंघी, मंत्री निशा सेठिया, सभा अध्यक्ष सुशील संचेती ने मासखमण के उपलक्ष्य में अपने भाव में व्यक्त किये। सभा सहमंत्री हुक्मीचंद कोटेचा ने प्रमुखाश्री जी के संदेश का वाचन किया। लक्ष्मीपत बैद ने अभिनन्दन पत्र का वाचन किया।

तेलंगाना में मानसून रहेगा अक्टूबर तक सक्रिय

ला नीना और आईओडी जैसे कारकों से लौटने में होगी देरी

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अगर आपको लगता है कि इस साल सक्रिय रहा मानसून अब विदा लेने वाला है, तो ऐसा नहीं है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि तेलंगाना में बारिश और ठंड का सिलसिला अक्टूबर के अंत तक जारी रह सकता है। हैदराबाद के स्वतंत्र मौसम विशेषज्ञ आर बालाजी (जो जीएचएमसी और तेलंगाना पुलिस के सलाहकार भी हैं) ने अनुमान जताया कि सितंबर के बाकी दिनों और अक्टूबर के तीसरे सप्ताह तक राज्यभर में रुक-रुक कर बारिश होगी। उन्होंने कहा कि इस दौरान कभी-कभी गरज-चमक के साथ छींटे भी पड़ सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने डेविस कप में स्विट्जरलैंड को हराया

32 साल के बाद पहली बार यूरोपियन टीम को मात दी

सुमित ने हेनरी को हराया

बोलोग्ना, इटली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने स्विस टेनिस एरीना में विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर डेविस कप में इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने 1993 के बाद पहली बार यूरोप में किसी यूरोपीय देश पर जीत दर्ज की।

शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने स्विट्जरलैंड के बिएल स्थित स्विस टेनिस एरीना में हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हराकर विश्व ग्रुप 1 चरण में भारत की जीत सुनिश्चित की। इसके साथ ही, मौजूदा भारतीय टीम ने लिएंडर पेस और रमेश कृष्णन की टीम के उस प्रदर्शन को दोहराया, जिसने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 3-2 से हराया था।

भारत अब विश्व ग्रुप क्वालीफायर में पहुंच गया है, लेकिन इस परिणाम के साथ स्विट्जरलैंड डेविस कप 2026 विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ में पहुंच गया है। भारतीय टीम ने एक और इतिहास रच दिया क्योंकि 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से वह विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत हासिल नहीं कर पाई है।

भारत तीन मौकों 1966, 1974 और 1987 में उपविजेता रहा है। दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुक्रवार को शुरुआती मैच में उच्च रैंकिंग वाले जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर शानदार शुरुआत की। नागल ने मेहमान टीम के लिए एक प्रभावशाली दिन का समापन किया क्योंकि उन्होंने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी।

हालांकि, मेजबान टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की। जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को कड़े मुकाबले में हराया। एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए, उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और स्कोर 1-2 कर दिया।

भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट के 10वें गेम में सर्विस टूटने के बाद वे अगला सेट हार गए। तीसरे सेट में एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक बोलिपल्ली ने तीसरे गेम में स्विस जोड़ी की सर्विस तोड़ी, लेकिन छठे और 12वें गेम में सर्विस गंवाकर दो घंटे 21 मिनट में हार का सामना करना पड़ा।

इस मुकाबले में पूरी तरह से वापसी करने की उनकी उम्मीदें नागल और हेनरी बर्नेट के बीच एकल मैच पर निर्भर थीं और भारतीय खिलाड़ी ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। सुमित नागल ने 18 वर्षीय स्विस टेनिस खिलाड़ी को आसानी से हरा दिया। पहले सेट में तीन बार और दूसरे सेट में एक बार उनकी सर्विस तोड़कर मैच 6-1, 6-3 से जीत लिया और मुकाबला भारत के पक्ष में कर दिया। विश्व ग्रुप 1 मुकाबलों में जीतने वाली 13 टीमें 2026 डेविस कप क्वालीफायर में प्रतिस्पर्धा करेंगी। हारने वाली टीमें 2026 विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

आईएसएसएफ विश्व कप में निशानेबाज ईशा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

निंगबो, 14 सितंबर (एजेंसियां)। ओलंपियन और मिश्रित टीम पिस्टल स्पर्धा की विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में भारत के खिताब का सूखा समाप्त करते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 20 वर्षीय ईशा ने एक रोमांचक फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी याओ कियानक्सुन को 0.1 अंक से हराया। दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ओह येजिन ने कांस्य पदक जीता।

ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक

यह ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक है और इससे भारत अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। मेजबान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। भारत ने इस टूर्नामेंट में हर स्पर्धा में अपने चौथे से छठे क्रम के निशानेबाजों को उतारा है।

ईशा ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि यह पहली प्रतियोगिता थी जिससे मैंने शुरुआत की और इसमें विश्व कप का स्वर्ण पदक जीता। हां, जाहिर है कि इस साल की अगली सबसे बड़ी प्रतियोगिता विश्व चैंपियनशिप है। हम इसके लिए बहुत कड़ा अभ्यास कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि आपको काहिरा में भारतीय टीम से बहुत अच्छी चीजे देखने को मिलेंगी।

रिदम पदक से चूकीं

ईशा और उनकी साथी रिदम सांगवान ने 578 के समान स्कोर के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, जिससे उन्हें अंतिम दो उपलब्ध स्थान प्राप्त हुए। याओ ने 584 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिर्फ रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही भारत की पलक गुलिया ने 586 का स्कोर किया। सुरभि राव 568 के स्कोर के साथ 25वें स्थान पर रहीं।

आठ निशानेबाजों के फाइनल में रिदम ने अच्छी शुरुआत की और पहली सीरीज के बाद वह शीर्ष जबकि ईशा दूसरे स्थान पर थीं। एलिमिनेशन के आगे बढ़ने के साथ ही दोनों भारतीय ने धैर्य के साथ अच्छे निशाने साधे। रिदम अपने 15वें निशाने पर 10.8 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर पहुंची लेकिन 18वें निशाने के बाद मुकाबले से बाहर हो गईं। ईशा ने इस बीच अपनी लय बनाए रखी और निर्णायक चरणों में 10.7 के दो शॉट लगाकर याओ पर मामूली बढ़त बनाए रखी। उन्होंने 242.6 के अंतिम स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जो चीन की निशानेबाज से केवल 0.1 अंक अधिक था। अन्य परिणामों में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल में भावेश शेखावत 22वें जबकि प्रदीप सिंह शेखावत 23वें स्थान पर रहे। मनदीप सिंह 39वें स्थान पर रहे।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत को स्वर्ण

जैस्मिन लैम्बोरिया का गोल्डन पंच

जाग्रेब, 14 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की बेटी का दबदबा देखा गया। फाइनल में पोलैंड की जूलिया को मात देकर उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया था।

12 साल में पहली बार पुरुष वर्ग में झोली खाली

पुरुष वर्ग में 12 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ जब भारतीय मुक्केबाजों को खाली हाथ लौटना होगा।

जदुमणि सिंह के सामने गत विश्व चैंपियन कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे थे जिनके खिलाफ उन्हें 0-4 से हार मिली। जदुमणि की हार के साथ यह तय हो गया कि भारत के दस सदस्यीय पुरुष दल का इस बार कोई पदक नहीं मिलेगा।

ऐसा 2013 के बाद पहली बार होगा। ताशकंद में 2023 में भारत ने 3 कांस्य जीते थे।

'मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती' हसीन जहां के साथ शादी पर मोहम्मद शमी का बड़ा बयान

मुंबई, 14 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिलहाल क्रिकेट मैदान से दूर चल रहे हैं। टीम इंडिया में वापसी करने को लेकर शमी कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं। अक्सर अपनी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां के साथ रिश्ते को लेकर शमी बात करते दिख जाते हैं। हाल ही में मोहम्मद शमी इंडिया टीवी के शो आप की अदालत में पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी शादी को लेकर खुलकर बातचीत की।

अपनी शादी को लेकर क्या बोले शमी?

आप की अदालत में मोहम्मद शमी ने अपनी हसीन जहां के साथ शादी को लेकर कहा कि "जिंदगी आपको बहुत कुछ सिखाती है। मैं मानता हूं कि ये मेरी जिंदगी की बहुत बड़ी गलती है थी, लेकिन मैं किसी को दोष नहीं देता ये मेरी किस्मत थी।"

टीम में चुने नहीं जाने को लेकर शमी ने कहा कि "यह काफी मुश्किल था और ये आपको काफी चुभता भी है। जब आप हाई लेवल पर खेल रहे होते हैं, तो आपको अपना ध्यान बांटना पड़ता है। आप एक तरफ देख रहे होते हैं कि घर में क्या चल रहा है और दूसरी तरफ आपको देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होता है, जिससे आप पर बहुत दबाव पड़ता है।"

मामले को सुलझाने को लेकर जब शमी से सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि "कोई भी अपने घर में झगड़ा नहीं चाहता है, वो भी तब जब आप देश के लिए खेल रहे हो और देश की सेवा कर रहे हो, लेकिन ये दूसरे पक्ष पर भी निर्भर करता है। अगर दूसरा पक्ष ऐसा नहीं चाहता तो तो धैर्य ही एक आखिरी समाधान होता है।"

आखिरी बार टीम इंडिया के लिए कब खेले थे शमी?

मोहम्मद शमी काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। एशिया कप 2025 के लिए भी शमी को टीम इंडिया में नहीं चुना गया। मोहम्मद शमी को आखिरी बार टीम इंडिया के लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलते हुए देखा गया था। 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया था, इस मैच में शमी टीम इंडिया का हिस्सा थे। इस मैच में शमी ने गेंदबाजी करते हुए 9 ओवर में 74 रन देकर महज 1 विकेट हासिल किया था।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले- नवाज दुनिया के नंबर-एक स्पिनर, भारत के कोच डेशकाटे ने दिया करारा जवाब

दुबई, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में होने वाले हाई-प्रोफाइल मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने बड़ा बयान दिया। हेसन ने अपनी टीम के स्पिनर मोहम्मद नवाज को दुनिया का सबसे अच्छा स्पिनर करार दे दिया। इस बयान ने क्रिकेट फैन्स और विशेषज्ञों को हैरान कर दिया क्योंकि नवाज इस समय टी20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में 30वें स्थान पर हैं। अब इस पर भारत के असिस्टेंट कोच रेयान डेशकाटे की प्रतिक्रिया सामने आई है। डेशकाटे का यह बयान काफी संयमित और संतुलित माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान के कोच पर चुटकी जरूर ली।

माइक हेसन का दावा

माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है हमारी टीम की खूबसूरती यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं। हमारे पास मोहम्मद नवाज हैं, जो इस समय दुनिया के सबसे अच्छे स्पिन गेंदबाज हैं, और पिछले छह महीनों से टीम में वापसी के बाद वह इसी तरह रैंक किए गए हैं।' हेसन के इस बयान ने सोशल मीडिया पर भी चर्चा छेड़ दी।

भारत के कोच का संतुलित जवाब

भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे से भी हेसन के इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई। उन्होंने सीधे तौर पर हेसन के दावे को खारिज नहीं किया लेकिन संतुलित जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में स्पिनर बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं। अगर कुछ है तो मुझे नहीं लगता कि विकेट ने उतना ग्रिप किया है जितना हमने सोचा था, और निश्चित रूप से उतना नहीं जितना इस साल की शुरुआत में किया था। लेकिन टी20 क्रिकेट में स्पिन बहुत अहम हो गया है और दोनों टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। हमें वरुण, अक्षर और कुलदीप पर पूरा भरोसा है। हर किसी को अपने खिलाड़ियों को जहां चाहे रैंक करने का अधिकार है।'

स्पिनर्स पर टिकी रहेंगी नजरें

भारत-पाकिस्तान मुकाबले में स्पिन गेंदबाज अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत के पास अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे तीन विकल्प हैं, जबकि पाकिस्तान मोहम्मद नवाज पर भरोसा जता रहा है। मुकाबले में यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सा स्पिन अटैक मैच का पासा पलटता है।

सुपर जाएंट्स ने बदल दिया कप्तान: 7 गुना नीलामी में खरीदकर एडेन मार्करम को सौंप दी कमान

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। डरबन सुपर जाएंट्स ने अपनी टीम के कप्तान का बदलाव कर दिया है. टीम ने नेतृत्व की कमान अब एडेन मार्करम को सौंप दी है. मार्करम को LSG फ्रेंचाइजी वाली टीम ने आईपीएल की सात गुना बोली लगाकर टीम के साथ जोड़ा था.

आईपीएल में लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाड़ी एडेन मार्करम को फ्रेंचाइजी ने अपनी एसए20 लीग टीम से भी जोड़ लिया है. एसए20 2025-26 सीजन के लिए नीलामी में मार्करम के लिए आईपीएल की 7 गुना बोली लगी. संजीव गोएनका के मालिकाना वाली डरबन सुपर जायंट्स ने उन्हें खरीदकर अब टीम का कप्तान भी बना दिया है. मार्करम को आईपीएल में टीम ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि SA20 2025-26 के लिए सुपर जाएंट्स ने 14 करोड़ रुपये खर्च किए. फ्रैंचाइजी ने एक क्रिएटिव एआई-जनरेटेड वीडियो के जरिए इस खबर की घोषणा की, जिसमें मार्करम को एक जहाज को तूफानी समुद्र से निकालकर शांत पानी की ओर ले जाते हुए दिखाया गया.

30 वर्षीय मार्करम इस साल के SA20 ऑक्शन में सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले खिलाड़ियों में से एक थे. सनराइजर्स ईस्टर्न केप से अलग होने के बाद उनके लिए कई टीमों ने जमकर बोली लगाई. सौरव गांगुली की कोचिंग वाली प्रिटोरिया कैपिटल्स, काव्या मारन की एसआरएच ईस्टर्न केप और डीएसजी के बीच ताबड़तोड़ बोली लगी. अंततः DSG ने उन्हें रिकॉर्ड 14 मिलियन रैंड में खरीदा. यह लीग इतिहास की सबसे बड़ी बोली बनी रही, हालांकि अंत में प्रिटोरिया कैपिटल्स ने डेवाल्ड ब्रेविस को 16.5 मिलियन रैंड में खरीदकर उन्हें लीग का सबसे महंगा खिलाड़ी बना दिया.

मार्करम एसए20 में कप्तानी के लिए नए नहीं हैं. उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप को 2023 और 2024 में लगातार खिताब दिलाया था. वह साउथ अफ्रीका की टी20I टीम की भी अगुवाई करते हैं, उन्होंने 2024 में अपनी राष्ट्रीय टीम को फाइनल तक भी पहुंचाया था, जहां वह भारत से हार गया. डरबन के लिए मार्करम का आना न सिर्फ एक बड़ा नाम जोड़ना है, बल्कि यह रणनीतिक कदम भी है. फ्रैंचाइजी अब तक अपना पहला SA20 खिताब जीतने की तलाश में है. 2024 में वे फाइनल तक पहुँचे थे, लेकिन वहाँ उन्हें सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने हराया था और उस टीम के कप्तान भी मार्करम ही थे.

2023 में टीम सबसे निचले पायदान पर रही थी. मार्करम से पहले इस टीम की कमान केशव महाराज के हाथों में थी. लेकिन अब मैनेजमेंट ने रणनीति में बदलाव कर टीम को मजबूत करने के लिए बड़े फैसले लिए हैं. मार्करम आईपीएल में लखनऊ सुपर जाएंट्स से खेले थे. उन्होंने मिचेल मार्श के साथ मिलकर शानदार खेल दिखाया. इसकी वजह से सुपर जाएंट्स ने मार्करम को अपनी टीम में शामिल करने के लिए बढ़-चढ़ कर बोली लगाई. अब उनके नेतृत्व में सुपर जाएंट्स फ्रेंचाइजी के तौर पर अपना पहला खिताब जीतने की ओर कदम बढ़ाएगा.

हांगकांग ओपन का खिताब जीतने से चूकी सात्विक-चिराग की जोड़ी, पहला गेम जीतने के बावजूद हारे

हांगकांग14 सितंबर (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हांगकांग ओपन सुपर 500 का खिताब जीतने से चूक गई। सात्विक-चिराग को फाइनल में ओलंपिक की रजत पदक विजेता जोड़ी चीन की लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार मिली। पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली विश्व में नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी को छठी रैंकिंग की चीनी जोड़ी से 21-19, 14-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक-चिराग ने लियांग-चांग के खिलाफ पहला गेम जीता था, लेकिन इसके बाद वह लय बरकरार नहीं रख सके और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। थाईलैंड ओपन जीतने के बाद भारतीय जोड़ी 16 महीनों में पहली बार फाइनल में खेल रही थी और इस हार के साथ सुपर 500 फाइनल में इस जोड़ी का परफेक्ट रिकॉर्ड भी टूट गया। सात्विक और चिराग ने इससे पहले अपने चारों सुपर 500 फाइनल में खिताब जीता था। इस सत्र में छह बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली भारतीय जोड़ी की लियांग और वांग के खिलाफ 10 मैच में यह सातवीं हार है, जबकि उन्होंने तीन जीत दर्ज की है। भारतीय जोड़ी ने पेरिस में विश्व चैंपियनशिप के दौरान चीन की इस जोड़ी को हराया था।

सात्विक और चिराग ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला गेम जीता लेकिन इस लय को बरकरार रखने में नाकाम रहे और निर्णायक गेम में 2-11 से पिछड़ने के बाद उनकी हार लगभग तय हो गई थी। शुरुआती गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। चिराग ने शुरुआत में ही तेज स्मैश लगाकर 0-2 से पिछड़ रही भारतीय जोड़ी को वापसी दिलाई। चिराग ने 10-10 के स्कोर पर दमदार स्मैश के साथ ब्रेक तक भारतीय जोड़ी को 11-10 की मामूली बढ़त दिलाई।

ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने अपना आक्रामक रुख

ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने आक्रामक रुख अपनाया और लगातार कई जबरदस्त स्मैश के साथ 13-11 से आगे हो गए। वांग के शरीर की तरफ खेले सात्विक के शॉट और फिर चिराग की तीखी सर्विस से भारतीय जोड़ी ने चार अंक की बढ़त बनाई। चीन के खिलाड़ियों ने नेट पर भारतीय खिलाड़ियों की गलती का फायदा उठाकर लगातार चार अंक के साथ वापसी की। चिराग ने लाइन पर सटीक सर्विस करके पहला गेम में जीत सुनिश्चित की। चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की जिसमें वांग ने कोर्ट के पिछले हिस्से से शानदार प्रदर्शन करते हुए 8-2 की बढ़त बना ली। वांग की सर्विस में गलती और एक लंबे शॉट से भारतीय जोड़ी ने वापसी की कोशिश की लेकिन चीन की जोड़ी ब्रेक तक 11-6 की मजबूत बढ़त बनाने में सफल रही। भारतीय जोड़ी ने जल्द ही स्कोर 12-14 किया। इसके बाद हालांकि चीन की जोड़ी ने अगले नौ में से सात अंक जीतकर मुकाबले को 1-1 से बराबर कर दिया।

21 की उम्र में लंबे फॉर्मेट से संन्यास लेकिन टी20 में धमाका जारी

19 छक्के ठोक अब इस टीम को बनाया चैंपियन

खेल डेस्क, 14 सितंबर (एजेंसियां)। समरसेट ने T20 ब्लास्ट का फाइनल जीत लिया है. इस टीम ने फाइनल मुकाबले में हैम्पशर को 6 विकेट से हराया. समरसेट की जीत का हीरो वो खिलाड़ी बना, जिसने महज 21 साल की उम्र में क्रिकेट के लंबे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था. दो साल पहले जिस मकसद के साथ उसने लंबे फॉर्मेट को अलविदा कहा था, उसमें अब उसे कामयाबी मिलती दिखी है. टी20 ब्लास्ट के फाइनल में तो वो अपनी टीम की जीत का हीरो बना ही है, उसके अलावा पूरे टूर्नामेंट में भी उसका प्रदर्शन दमदार रहा है. हम बात कर रहे हैं 23 साल के विल स्मीड की, जिन्होंने 19 छक्के ठोकते हुए समरसेट को खिताबी जीत तक पहुंचाया है.

समरसेट की टीम तीसरी बार चैंपियन

समरसेट ने तीसरी बार T20 ब्लास्ट का खिताब जीता है. इसी के साथ वो भी टूर्नामेंट की सबसे सफल टीमों की कतार में आ खड़ी हुई है. समरसेट से पहले हैम्पशर और लिसेस्टरशर ने भी 3 बार T20 ब्लास्ट का खिताब अपने नाम किया है. कमाल की बात ये है कि टूर्नामेंट का तीसरी बार चैंपियन बनने के लिए समरसेट ने हैम्पशर को ही हराया है. इस तरह उसने हैम्पशर के T20 ब्लास्ट की सबसे सफल टीम होने का सपना भी फिलहाल के लिए चूर किया है.

फाइनल में विल स्मीड ने खेली सबसे बड़ी पारी

हैम्पशर ने मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 194 रन बनाए. हैम्पशर की ओर से टोबी एल्बर्ट ने सबसे ज्यादा 85 रन बनाए. वहीं कप्तान जेम्स विंस ने 52 रनों की पारी खेली. अब समरसेट के पास 195 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करते हुए उसके ओपनर विल स्मीड ने टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी पारी खेली. उन्होंने फाइनल में 58 गेंदों में 94 रन ठोकते हुए टीम को खिताब दिलाने में निर्णायक भूमिका अदा की. विल स्मीड के 94 रनों की पारी की बदौलत समरसेट ने टी20 ब्लास्ट का फाइनल 6 गेंद पहले ही जीत लिया.

टी20 ब्लास्ट में विल स्मीड ने उड़ाए 19 छक्के

फाइनल में 94 रन बनाने के बाद विल स्मीड T20 ब्लास्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे. उन्होंने टूर्नामेंट में खेली 17 पारियों में 144.85 की स्ट्राइक रेट से 620 रन ठोके, जिसमें 19 छक्के और 73 चौके शामिल रहे.

23 साल के ये वही विल स्मीड हैं, जिन्होंने ये कहते हुए फर्स्ट क्लास क्रिकेट यानी लंबे फॉर्मेट से संन्यास लिया था कि वो अपना फोकस व्हाइट बॉल क्रिकेट पर रखना चाहते हैं. टी20 ब्लास्ट में परफॉर्मेन्स देखने के बाद लगता है कि उनका फैसला सही ही था.

एक अलग अंदाज में बुलेट पर सवार होकर निरीक्षण करने पहुंची मंत्री

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की पंचायत राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दनसारी अनसूया (सीतक्का) एक अलग अंदाज में बुलेट पर सवार होकर मेडारम महाजातरा की व्यवस्था का निरीक्षण करने निकल पड़ी। सुरक्षा के लिहाज से मंत्री के ठीक आगे बुलेट पर ही मुलुगु जिले के एसपी शबरीश चल रहे थे और मंत्री सीतक्का पीछे चल रही थी।

मंत्री सीतक्का ने मेडारम की महाजातरा की तैयारी में जुटी हुई है। वे सड़कों पर बुलेट से घूमकर जमीनी स्थिति को समझने की कोशिश कर रहे है। इस अवसर पर, मंत्री सीतक्का ने मुलुगु एसपी शबरीश के साथ बुलेट से मेडारम के आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया और सड़कों की स्थिति का निरीक्षण किया। जातरा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए, उन्होंने बिना किसी यातायात जाम के वैकल्पिक मार्गों की पहचान करने के सुझाव दिए। मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को आपातकालीन स्थितियों में उपयोग किए जाने वाले विशेष मार्गों के बारे में निर्देश दिए। मंत्री ने विशेष मार्ग निर्धारित करने के आदेश दिए ताकि मशहूर हस्तियों के आगमन के कारण श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मंत्री सीतक्का ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मेला क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही, पार्किंग और आपातकालीन वाहनों की आवाजाही में किसी भी प्रकार की बाधा न आने देते हुए, सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यापक योजना के अनुसार कार्य करें।

सरकार महिलाओं और बच्चों के लिए पोषण मास महोत्सव शुरू करेगी

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने घोषणा की है कि राज्य सरकार 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक पूरे तेलंगाना में 'पोषण मास महोत्सव' (पोषण माह समारोह) का आयोजन करेगी। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को बेहतर बनाना है। यह कार्यक्रम आंगनवाड़ी कर्मचारियों के माध्यम से हर घर तक पहुंचने और स्वास्थ्य भोजन खाने के पोषण का संदेश पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है। मंत्री सीतक्का ने तेलंगाना के निर्वाचित प्रतिनिधियों को पत्र भेजकर उनसे अपने-अपने क्षेत्रों में इस पहल में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित भी किया है। रविवार को जारी एक बयान में, मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस आयोजन का प्राथमिक लक्ष्य हर घर में पोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, क्योंकि उचित पोषण परिवारों के समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने प्रत्येक आईसीडीएस परियोजना के लिए 30,000 रुपये और प्रत्येक आईसीडीएस परियोजना के लिए 10,000 रुपये की धनराशि जारी की है। लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाने हेतु प्रत्येक जिले को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। सीतक्का ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस धनराशि का उपयोग ग्राम स्तर से लेकर जिला और राज्य स्तर तक पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने में करें।

नशे के कारोबार में लिप्त विदेशी नागरिक को सूडान भेजा गया

12 साल से अवैध रूप से भारत में पढ़ाई कर रहा था

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश में नशीले पदार्थ का कारोबार कर रहे एक सूडानी नागरिक को वापस सूडान भेज दिया गया। वह 13 साल पहले भारत पढ़ाई के लिए आया था। हैदराबाद सिटी पुलिस - हैदराबाद नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने एक विदेशी नागरिक मोहम्मद यागूब मोहम्मद अली, निवासी सूडान गणराज्य को पकड़ा और उसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त होने से रोकने के लिए सूडान निर्वासित कर दिया।

मोहम्मद यागूब मोहम्मद अली उर्फ जबल उर्फ कुर्बा,(34 वर्ष) बैंगलोर, कर्नाटक में रह रहा था। वह कई बार नशीले पदार्थों के कारोबार करने के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है। न्यायालय से बरी होने के बाद वह फिर कारोबार में लग जाता था। मिली जानकारी के अनुसार विदेशी नागरिक मोहम्मद यागूब मोहम्मद अली उर्फ जबल उर्फ कुर्बा का जन्म और पालन-पोषण सूडान गणराज्य के गरसाला में हुआ। 2011 में सूडान में अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद, वह जुलाई 2012 में छात्र वीज़ा पर भारत आया और उस्मानिया विश्वविद्यालय के पीजी कॉलेज, सिकंदराबाद में बीसीए पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया। वह हैदराबाद के ईसीआईएल मकान किराए पर लिया। हालांकि, आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने अपनी बीसीए की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और उसी मकान की पहली मंजिल पर रहने वाले एक तंजानियाई नागरिक के साथ जुड़ गए। वर्ष 2018 में, कुशाईगुड़ा पुलिस ने उसे गांजा मामले गिरफ्तार कर चंचलगुड़ा जेल भेज दिया गया, जहाँ उस पर मुकदमा चला और डेढ़ साल बाद, 2019 में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। इसके बाद, उन्हें मामले से बरी कर दिया गया।

वर्ष 2020 में, वह अपने चचेरे भाई के साथ सैनिकपुरी में लगभग छह महीने तक रहा, इस दौरान वह गांजे का आदी हो गया। इस अवधि के दौरान, वह एक तंजानियाई नागरिक, जो एक ड्रग उपभोक्ता था, के साथ भी जुड़ गया और पैरामाउंट कॉलोनी, टॉलीचौकी में रहने लगा। राजेंद्रनगर पुलिस ने परिसर में छापा मारा और मोहम्मद यागूब मोहम्मद अली से 7 ग्राम चरस और हेरोइन जब्त की। उन्हें गिरफ्तार किया गया, 2021 में चंचलगुड़ा जेल भेज दिया गया और एक साल बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया।

इसके बाद, वह मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त रहा और ड्रग तस्करों के साथ संबंध बनाए रखा। 24 अक्टूबर वर्ष 2024 की मध्यरात्रि को, विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, एचन्यू टीम ने हुमायूं नगर पुलिस की सहायता से टोलीचौकी सीमा के भीतर मोहम्मद यागूब मोहम्मद अली और एक अन्य सूडानी नागरिक, मोहम्मद अब्दुल रहमान उस्मान को गिरफ्तार किया। गहन पूछताछ और तलाशी के बाद, मोहम्मद अब्दुल रहमान उस्मान के पास एक मादक पदार्थ (एमडीएमए) पाया गया। हुमायूं नगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया, मादक पदार्थ जब्त कर लिया और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मोहम्मद यागूब मोहम्मद अली उर्फ जबल उर्फ कुर्बा अपने पासपोर्ट और वीज़ा की समाप्ति के बावजूद 12 वर्षों से अधिक समय से भारत में रह रहा था। उसके पास कोई वैध यात्रा दस्तावेज़ नहीं थे और वह मादक पदार्थों की अवैध तस्करी में लिप्त था। इसलिए, उसे उसके देश वापस भेजने का निर्णय लिया गया।

अदालती आदेश प्राप्त होने के तुरंत बाद, एचएनईडब्ल्यू ने एफआरआरओ हैदराबाद के साथ निर्वासन प्रक्रिया शुरू की। उनका आपातकालीन यात्रा दस्तावेज़ सूडान उच्चायोग, नई दिल्ली से प्राप्त किया गया था, क्योंकि उनका पासपोर्ट और वीज़ा समाप्त हो गया था। एफआरआरओ हैदराबाद से एक निकास परमिट भी प्राप्त किया गया था।

उनकी यात्रा टिकट छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, मुंबई से बुक की गई थी और यात्रा की तारीख 12 सितंबर 2025 निर्धारित की गई थी। तदनुसार, निरीक्षक जी.एस. डैनियल के नेतृत्व में एचएनईडब्ल्यू की एक टीम ने विदेशी मोहम्मद यागूब मोहम्मद अली उर्फ जबल उर्फ कुर्बा को उसके मूल देश सूडान में निर्वासित कर दिया, जिससे उसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त होने से रोका जा सके।

इलाज के खर्च से परेशान होकर पिता ने की तीन साल के बेटे की हत्या

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुड़ा इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पिता ने अपने तीन साल के बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को मूसी नदी में फेंक दिया। अनस नाम का यह बच्चा बंडलागुड़ा में अपने परिवार के साथ रहता था। उसके पिता मोहम्मद अकबर ने पहले पुलिस को शिकायत दी थी कि अनस तीन दिनों से लापता है। जांच में खुलासा हुआ कि अकबर ने ही बेटे की हत्या की थी। वजह यह बताई जा रही है कि वह अनस के इलाज का खर्च नहीं उठा पा रहा था। अनस पहले से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। फिलहाल बंडलागुड़ा पुलिस मूसी नदी से शव निकालने की कोशिश कर रही है और अकबर के खिलाफ बेटे की हत्या और सबूत मिटाने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

मंत्रियों ने लोगों से समस्याओं के बारे में जानकारी ली

सड़कों और जल निकासी से संबंधित विभिन्न मुद्दे सामने आएं

हैदराबाद, 14 सितबंर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के सोमाजीगुडा संभाग में जयप्रकाश कॉलोनी और इंजीनियर्स कॉलोनी के लोगों के साथ मंत्री पोन्नम प्रभाकर और तुम्मला नागेश्वर राव ने मुलाकात की।

इस मुलाकात के दौरान मंत्रियों ने स्थानीय लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने मंत्रियों के ध्यान में सड़कों और जल निकासी से संबंधित विभिन्न मुद्दे लाए। मंत्रियों ने बताया कि सड़कों और जल निकासी के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर आधारशिलाएँ रखी जा चुकी हैं। मंत्रियों ने लोगों से प्राप्त शिकायतों का समाधान करने का वादा किया। अधिकारियों से तुरंत बात करके उनकी समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस मौके पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हमने हैदराबाद में सभी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया न केवल जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए, बल्कि राज्य की राजधानी के रूप में हैदराबाद की ब्रांड छवि को बनाए रखने के लिए भी शुरू कर दी है। समस्याओं के समाधान में जुबली हिल्स को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 1923 में, निज़ाम के काल में, हिमायत सागर, निज़ाम सागर, बाद में सिंगुर, मंजीरा के पानी से कृष्णा चरण 1, 2, 3 और गोदावरी चरण 1 के लिए हैदराबाद में पीने का पानी पहुँचाया गया। अब तक शहर में 630 एमएलडी पानी आ रहा है।

शहर में ज़रूरत के हिसाब से पानी पहुँचाने के लिए कोई कार्यक्रम नहीं चलाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले हफ़्ते, गंड़ीपेट में, मुख्यमंत्री ने गोदावरी चरण 2 के माध्यम से हैदराबाद में पीने के पानी के लिए 300 एमएलडी पानी लाने की आधारशिला रखी है। हम मेट्रो रेल नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। हम नए राशन कार्ड वितरित कर रहे हैं। हुसनाबाद निर्वाचन क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए हम हर गाँव में स्टील बैंक वितरित कर रहे हैं। जयप्रकाश कॉलोनी, इंजीनियर्स कॉलोनी हैदराबाद शहर के लिए एक आदर्श होनी चाहिए।

ब्लॉक कांग्रेस नेता की जीप ने रोका रास्ता, जनता परेशान

कुमराम भीम आसिफाबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बेज्जुर मंडल में रविवार को ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राचकोंडा श्रीवर्धन आलोचना के घेरे में आ गए, जब उन्होंने सड़क पर अपनी जीप खड़ी कर दी। इस वजह से मंडल मुख्यालय की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात बाधित हो गया और लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। घटना उस समय हुई जब एक स्थानीय व्यक्ति ने अपने घर के पास नालियों की सफाई बिना अधिकारियों को बताए कराने पर आपत्ति जताई। इसके बाद श्रीवर्धन ने कथित तौर पर गुस्से में अपनी जीप सड़क पर खड़ी कर दी। करीब 30 मिनट तक लोगों और वाहन चालकों को मंडल केंद्र में साप्ताहिक बाजार के लिए प्रवेश करने में दिक्कत हुई। यहां तक कि एक टीएसआरटीसी बस भी अंदर न जाकर लौट गई। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर नाराजगी जताई और कांग्रेस से श्रीवर्धन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जीप को हटवाया और सड़क को फिर से खाली कराया।

आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं चल सकते

ओवैसी ने 26 जानों की कीमत बनाम मैच की कमाई पर पूछा

हैदराबाद, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भारत और पाकिस्तान के एशिया कप मैच से पहले भाजपा सरकार से कहा कि क्या पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 26 लोगों की कीमत मैच से मिलने वाले पैसों से ज्यादा नहीं है।

जनसभा में ओवैसी ने प्रधानमंत्री के कथन का जिक्र करते हुए बताया कि आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं चल सकते, फिर भी क्रिकेट मैचों से कितना पैसा आता है- बीसीसीआई को 2,000 करोड़ या 3,000 करोड़-उसका जवाब भाजपा को देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा देशभक्ति की बातें करती है, लेकिन मैच के मामले में रवैया बदल देती है।

ओवैसी ने कहा कि एआईएमआईएम हमेशा पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के साथ खड़ी है और यह मैच नहीं होना चाहिए था। उन्होंने पूछा कि जब हम सिंधु जल संधि जैसी बड़ी बातें रोक सकते हैं, तो फिर यह मैच कैसे खेला जा रहा है।

उन्होंने केंद्र पर शिक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव का आरोप भी लगाया, कहा कि विभाजन के जिम्मेदारों के नाम बदल दिए जा रहे हैं और कुछ ऐतिहासिक बातें हटायी जा रही हैं। ओवैसी ने यह भी कहा कि गाजा में जो हो रहा है उसके खिलाफ केंद्र को कदम उठाना चाहिए और वहां भूखे लोगों को मदद देनी चाहिए।

ओवैसी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुसलमानों पर हो रहे हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया के मुसलमानों को ये घटनाएं समझनी चाहिए और भारत में मुसलमानों के खिलाफ बढ़ती घटनाओं पर चिंता जतायी-घर उजाड़े जाना, बच्चों पर हमले और बुलडोजर जैसी कार्रवाइयों का हवाला देते हुए। पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान का मैच रविवार को दुबई में होना था, यह मई के बाद दोनों टीमों का पहला आमना-सामना था, जब अप्रैल में पहलगाम में 26 लोगों की हत्या के बाद तनाव बढ़ गया था।

दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक ने बल्हारशाह-सिकंदराबाद खंड का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 14 सितबंर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने बल्हारशाह-सिकंदराबाद खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ. गोपालकृष्णन आर और मुख्यालय एवं मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। संजय कुमार श्रीवास्तव ने बल्हारशाह-सिकंदराबाद खंड में निरीक्षण किया, जिसके दौरान उन्होंने पटरियों, पुलों, सिग्नलिंग प्रणालियों के सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की और खंड के कुछ महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने सिरपुर कागजनगर स्टेशन का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। डॉ. पलवई हरीश बाबू, माननीय विधान सभा सदस्य, सिरपुर कागजनगर ने स्टेशन पर महाप्रबंधक से मुलाकात की और क्षेत्र में रेल विकास योजनाओं के संबंध में एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने मंचिर्याल रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन पर किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्माण स्थल पर सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने रामागुंडम रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने स्टेशन के यात्री सुविधाओं और परिसंचारी क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने सिंगरेणी ओपन कास्ट खनन स्थल का दौरा किया। बाद में, संजय कुमार श्रीवास्तव ने पेड्डापल्ली रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को कार्यों में और तेजी लाने की सलाह दी ताकि परियोजना को लक्ष्य के अनुसार पूरा किया जा सके। निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक को विभिन्न ट्रेड यूनियनों के सदस्यों और कर्मचारी प्रतिनिधियों के ज्ञापन प्राप्त हुए।

उन्होंने मीडिया कर्मियों से भी बातचीत की और उन्हें क्षेत्र में विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी।

नारा देवांश को सबसे तेज शह और मात हल करने के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्र्स पुरस्कार मिला

देवांश ने पहले दो अन्य विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किए

अमरावती, 14 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश के पुत्र और दस वर्षीय शतरंज खिलाड़ी नारा देवांश को सबसे तेज समय में 175 सबसे कठिन शतरंज पहेलियां हल करके सबसे तेज शह और मात हल करने वाले का विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया है। उन्होंने लंदन के वेस्टमिंस्टर हॉल में आयोजित पुरस्कार समारोह में भाग लिया और "सबसे तेज शह और मात हल करने वाले-175 पहेलियां" पुरस्कार प्राप्त किया। राज्य के शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश भी अपने पुत्र का उत्साहवर्धन करने और समारोह के प्रत्यक्षदर्शी बनने के लिए इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। यह उपलब्धि हासिल करने के लिए, नारा देवांश ने पिछले साल चेकमेट मैराथन में लास्ज़लो पोल्गर के प्रसिद्ध शतरंज संग्रह '5334 समस्याएं और खेल' से ली गई 175 जटिल शह और मात पहेलियों को शीघ्रता से हल किया। ये पहेलियां एक के बाद एक कठिन होती जाती हैं, गति, सटीकता और सोच कौशल की परीक्षा लेती हैं। देवांश ने इन सभी को सबसे कम समय में हल करके एक कीर्तिमान रच दिया। उन्हें शतरंज की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभाओं में से एक के रूप में वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। देवांश की सफलता उनके अथक प्रयासों के साथ-साथ उनकी माँ नारा ब्राह्मणी, पिता नारा लोकेश और कोच के. राजशेखर रेड्डी के प्रोत्साहन का परिणाम है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, मंत्री नारा लोकेश ने कहा, यह विशेष है कि देवांश को आज वेस्टमिंस्टर हॉल में यह सम्मान मिला। उनकी दूरदर्शिता, विचार शक्ति, दबाव में समय की पाबंदी और कम उम्र में खेल के प्रति समर्पण की उनकी अनूठी शैली ने इस उपलब्धि को संभव बनाया है। एक पिता के रूप में, मैंने देवांश की अथक मेहनत को करीब से देखा है। यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत का सच्चा प्रतिफल है। हम सभी को इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है। इसके अलावा, देवांश ने पहले दो अन्य विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। उन्होंने हनोई के 7-डिस्क टॉवर को केवल 1 मिनट और 43 सेकंड में पूरा किया और 5 मिनट में 9 शतरंज बोर्डों पर 32 मोहरों को सही क्रम में व्यवस्थित करने का विश्व रिकॉर्ड हासिल किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.